THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 26 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.10 2082 बुधवार, 23 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ताजमहल की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। ताजमहल की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में शामिल ताजमहल पर प्रदूषण और औद्योगिक इकाइयों के प्रभाव को लेकर शीर्ष अदालत ने चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) को कांच उद्योग के ताजमहल पर प्रभाव का आकलन करने के लिए कहा है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान की पीठ ने एनईईआरआई को मूल्यांकन पूरा करने की समयसीमा बताते हुए एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित सभी सरकारी एजेंसियों को इस काम में नीरी की सहायता करनी चाहिए।

आतंकी हमले में 26 से ज्यादा की मौत की आशंका

अमित शाह श्रीनगर पहुंचे

श्रीनगर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले 26 से अधिक टूरिस्ट के मारे जाने की आशंका है। बड़े आतंकी हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर के लिए रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निर्देश मिलने के बाद गृह मंत्री नई दिल्ली से पहलगाम के लिए रवाना हुए हैं। आतंकी हमले में काफी टूरिस्ट घायल हुए हैं हालांकि अभी तक दो टूरिस्ट की मौत की पुष्टि हुई है। नई दिल्ली में हाईलेवल बैठक के बाद गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर में भी उच्चस्तरीय बैठक।

पीएम मोदी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया है। राज्य सरकार ने अभी तक आतंकी हमले के मृतकों और घायलों की सूची जारी नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा : पीएम

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत की आशंका और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। पीएम मोदी ने हमले की निंदा करते हुए दुख जताया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा-मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं।

जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। पीएम मोदी ने आगे लिखा- इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा...उन्हें बख्शा नहीं जाएगा! उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर पीएम मोदी के साथ-साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती समेत देश भर के तमाम नेताओं ने दुख जताया है।

शाह की हत्या की साजिश का दावा

मोगा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है। पंजाब पुलिस का दावा है कि खालिस्तान समर्थक और सांसद अमृतपाल के समर्थक इसकी तैयारी कर रहे थे। हालांकि ये वारदात को अंजाम दे पाते कि इससे पहले वॉट्सऐप ग्रुप की चैट लीक हो गई। ये वॉट्सऐप ग्रुप 'वारिस पंजाब दे' और 'अकाली दल मोगा जत्थेबंदी' के नाम से बने थे।

सऊदी अरब में पीएम मोदी को 21 तोपों की सलामी

रियाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दो दिन के दौरे पर पहुंच गए हैं। उनका प्लेन भारतीय समय के मुताबिक, 3:20 बजे जेद्दाह में लैंड हुआ। इससे पहले सऊदी के एयरस्पेस में उनके प्लेन के एंटर होने पर सऊदी के लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के प्लेन को सुरक्षा मुहैया कराई। सऊदी पहुंचने पर उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई।

गोल्ड का नया रिकॉर्ड 1 लाख रुपये पहुंचा

एक दिन में 3,330 बढ़ा सोना, चांदी 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज यानी, मंगलवार 22 अप्रैल को पहली बार 1 लाख रुपये पर पहुंच गया है। एक दिन पहले सोमवार को सोने की कीमत 96,670 थी। इधर, चांदी की कीमत 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो हो गई है। सोमवार को चांदी का भाव 96,242 प्रति किलो था। चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 47 की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। शादियों का मौसम शुरू हो गया है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है।

'मतदाता सूची से छेड़छाड़ के आरोप निराधार'

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) के सूत्रों ने मंगलवार को कांग्रेस के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता सूची के साथ छेड़छाड़ की गई थी। आयोग के सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक कुल 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किया। औसतन हर घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। अगर इसी औसत के अनुसार देखा जाए, तो आखिरी दो घंटों में लगभग 1 करोड़ 16 लाख (116 लाख) लोग वोट डाल सकते थे। इसलिए, दो घंटे में सिर्फ 65 लाख वोट पड़ना औसत के मुकाबले काफी कम है, और यह (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी के आरोपों के विपरीत है। सूत्रों ने आगे कहा कि हर मतदान केंद्र पर मतदान की प्रक्रिया उम्मीदवारों या राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त पोलिंग एजेंटों की मौजूदगी में हुई। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने मतदान के अगले दिन रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के सामने किसी भी तरह के असामान्य मतदान को लेकर कोई शिकायत नहीं की।

> सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने किया टॉप

प्रयागराज, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 22 अप्रैल 2025 को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने प्रथम रैंक (एआईआर-1) हासिल कर शहर और देश का नाम रोशन किया है। इस साल कुल 1,009 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (ग्रुप ए और बी) के लिए चुना गया है।

शक्ति दुबे ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि हर्षिता गोयल ने दूसरा और डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाह मार्गी चिराग (4), आकाश गर्ग (5), कोमल पुनिया (6), आयुषी बंसल (7), राज कृष्ण झा (8), आदित्य विक्रम अग्रवाल (9) और मयंक त्रिपाठी (10) शीर्ष 10 में शामिल हैं। 1,132 रिक्तियों के मुकाबले 1,009 उम्मीदवारों को चुना गया है। इसमें 335 सामान्य वर्ग, 109 ईडब्ल्यूएस, 318 ओबीसी, 160 एससी, 87 एसटी और 45 दिव्यांग (पीडब्ल्यू बीडी) उम्मीदवार शामिल हैं। 241 उम्मीदवारों का परिणाम अस्थायी रखा गया है। यूपीएससी ने 230 उम्मीदवारों की एक समेकित रिजर्व लिस्ट भी जारी की है, जिसमें 115 सामान्य, 35 ईडब्ल्यूएस, 59 ओबीसी, 14 एससी, 6 एसटी और 1 पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार शामिल हैं। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा 16 जून 2024 को, मुख्य परीक्षा 20-29 सितंबर 2024 को और साक्षात्कार (पर्सनैलिटी टेस्ट) 7 जनवरी से 17 अप्रैल 2025 तक आयोजित हुए। कुल 5-6 लाख उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा दी, जिनमें से 2,845 ने साक्षात्कार के लिए क्वालिफाई किया।

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से यूपीएससी 2024 में टॉप कर इतिहास रचा है। शक्ति दुबे ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से बायोकैमेस्ट्री में एमएससी की है। 2018 में पोस्ट ग्रेजुएट होने के बाद शक्ति दुबे ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और शहर को गौरवान्वित किया है, बल्कि लाखों यूपीएससी अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी हैं।

प्रदूषण और सड़क हादसे कम करने में बच्चे निभाएं सामाजिक जिम्मेदारी : गडकरी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की सड़कों को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने कई पहल शुरू की हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स और केंद्रीय विद्यालय संगठन ने मिलकर 'एसआईएम-केवीएस रोड सेफ्टी ऑनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम' आयोजित किया।

राष्ट्रीय राजधानी के नई दिल्ली कैंट स्थित केंद्रीय विद्यालय 2 में मंगलवार को आयोजित हुए इस विशेष प्रोग्राम के तहत रोड सेफ्टी लर्निंग मॉड्यूल 'सुरक्षित सफर' को लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम का हिस्सा केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी रहे। यहां बच्चों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, आने वाला समय हाइड्रोजन का है। हमें ऊर्जा को आयात करने वाला नहीं, निर्यात करने वाला देश बनना है।

गरीब मुसलमानों को फायदा और लूट पर रोक जरूरी : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। नए वक्फ कानून को लेकर देश में जारी सियासी घमासान के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को इसके फायदे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कानून का मकसद गरीब मुसलमानों को फायदा पहुंचाना और वक्फ संपत्तियों की लूट व दुरूपयोग को रोकना है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा वक्फ संपत्तियां हैं, करीब 9.72 लाख, लेकिन इनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतवर लोग इन संपत्तियों का दुरूपयोग कर रहे हैं, जबकि इनका उपयोग मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए होना चाहिए। रिजिजू ने आगे बताया कि इस विधेयक में जो बदलाव किए गए हैं, वो पुरानी रिपोर्ट्स जैसे सच्चर समिति और के. रहमान खान समिति की सिफारिशों के आधार पर किए गए हैं।

'आपने अदालत का माहौल खराब किया'

सुप्रीम कोर्ट की वकील को फटकार, पांच लाख रुपये जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पारिवारिक विवाद से जुड़े एक मामले में विपक्षी को दी गई राहत पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका को वापस लेने के अनुरोध पर वकील को कड़ी फटकार लगाई। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वकील से कहा कि आपने संविधान अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करके अदालत का माहौल खराब किया है। कोर्ट ने वकील पर पांच लाख रुपये जुर्माना भी लगाया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अधिवक्ता संदीप तोदी को चार सप्ताह के भीतर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के खाते में राशि जमा करने के लिए कहा। कोर्ट ने याचिका को छह सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या धनराशि जमा की गई है?

जस्टिस विक्रम नाथ ने वकील से कहा कि आपने इस अदालत का माहौल खराब कर दिया है, क्योंकि कोई भी विवेकशील वकील संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी तुच्छ याचिका दायर नहीं करेगा। संविधान का अनुच्छेद 32 सांविधानिक उपचारों के अधिकार की गारंटी देता है। इसके तहत यदि किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है तो वह अपने मौलिक अधिकारों को लागू कराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। पीठ ने कहा कि यदि हम याचिका को सरलता से वापस लेने की अनुमति देते हैं तो इससे गलत संदेश जाएगा। इसके बाद पीठ ने वकील पर पांच लाख रुपये जुर्माना लगाते हुए उसे याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

गुजरात में ट्रेनिंग प्लेन क्रैश एक पायलट की मौत

अमरेली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में अमरेली के गिरिया रोड स्थित रिहायशी इलाके में एक पायलट ट्रेनिंग सेंटर का प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। विमान के गिरने के बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। अमरेली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ यह प्लेन एक निजी कंपनी द्वारा संचालित था।

हादसे का शिकार हुए प्लेन में एक ही पायलट सवार था, जिसकी मौत हो गई। पायलट का नाम अनिकेत महाजन है। डीवाईएपी चिराग देसाई ने बताया कि अमरेली स्थित ट्रेनिंग सेंटर अपने एकल इंजन वाले विमानों के जरिए ट्रेनिंग देता है। आज इस प्लेन को अनिकेत महाजन उड़ा रहे थे। अनिकेत ने आज ट्रेनिंग के दौरान इससे पहले चार बार उड़ान भरी और लैंड हुए थे।

'संसद ही सर्वोपरि', न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका की बहस के बीच उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद ही सर्वोपरि है। हर संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से जुड़ा होता है।

दिल्ली विवि में एक कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारों के अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट को घेरा। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पणियों का हवाला दिया। इसमें गोरकनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है। जबकि दूसरे केशवानंद भारती मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह संविधान का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च हित से निर्देशित होता है। मुझे यह बात काफी दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक के बारे में गलत समझ से कोई भी चीज दूर नहीं हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और टिप्पणियों को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उन्होंने न्यायपालिका के लिए ये कड़े शब्द राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहे, कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की तरफ से विचार के लिए रखे गए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा तय करने की मांग की थी।

इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा, 'इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता।'

सुप्रीम कोर्ट ने कसा था तंज

उपराष्ट्रपति धनखड़ और भाजपा नेताओं के बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की याचिका पर सुनवाई के दौरान तंज कसा था। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा था कि 'आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए राष्ट्रपति को आदेश जारी करें? वैसे ही, हम पर कार्यपालिका (क्षेत्र) में अतिक्रमण करने का आरोप लग रहा है।'

पूर्व डीजीपी हत्याकांड की तह तक पहुंचेगी अपराध शाखा

कर्नाटक सरकार ने सौंपी जिम्मेदारी

बंगलूरु, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश हत्या मामले की चर्चा पूरे देशभर में हो रही है। कारण है कि पूर्व डीजीपी की हत्या के आरोप में उनकी पत्नी पल्लवी को गिरफ्तार किया गया। पल्लवी के गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में नए-नए खुलासे सामने आ रहे हैं। हालांकि अब इस घटना की जांच केंद्रीय अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) को सौंपी गई है, जिसके बाद से अनुमान लगाया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच इस घटना के तह तक पहुंच कर पूरी सच्चाई को सामने लाएगी।

राज्य गृह मंत्री ने दी जानकारी

मामले की जानकारी देते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को बताया कि इस मामले की जांच अब केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) कर रही है क्योंकि ओम प्रकाश एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी थे। उन्होंने कहा कि पल्लवी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली है और फिलहाल मामले की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। इसके साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या पुलिस को मोबाइल फोन से कोई सुराग मिला है, तो उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें जानकारी नहीं है, लेकिन जांच में सब देखा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट में दावा

बता दें कि इस मामले में ताजा अपडेट के अनुसार दावा किया जा रहा है कि पूर्व डीजीपी की पत्नी और हत्या की मुख्य आरोपी पल्लवी ने हत्या से पांच दिन पहले गूगल पर सर्च किया था कि गर्दन की नस और रक्तवाहिनियां काटने से मौत कैसे होती है। इतना ही नहीं सूत्रों का कहना है कि हत्या से पहले पल्लवी ने व्हाट्सएप ग्रुप में कई संदेश साझा किए थे। इनमें उसने कहा कि उसे घर में बंधक बनाकर रखा गया है, उस पर नजर रखी जाती है, उसे जहर देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही उसने अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई थी।

खबरें जरा हटके

'2050 में जी रहा है पड़ोसी', हम फोन दिखाते हैं, चीन हाथ दिखाकर करता है पेमेंट!

एक समय था कि एक-एक चीज के लिए हमें खुद ही संघर्ष करना पड़ता था, लेकिन जैसे-जैसे विज्ञान आगे बढ़ता गया, हमें चीजें भी आसानी से मिलने लगीं। न सिर्फ मशीनों ने हमारी मेहनत बचाई बल्कि हमारे रोजमर्रा के कागजी कामों में भी साइंस के जरिये काफी आसानी हो गई। इस वक्त भारत में जो सबसे कामयाब टेक्नोलॉजी हर किसी की जिंदगी में मौजूद है, वो यूपीआई है। इसकी चर्चा भी दुनिया भर में होती है। आज हम आपको बताएंगे कि तकनीक के मामले में सिर्फ भारत ही नहीं पड़ोसी देश भी कहीं ज्यादा आगे बढ़ चुके हैं। खासतौर पर अगर बात चीन की करें तो चीन इससे भी कहीं ज्यादा आगे पहुंच चुका है। आपको इसका सबूत देने वाला एक वीडियो दिखाएंगे, वो वायरल हो रहा है।

सिर्फ हाथ दिखाकर हो गया पेमेंट

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स चीन में शेनजेन में पहुंचा है। यहां पहुंचकर वो एक 7 इलेवन कंवीनियंस स्टोर पर पहुंचा है। वो वहां से एक स्पार्कलिंग वॉटर की बॉटल खरीदता है और बताता है कि उसका फोन कहीं छूट गया है। ऐसे में वो पेमेंट के लिए अपनी हथेली का इस्तेमाल करता है। वो बताता है कि वो अपनी वीचैट आईडी के जरिये कभी भी अपनी हथेली के जरिये पेमेंट कर सकता है। ये तकनीक देखकर लोग दंग रह गए।

अद्भुत है ये तो ...

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो को अब तक 14 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं, जबकि हजारों लोगों ने इसे पसंद किया है। इस पर लोगों ने दिल खोलकर कमेंट भी किया है। एक यूजर ने लिखा- चीन हमसे 50 साल आगे चल रहा है। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- 'ये तो यूपीआई से भी आगे है।'

हाथी के गोबर से बनाते हैं लड्डू, दूर-दूर से चखने आ रहे लोग, एक प्लेट की कीमत 50 हजार

आपने आजतक बेसन के लड्डू खाए होंगे। नारियल के लड्डू का स्वाद भी काफी लजीज होता है। मोतीचूर के शुद्ध घी में बने लड्डू का तो कोई जवाब ही नहीं है। लेकिन अगर आपसे कहें कि हाथी के गोबर से भी लड्डू बनाए जाते हैं तो? शायद आपको यकीन नहीं होगा और अगर होगा भी तो आप अपनी पूरी जिंदगी इस लड्डू को चखना नहीं चाहेंगे। लेकिन चीन में इसका ठीक उल्टा हो रहा है। चीन का एक रेस्तरां हाथी के गोबर से बने लड्डू के लिए मशहूर है। वर्षावन नाम के इस रेस्तरां में सिर्फ चीन से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग सिर्फ इस लड्डू का स्वाद चखने के लिए आते हैं। इसे खाने के लिए लाइन लगाई जाती है। काफी मशक्कत के बाद ऑर्डर प्लेस हो पाता है और लोग इस अजीबोगरीब लड्डू का स्वाद चख पाते हैं। लग रहा ना आपको झटका. लेकिन ये बात बिलकुल सच है।चीनी न्यूज वेबसाइट के मुताबिक, इस रेस्तरां की शुरुआत चीन के ब्लांग जनजाति के एक शख्स ने की थी। उसी समय से इस रेस्तरां का शेफ फ्रांस का है। इस रेस्तरां की सबसे खास बात है कि यहां आपको ना सिर्फ हाथी के गोबर से बना लड्डू मिल जाएगा बल्कि इस गोबर के इस्तेमाल से बने लगभग 14 डिश भी मिल जाएंगे। हर डिश का स्वाद उतना ही अनोखा होता है जिसे खाने के लिए लोग अपने पूरे परिवार के साथ आते हैं। कई टूरिस्ट तो फ्रांस से सिर्फ हाथी के गोबर के लड्डू का स्वाद चखने ही आते हैं। आपको लग रहा होगा कि चूंकि इसे गोबर से बनाया जाता है, ऐसे में इसकी कीमत कुछ खास नहीं होगी। लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं है। बात अगर हाथी के गोबर से बने डिश की करें, तो रेस्तरां में इसके सारे डिशेज को एक थाली में परोसा जाता है। इस थाली की कीमत पचास हजार है। यही कारण है कि इस रेस्तरां में ज्यादातर रईस लोग ही आते हैं और इन लड्डुओं का लुत्फ उठाते हैं।

अकेले रहता है लड़का, सोशल मीडिया पर बताया अपने महीने का खर्च, जानकर उड़े लोगों के होश!

भारत के महानगरों में खर्चे इतने ज्यादा हो गए हैं कि लोग उनसे बचने के लिए छोटे शहरों में रहना पसंद कर रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, नोएडा, जैसे तमाम शहरों में रहने, खाने और अन्य जरूरत की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। हाल ही में एक लड़के ने सोशल मीडिया पर बताया कि वो बेंगलुरु में अकेले रहता है। उसने जब अपने महीने के खर्च का खुलासा किया तो लोगों के होश उड़ गए क्योंकि वो काफी कम रुपयों में आराम की जिंदगी बिता ले रहा है। इस वजह से बहुत से लोग उसकी तारीफ भी करने लगे। हाल ही में आदर्श नाम के एक 22 वर्षीय लड़के ने इस ग्रुप पर अपने मासिक खर्चों के बारे में बताया। आदर्श ने बताया कि वो पिछले 6 महीनों से बेंगलुरु में अकेले रह रहा है। इस वजह से उसने सोचा कि वो लोगों को बताए कि वो महीने में कितने रुपये खर्च करता है, जिससे लोगों को पता चले कि बेंगलुरु में रहने के लिए कितने रुपयों की आवश्यकता हो सकती है। अक्सर लोगों के मन में ये भ्रांति होती है कि बेंगलुरु में रहना है तो 20-30 लाख रुपये का सालाना पैकेज होना बहुत जरूरी है। तभी कोई वहां पर आराम से जिंदगी गुजार सकता है। पर आदर्श ने इस बात को गलत साबित कर दिया. वो सिर्फ 20 हजार रुपयों में बेंगलुरु में आराम से रह रहे हैं. हालांकि, उन्होंने अपनी सैलरी का खुलासा नहीं किया है. मगर उनके खर्चों को देखकर लगता है कि 40-50 हजार रुपये कमाने वाला व्यक्ति भी आसानी से बेंगलुरु में जीवनयापन कर सकता है. उन्होंने अपने खर्चों में सबसे बड़ा खर्चा बताया किराये का. वो एक घर में दोस्तों के साथ रहते हैं, जिसका किराया 23 हजार रुपये है. किराया बांटने पर उन्हें 9 हजार रुपये देने पड़ते हैं. इसके अलावा महीने भर में अपने 3 टाइम खाने पर वो 8 हजार रुपये तक खर्च करते हैं. ट्रैवलिंग पर वो 2000 तक खर्च करते हैं जिसमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट या फिर रैपिडो जैसी बाइक टैक्सी सर्विस शामिल है. अन्य खर्चों के लिए 2000 रुपये लग जाते हैं. इस तरह से वो 20 से 21 हजार रुपयों में अपना खर्च चला लेते हैं.

लावारिस सूटकेस में मिला महिला का शव

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। राज्य की राजधानी कोलकाता के बागुईआटी में एक लावारिस सूटकेस में महिला का शव मिला है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह कोलकाता के बागुईआटी इलाके में एक लावारिस सूटकेस में एक महिला का शव मिला। सूटकेस बागुईहाटी पुलिस स्टेशन के पास सड़क के किनारे एक नाले के पास पड़ा मिला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि उन्होंने महिला के शरीर पर चोट के निशान भी हैं।

रुद्रपुर मजार विवाद: हाईकोर्ट ने 24 घंटे में मांगा जवाब

नैनीताल, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। नैनीताल हाईकोर्ट ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में एनएच पर मजार ध्वस्तीकरण के खिलाफ मेंशन की गई पुरानी याचिका पर सुनवाई के बाद एकलपीठ ने याचिकाकर्ता से कहा है कि वे 24 घंटे के भीतर दो सदस्यों और मिट्टी शिफ्ट करने की भूमि का पूर्ण ब्यौरा मुहैया कराए। न्यायालय ने यूएस नगर जिला प्रशासन से कहा कि तब तक मजार के ऊपर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए। मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल की दोपहर में होगी। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में इंदिरा चौक के समीप बनी सैय्यद मासूम शाह मिया और सज्जाद मिया की मजार को प्रशासन ने सोमवार तड़के बुलडोजर की मदद से हटा दिया।

'पिता को जैसे खत्म किया, वैसे ही तुझे'

> बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान को मिली 'जान से मारने की धमकी

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने दिवंगत बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी देने के मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना सोमवार को सामने आई, जब जीशान को एक धमकी भरा ईमेल मिला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीशान सिद्दीकी को भेजे गए ईमेल में धमकी दी गई कि उनकी हत्या उनके पिता बाबा सिद्दीकी की तरह कर दी जाएगी। ईमेल में 10 करोड़ रुपए की मांग की गई और धमकाने वाले ने कहा कि वह हर छह घंटे में ऐसे धमकी भरे ईमेल भेजेगा। इस धमकी से परेशान जीशान ने तुरंत मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार, यह धमकी बाबा सिद्दीकी की हत्या से जोड़कर देखी जा रही है। बाबा सिद्दीकी एक प्रमुख एनसीपी नेता और व्यवसायी थे। उनकी पिछले साल गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड ने मुंबई में सनसनी फैला दी थी और अब उनके बेटे को मिली धमकी ने सुरक्षा चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है। जीशान खुद एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, मुंबई पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। जांच के तहत पुलिस उस ईमेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है। साइबर क्राइम सेल की मदद से ईमेल के आईपी एड्रेस और अन्य डिजिटल सुरागों की जांच की जा रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह धमकी किसी संगठित आपराधिक गिरोह या व्यक्तिगत दुश्मनी से जुड़ी है। साथ ही जीशान और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी

वेंस ने परिवार समेत आमेर फोर्ट देखा; बेटी को गोद में लेकर घूमे

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को जयपुर में एक बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी है। मैं कई देशों में गया हूं, पहली बार भारत आया हूं। अन्य देशों में नीरसता लगती है, लेकिन भारत में जीवंतता महसूस होती है।

वेंस ने कहा कि मोदी एक टफ नेगोशिएटर हैं और भारत की इंडस्ट्री के लिए लड़ते हैं। यह मैंने कई बार देखा है। इससे पहले वेंस ने मंगलवार सुबह पत्नी उषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मीराबेल के साथ जयपुर का आमेर किला देखा। वे बेटी को गोद में लेकर घूमते हुए दिखे। वे जयपुर शहर से करीब 10 किमी दूर अरावली की पहाड़ियों पर स्थित आमेर किले में जीप से पहुंचे।

आमेर फोर्ट के जलेब चौक पर दो हाथियों (चंदा और पुष्पा) ने मेहमानों का स्वागत किया। लोक कलाकारों ने भी कच्छी घोड़ी, घूमर और कालबेलिया डांस कर उनका वेलकम किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस के परिवार से मुलाकात की। वेंस सेंड स्टोन, संगमरमर और पीले पत्थर से बने आमेर फोर्ट पर करीब डेढ़ घंटे रुके। उन्होंने फोर्ट में दीवान-ए-आम, गणेश पोल और मान सिंह महल देखा। इसके साथ ही वेंस के परिवार ने आमेर महल में स्थित विश्व प्रसिद्ध शीशमहल भी देखा। यह शीशमहल कीमती पत्थर और विदेशी कांच से बना है, सैकड़ों साल पहले इसके लिए बेल्जियम से कांच आयात किए गए थे। वेंस ने बेटी को गोद में लेकर फोर्ट को चारों तरफ से दिखाया।

घटाई गई पूर्व सीएम आतिशी की सुरक्षा

'जेड' की जगह की गई 'वाई' श्रेणी, गृह मंत्रालय ने दिया दिल्ली पुलिस को आदेश

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी को प्रदान की गई सुरक्षा को 'जेड' श्रेणी से घटाकर 'वाई' श्रेणी करने का निर्देश दिया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

वहीं इस फैसले के बाद अभी तक आतिशी या फिर आम के किसी बड़े नेता का बयान नहीं आया है। केंद्र एजेंसियां समय समय पर इस बात का आकलन करती है कि जिन लोगों को सुरक्षा दी गई है वर्तमान में उन पर हमला होने का कितना खतरा है। इसके आधार पर ही एजेंसी उनको दी जाने वाली सुरक्षा श्रेणी को बढ़ाने व घटाने का फैसला करती है।

अब कितने सुरक्षा कर्मी करेंगे आतिशी की सुरक्षा?

पहले आतिशी को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी, जिसमें 22 सुरक्षाकर्मी होते थे, जिनमें चार से छह कमांडो और पुलिसकर्मी शामिल होते थे। लेकिन अब जब उनकी सुरक्षा श्रेणी को बदल दिया गया है तो अब वाई श्रेणी में आठ सुरक्षाकर्मी होंगे, जिसमें दो कमांडो और पुलिसकर्मी होंगे।

हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव के 'शरबत जिहाद' बयान पर जताई नाराजगी, कड़ा आदेश देने की चेतावनी

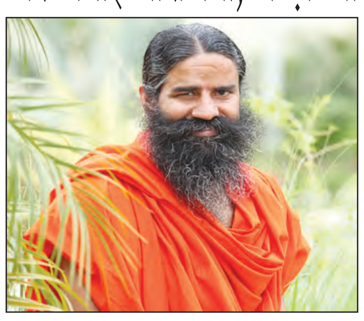

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बाबा रामदेव के शरबत जिहाद वाले बयान पर दिल्ली हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने कड़ा आदेश जारी करने की चेतावनी दी कि इससे न्यायालय की अंतरात्मा को आघात पहुंचा है, इसका कोई औचित्य नहीं था। अदालत ने रामदेव का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से अगली सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया है। योग गुरु बाबा रामदेव ने तीन अप्रैल को अपने शरबत ब्रांड का प्रचार करते हुए हमदर्द कंपनी के शरबत पर विवादित टिप्पणी की थी।

हमदर्द के वकील ने अदालत को बताया कि हाल ही में पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए रामदेव ने दावा किया था कि हमदर्द के रूह आफजा से अर्जित धन का उपयोग मदरसे और मस्जिद बनाने में किया गया। बाद में, रामदेव ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने किसी ब्रांड या समुदाय का नाम नहीं लिया।

हमदर्द का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह मामला अपमान से परे है और यह 'सांप्रदायिक विभाजन' पैदा करने का मामला है। वरिष्ठ वकील ने कहा, 'यह नफरत फैलाने वाला भाषण है। उनका कहना है कि यह शरबत जिहाद है। उन्हें अपना काम जारी रखना चाहिए। वह हमें क्यों परेशान कर रहे हैं?' चूंकि रामदेव के लिए मामले पर बहस करने वाले वकील उपलब्ध नहीं थे, इसलिए अदालत मामले पर फिर से विचार करेगी।

सात मई तक नहीं होगी प्रताप बाजवा की गिरफ्तारी

> पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट को दिलाया विश्वास

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा को सात मई तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट को ये विश्वास दिलाया है। इसके हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को बाजवा की याचिका पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए, समय देते हुए सुनवाई स्थगित कर दी।

पंजाब में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा था कि 50 बम पंजाब पहुंच चुके हैं, जिसके गलत मायने निकाले जा रहे हैं। उनके बयान को लेकर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर बाजवा ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से मांगा था जवाब

बाजवा ने आरोप लगाया था कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। इस पर हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई थी। बाजवा को इस केस के बारे में प्रेस स्टेटमेंट जारी करने पर भी हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।

बाजवा का दावा-खुफिया पुलिस का दुरुपयोग किया गया

बाजवा ने दावा किया था कि पंजाब की खुफिया पुलिस का इस मामले में दुरुपयोग हुआ है। बाजवा ने कहा कि उन्होंने राज्य पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे और उसे निकम्मा कहा था। इसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आती है, जो गृह विभाग भी संभालते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने इस आलोचना को व्यक्तिगत हमला मानते हुए राजनीतिक बदले की भावना से उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। याचिका में यह भी कहा गया था कि याची नेता प्रतिपक्ष के रूप में कैबिनेट मंत्री के दर्जे पर हैं और आम आदमी पार्टी सरकार की नीतियों तथा कानून व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं।

व्यवसायी और उनकी पत्नी की हत्या घर में खून में लथपथ मिले शव

कोट्टायम, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कोट्टायम में मंगलवार को व्यवसायी और उनकी पत्नी की घर में हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि थिरुवथुक्कल में एक व्यवसायी और उनकी पत्नी का शव उनके ही घर में मिला। सुबह दोनों खून से लथपथ पाए गए और बाद में पुलिस ने इसे हत्या का मामला माना गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान विजयकुमार के रूप में हुई है, जो एक ऑडिटोरियम के मालिक हैं। वे जिले में कई अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान चलाते हैं। उनकी पत्नी मीरा भी इसी घर में मृत पाई गई हैं।

सबसे पहले नौकरानी ने शव देखे

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुबह घर में काम करने आई उनकी नौकरानी ने इमारत के सामने वाले हिस्से में दंपति के शव देखे। हालांकि, वह घर में पीछे के दरवाजे से प्रवेश करती थी, लेकिन आज सुबह घर बंद पाया गया और इसलिए वह सामने के दरवाजे से इमारत में प्रवेश कर गई। उसने तुरंत पड़ोसियों को इस बारे में बताया।

सुविचार

डरकर ना जिये
अगर आप खुल कर
जीने लगे तो सामने
वाला डरने लगेगा ।

सरकार ने फिल्म उद्योग और फिल्म कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए : डिप्टी सीएम

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डिप्टी सीएम विक्रमार्क भट्टी मल्लू ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में आखिरी बार नंदी पुरस्कार 2011 तक निर्मित सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को दिए गए थे। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद फिल्म पुरस्कार समारोह आयोजित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इस सरकार के गठन के बाद फिल्म उद्योग और फिल्म कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए गए। हैदराबाद में नियम निर्देशिका ज़ारी करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बी. नरसिंह राव की अध्यक्षता में गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कारों के लिए नियम और विनियम तैयार करने के लिए एक समिति नियुक्त की गई है। राज्य सरकार समिति की सिफारिशों को मंजूरी देते हुए तेलंगाना फिल्म विकास निगम को गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि तेलंगाना फिल्म विकास निगम ने वर्ष 2024 में सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्मों को विभिन्न श्रेणियों में 'गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरसकार' प्रदान करने के लिए अप्रैल माह में निर्देशकों और निर्माताओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। फ़िल्में (तेलुगु और उर्दू) राष्ट्रीय एकीकरण फिल्में, बच्चों की तस्वीरें, पर्यावरण/विरासत/ऐतिहासिक फिल्में, पहली निर्देशित फ़िल्में, व्यापक मनोरंजन फिल्में, एनिमेटेड फिल्में, विशेष प्रभाव छवियाँ, वृत्तचित्र फिल्में, लघु फिल्में, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और तकनीशियन के लिए पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। तेलंगाना फिल्म विकास निगम को इन श्रेणियों के लिए निर्देशकों और निर्माताओं से %6 आवेदन प्राप्त हुए हैं। व्यक्तिगत पुरस्कार श्रेणियों के लिए 11%2 नामांकन प्राप्त हुए। राज्य सरकार ने जी.ओ.आर.टी. को मंजूरी दे दी है। सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री जयसुधा की अध्यक्षता में 15 सदस्यों की निर्णायक समिति गठित की गई है। जयसुधा को उपरोक्त श्रेणियों में फिल्मों की जांच करने और "गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार" प्रदान करने के लिए कहा है। इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित श्रेणियों के लिए विशेष पुरस्कार दिए जाएंगे। एनटीआर राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार, पैडी जयराज फिल्म पुरस्कार , बी.एन. रेड्डी फिल्म पुरस्कार, नागी रेड्डी और चक्रपाणि फिल्म पुरस्कार, कांता राव फिल्म पुरस्कार, रघुपति वेंकैया फिल्म पुरस्कार दिए जाएंगे। गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार' 2014 से 2023 तक सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्मों (प्रति वर्ष एक फिल्म) को दिया जाएगा। तेलंगाना राज्य के गठन के 14 साल बाद 'गद्दार तेलंगाना फिल्म पुरस्कार' कार्यक्रम को भव्यता के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

साझेदार संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

छात्रों के लिए 500 इंटर्नशिप

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने मानकीकरण के क्षेत्र में अपने साझेदार संस्थानों के 500 छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसरों की घोषणा की है। इंटर्नशिप 4 वर्षीय डिग्री कोर्स, 5 वर्षीय एकीकृत डिग्री कोर्स, स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को दी जाएगी। 8 सप्ताह की इंटर्नशिप में दो प्रमुख उद्योगों में पूर्व-मानकीकरण कार्य, बीआईएस कार्यालयों के सहयोग से क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) अनुपालन सर्वेक्षण और बड़े पैमाने की इकाइयों, एमएसएमई और प्रयोगशालाओं का साइट दौरा शामिल होगा।

छात्र विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं, कच्चे माल, प्रक्रिया नियंत्रण और उत्पाद की गुणवत्ता और अनुरूपता मूल्यांकन के अन्य पहलुओं पर विस्तृत अध्ययन करेंगे। 15 संस्थानों के पाठ्यक्रम में मानकीकरण मॉड्यूल शामिल किए गए हैं और 130 से अधिक शोध एवं विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

वीणावंका में चेक डैम में डूबा किशोर

करीमनगर, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को वीणावंका मंडल मुख्यालय के पास चेक डैम में एक किशोर द्वारा क्रांति (18) डूब गया। ग्रामीणों के अनुसार, घर से निकला क्रांति चेक डैम में मृत पाया गया। माता-पिता राजेश्वर राव और स्वप्ना अपने बच्चे की मौत पर रो पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की तैयारी में कांग्रेस

मंत्री पोन्नम प्रभाकर जमकर बरसें बंडी संजय पर

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री और हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हम केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के इस बयान पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे कि हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों में हिंदुत्व समर्थकों को भाजपा को वोट देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बंडी संजय के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, गांधी भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों के संबंध में, वे धार्मिक मुद्दों के साथ चुनावों को भड़का रहे हैं और चुनावों को भड़काने और प्रभावित करने के लिए कांग्रेस और बीआरएस कॉरपोरेट्स के घरों के सामने फ्लेक्सी बैनर लगा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अगर आप भाजपा को वोट नहीं देते तो क्या आप हिंदू नहीं हैं? कांग्रेस पार्टी आपसे भाजपा को वोट देने के लिए कह रही है, बंडी संजय में नैतिकता होनी चाहिए। राजनीतिक रूप से ग्रामीण निकाय विधायक चुनाव में सभी पार्टियां चुनाव लड़ती हैं, वोटों की संख्या अधिक होती है। लेकिन हैदराबाद स्थानीय निकाय चुनाव में कुल वोट 112 है। उसमें बीआरएस के 24 और भाजपा के 24 सीट का योग भी बहुमत नहीं दिला पाएगा। एमआईएम को 50 सीट हैं, कांग्रेस को 14 सीटें मिली हैं। उन्होंने दावा किया है कि 24 वोटों वाली भाजपा के साथ चुनाव लड़ने का क्या मतलब है, जबकि 50 वोटों के बहुमत के साथ एमआईएम जीत रही है और हिंदुओं को वोट देने के लिए उकसा रही है? पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि बीआरएस ने चुनाव का बहिष्कार किया है। कांग्रेस पार्टी को लोकतंत्र पर भरोसा है, भाजपा को वोट न दें। कांग्रेस पार्टी ने बारा-बार मतदान में भाग लिया है। कांग्रेस, भाजपा ने राष्ट्रीय राजनीति में अलग-अलग राह अपनाई। हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। वे तानाशाही में विश्वास करते हैं। हम लोकतंत्र की रक्षा करते हैं। वे लोकतंत्र का मजाक उड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की संविधान, संस्थाओं और सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणियों की पार्टी अध्यक्ष नड्डा ने निंदा की है। यदि आप वास्तव में उन टिप्पणियों की निंदा करते हैं, तो आपको तुरंत निलंबित कर दिया जाना चाहिए। भाजपा ने अपनी ईमानदारी साबित कर दी है। एक ओर आप उकसा रहे हैं और दूसरी ओर आप अपना बचाव और सुरक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए कांग्रेस पार्टी ने पूरे देश में जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम शुरू किया है। हम ये कार्यक्रम संविधान की रक्षा के लिए कर रहे हैं।केंद्रीय मंत्री बंडी संजय खुलेआम घोषणा कर रहे हैं कि अगर हैदराबाद में एमएलसी स्थानीय निकाय चुनावों में हिंदू भाजपा को वोट देते हैं, तो चुनाव आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। बंडी संजय की टिप्पणी पर हम चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे। हैदराबाद एमएलसी चुनाव आचार संहिता में धार्मिक मुद्दों से सावधानीपूर्वक निपटने की आवश्यकता है। 112 में से एमआईएम के पास 50 वोट हैं, बीआरएस ने बहिष्कार किया है। हमारे पास 14 हैं। आप 24 वोटों से कैसे जीतेंगे। भाजपा और बीआरएस मिलकर चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन वहां भी बहुमत न मिलने पर बीआरएस ने चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। चुनावों में हिंदुत्व का एजेंडा संविधान के लिए खतरा है।

क्लाइमेट स्मार्ट हरित कैंपस अभियान शुरू

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर पर, पर्यावरण संरक्षण और वकालत संस्थान (आईईसीए) द्वारा एक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी पहल, क्लाइमेट स्मार्ट हरित कैंपस अभियान शुरू किया गया। इस अभियान का उद्देश्य तेलंगाना भर के शैक्षणिक संस्थानों को पर्यावरण के प्रति जागरूक, ऊर्जा-स्मार्ट परिसरों में बदलना है जो स्थिरता और जलवायु जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हैं। पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा एक प्रभावशाली जागरूकता पोस्टर के अनावरण के साथ अभियान की शुरुआत की गई, जो स्वच्छ, हरित ग्रह के निर्माण में तेलंगाना के शैक्षिक क्षेत्र की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जलवायु स्मार्ट हरित कैम्पस अभियान को कैम्पस जीवन के हर पहलू में पर्यावरण संबंधी सोच को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसके मुख्य घटकों में सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाना, प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण प्रणालियों का कार्यान्वयन, जल संचयन और संरक्षण तकनीक, वृक्षारोपण और जैव विविधता संरक्षण अभियान, ऊर्जा ऑडिट और पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण और जलवायु परिवर्तन जागरूकता गतिविधियां और छात्रों के नेतृत्व वाली हरित पहल शामिल हैं। आईईसीए की कार्यकारी निदेशक डॉ. सुमालिनी ने कहा कि यह अभियान एक प्रतीकात्मक संकेत से कहीं अधिक है - यह संस्थागत परिवर्तन के लिए एक रोडमैप है।

नागालैंड के वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारियों ने जीएचएमसी का दौरा किया

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागालैंड के वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारियों ने जीएचएमसी का दौरा किया। नागालैंड के वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारियों ने कहा है कि जीएचएमसी द्वारा शहर में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाएं अच्छी हैं क्योंकि वे लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में मदद करती हैं। 21 अप्रैल से से 25 अप्रैल तक, नागालैंड के वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारियों के लिए सार्वजनिक नीति, सुशासन और परियोजना प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, जीएचएमसी मुख्यालय में अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल रेड्डी ने जीएचएमसी का दौरा करने वालों को एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं, संगठन के वित्तीय संसाधनों, बुनियादी ढांचे और कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल रेड्डी ने स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी), स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा, कीट विज्ञान, खाद्य सुरक्षा गतिविधियों, इंजीनियरिंग रखरखाव, एसएनडीपी तथा एसआरडीपी द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों के बारे में एच सिटी द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी।

इसके अलावा राजस्व, यूबीडी, खेल, पूर्व में किए गए दो बेडरूम वाले घरों का वितरण, इंदिराम्मा हाउस, नाला प्रबंधन, मानसून आपातकालीन टीम, स्ट्रीट लाइट, फेशियल अटेंडेंस, ट्रेड लाइसेंस, जीआईएस सर्वे, इंजीनियरिंग रोड नेटवर्क, वर्षा जल संचयन संरचना, जंक्शन सुधार, मॉडल कब्रिस्तान, संपत्ति कर संग्रह, जीएचएमसी, यूसीडी में किए गए उच्च शहर विकास कार्य, इंदिरा महिला शक्ति योजना, एसएचजी को बैंक लिंकेज, इंदिरा महिला शक्ति, संपदा, शिकायत निवारण तंत्र और अन्य कल्याणकारी विकास योजनाओं में लागू की गई नीतियों के बारे में बताया गया। बाद में, नागालैंड सिविल सेवा अधिकारियों का एक दल क्षेत्रीय दौरे के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का अध्ययन करने के लिए जवाहर नगर डंपिंग यार्ड गया। कार्यक्रम में नागालैंड के विभिन्न विभागों के संयुक्त सचिव वरिष्ठ सिविल सेवाएं रेनाबोमो ओडियू, श्रीमती विक्किनो चाले, श्रीमती कुसा फिटू, श्रीमती संगीता जमीर, श्रीमती अवेलू रूहो, वाई. चिंग्याक कोन्याक, मोहमो तुंगई, अतिरिक्त डिप्टी केइरांग डिंग हिगुल, पी. जेम्स स्वा, श्रीमती एस. अत्संगला, उप सचिव श्रीमती लिवितोली सुखालू और अन्य ने भाग लिया

छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परियोजनाओं का रखा प्रस्ताव

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अगले शैक्षणिक सत्र से वाणिज्य और कला पृष्ठभूमि वाले इंटरमीडिएट के छात्र अपनी पाठ्यपुस्तकों को पलटने से ज्यादा कुछ करेंगे - वे अपने आंतरिक मूल्यांकन के हिस्से के रूप में ऐतिहासिक स्थानों, स्मारकों या व्यस्त सब्जी के मैदानों की ओर जाएंगे।

तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने 2025-26 से कॉमर्स और आर्ट्स स्ट्रीम चुनने वाले इंटरमीडिएट छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन शुरू करने की योजना बनाई है। योजना के अनुसार, जो अनुमोदन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के पास है, चार आंतरिक मूल्यांकन किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक मूल्यांकन में 5 अंक होंगे।

अगर प्रस्तावित पहल को मंज़ूरी मिल जाती है, तो कॉमर्स और आर्ट्स के लिए इंटरमीडिएट परीक्षाएँ 80 अंकों की होंगी और 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए होंगे। हाल ही में सिलेबस संशोधन समिति की बैठक के दौरान नई पहल का प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें विषय विशेषज्ञों ने इंटरमीडिएट छात्रों के लिए भी आंतरिक मूल्यांकन का सुझाव दिया था।

सूत्रों के अनुसार, विषय समिति की बैठक में भाग लेने वाले कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों में आवश्यक शोध कौशल की कमी के बारे में गंभीर चिंता जताई। उन्होंने प्रथम वर्ष के इंटरमीडिएट से छात्रों के लिए व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षा के साथ आंतरिक मूल्यांकन शुरू करने की सिफारिश की।

कुछ विशेषज्ञों ने इस सिफारिश का विरोध किया, तथा निजी और कॉर्पोरेट जूनियर कॉलेजों द्वारा अपने छात्रों को तरजीह देने तथा आंतरिक मूल्यांकन में पूरे अंक देने पर चिंता जताई। टीजी बीआईई के सचिव एस कृष्ण आदित्य ने कहा कि विशेषज्ञों की सिफारिशों के अनुसार, हमने सरकार को प्रस्ताव भेजा है। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है, तो हम इसे पेश करेंगे।

नकली उत्पादों की मार्केटिंग करने के आरोप में तीन गिरफ़्तार

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद सिटी की टीम ने दिल्ली से के तहत तीन आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में निखिल, मोहित शर्मा, और सोनू कुमार शामिल हैं। ये सभी दिल्ली में रहते हैं और कॉपी राइट एक्ट धोखाधड़ी में शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त, साइबर अपराध पुलिस स्टेशनक्षहैदराबाद शहर, डी. कविता ने बताया कि हैदराबाद निवासी पीड़ित डॉक्टर से एक शिकायत मिली थी, जिसमें कहा गया था कि उनकी कंपनी उनके पंजीकृत ब्रांड नाम के तहत त्वचा की देखभाल और बालों की देखभाल के उत्पाद बेचती है। पिछले महीने में, उन्हें पता चला कि उनके ब्रांड के उत्पादों में से एक साबुन को अनधिकृत रूप से व्हाइट-लेबल किया जा रहा है और तीसरे पक्ष के विक्रेताओं द्वारा ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर बेचा जा रहा है। वेबसाइट पर कुल 19 फर्जी लिस्टिंग हैं। ये विक्रेता अलग-अलग नामों से उत्पाद का गलत तरीके से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। गलत प्रतिनिधित्व के कारण ग्राहक भ्रमित और असंतुष्ट हैं, जो कंपनी की प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहा है। अनधिकृत बिक्री कंपनी के वैध व्यावसायिक राजस्व को भी प्रभावित कर रही है। उन्होंने बताया कि इन विक्रेताओं की हरकतें ट्रेडमार्क उल्लंघन, गलत प्रतिनिधित्व और अनुचित व्यापार व्यवहार का गठन कर सकती हैं। इस संबंध में, आईटी अधिनियम-2008 की धारा 66 सी और डी, बीएनएस की धारा 318 (4) और 319 (2) और कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 और 65 के तहत अपराध के लिए अपराध संख्या 153/2025 के तहत पीएस साइबर क्राइम, हैदराबाद में मामला दर्ज किया गया। इस मामले में आरोपी निखिल, मोहित शर्मा और सोनू कुमार ई-कॉमर्स व्यवसाय चलाते हैं और उन्होंने ई-कॉमर्स वेबसाइटों के माध्यम से पंजीकृत कंपनियों के मूल उत्पादों के साथ नकली उत्पादों का निर्माण, बिक्री और लेबलिंग करके आसानी से पैसा कमाने का फैसला किया। आरोपियों ने एक गिरोह बनाया और देखा कि ऑनलाइन उत्पाद पीड़ित की कंपनी साबुन और स्किनकेयर साबुन बार की भारी मांग है और उन्होंने फरार आरोपी दिनेश नेगी और पंकज की मदद से समान रंग, मात्रा और डिजाइन के साथ नकली साबुन बनाए और ई-कॉमर्स के माध्यम से नकली उत्पाद बेचे। आरोपियों ने एक संगठित समूह बनाया और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर उत्पादों को विधिवत सूचीबद्ध करके नकली उत्पादों को बेचकर आसानी से पैसा कमाने के लिए मूल कंपनी को जानबूझकर धोखा दिया। आरोपियों के पास से पीड़ित कंपनी के साबुन 80, स्किनकेयर साबुन, एक मोबाइल, एक लैपटॉप बरामद किया गया है।

नशीले पदार्थ की तस्करी के आरोप में 4 गिरफ्तार

2 किलोग्राम गांजा जब्त

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (पश्चिम) टीम ने हुमायूं नगर पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को फर्स्ट लांसर इलाके में कथित तौर पर नशीले पदार्थ की तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया और 2 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मसाब टैंक पुलिस स्टेशन का सूचीबद्ध बदमाश मोहम्मद सोफियाउद्दीन, सैयद दाऊद, सैयद रोमान और मोहम्मद अयूब शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों ने महाराष्ट्र के नागपुर में ड्रग डीलरों से मारिजुआना खरीदा और हैदराबाद में उपभोक्ताओं को बेचा। उन्हें मारिजुआना बेचते समय पकड़ा गया।

किसानों ने सड़क पर धान की बोरियां रखकर किया रास्ता रोको आंदोलन

राजन्ना-सिरसिल्ला, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। धान की खरीद में देरी के विरोध में किसानों ने मंगलवार को गंभीरावपेट मंडल में धरना प्रदर्शन किया। सड़क पर धान की बोरियां रखकर रास्ता रोको प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की और खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए पहल नहीं करने का आरोप लगाया। वे चाहते थे कि कलेक्टर और मार्केट कमेटी के अध्यक्ष तुरंत खरीद केंद्र पर आएं और उनकी समस्या का समाधान करें। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यद्यपि केंद्र एक सप्ताह पहले शुरू हो गया है, लेकिन धान की खरीद नहीं हो रही है।

आईकेपी अधिकारियों का यह कहना हास्यास्पद है कि वे खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने में असमर्थ हैं क्योंकि आवंटन नहीं हुआ है और परिवहन के लिए ट्रकों की कमी है। यह किसानों की परेशानियों के प्रति राज्य सरकार की स्पष्ट लापरवाही को दर्शाता है। पांच दिन पहले परिवहन के लिए वाहन नहीं होने के कारण 1200 बोरियों को तौलकर केंद्र में ही रख दिया गया था। उन्होंने सवाल किया कि अगर बोरियों में भरा धान बेमौसम बारिश में भीग गया तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार खरीद प्रक्रिया में तेजी लाए।

60 से अधिक अनुबंध शिक्षक 2 महीने से कर रहे हैं वेतन का इंतजार

आदिलाबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 16 साल की कानूनी लड़ाई जीतने के बाद 61 अनुबंध आधारित शिक्षक नौकरी पाकर बहुत खुश हैं। हालांकि, उनकी खुशी कुछ ही समय के लिए रही क्योंकि वे दो महीने से वेतन मिलने का इंतजार कर रहे हैं। डीएससी 2008 के उम्मीदवारों ने सरकार के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीती और 15 फरवरी को 31,040 रुपये मासिक वेतन के साथ अनुबंध आधारित शिक्षकों के रूप में भर्ती हुए। वे अभी भी शिक्षक की नौकरी पाने के लिए उत्साहित थे। तीस शिक्षक कुमराम भीम आसिफाबाद जिले से हैं, जबकि निर्मल जिले में 15 शिक्षक हैं। मंचेरियल जिले में 14 शिक्षक हैं और आदिलाबाद जिले में सात शिक्षक हैं।

ये शिक्षक आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, निर्मल और मंचेरियल जिलों के विभिन्न स्कूलों में तैनात थे। उनमें से कुछ शिक्षक जिले के दूरदराज के इलाकों में ड्यूटी कर रहे हैं और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दो महीने की सेवा पूरी कर ली है। हालांकि, अब तक वेतन न मिलने से वे निराश हैं। शिक्षकों ने कुछ दिन पहले जिला शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी को ज्ञापन देकर वेतन जारी करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वेतन में देरी के कारण उन्हें अपना गुजारा करने में कठिनाई हो रही है।

एक अनुबंध आधारित शिक्षक ने कहा कि मुझे 42 साल की उम्र में शिक्षक की नौकरी के लिए चुना गया था। मैंने एक आकर्षक व्यवसाय छोड़ दिया और एक सुरक्षित जीवन जीने की उम्मीद में ड्यूटी पर आ गया। मैं हर दिन लगभग 40 किलोमीटर की यात्रा करके नियमित रूप से ड्यूटी का निर्वहन कर रहा हूं। वेतन जारी होने में देरी के कारण मुझे अपने दोस्तों से पैसे उधार लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वेतन के बिल तैयार कर हाल ही में कोषागार विभाग को सौंप दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार से धनराशि स्वीकृत होने के बाद शिक्षकों को वेतन मिल जाएगा। शिक्षकों को बिना देरी के वेतन दिलाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। शिक्षकों को वेतन देने में देरी को धन की कमी का कारण बताया गया।

आरएस प्रवीण कुमार ने कथित फोटो मॉर्फिंग पर पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने नरसिंगी पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि बीआरएस वॉल-राइटिंग अभियान में उनकी भागीदारी की एक छेड़छाड़ की गई छवि दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऑनलाइन प्रसारित की गई थी।

उन्होंने साइबर पुलिस द्वारा उनके सोशल मीडिया पोस्ट का जवाब नहीं दिए जाने के बाद शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

नरसिंगी पुलिस को संबोधित एक ईमेल शिकायत में प्रवीण कुमार ने कहा कि आसिफाबाद जिले के कोसिनी गांव में एक अभियान के दौरान ली गई तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की गई और इसे बीआरएस नीतियों के खिलाफ विरोध के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी के आईटी सेल से जुड़े तेलंगाना गलाम नामक एक सोशल मीडिया अकाउंट पर छेड़छाड़ की गई सामग्री को फैलाने का आरोप लगाया।

बीआरएस नेता ने लिखा कि जानबूझकर की गई यह गलत बयानी अपमानजनक, भ्रामक है और इससे समूह में तनाव भड़क सकता है। उन्होंने पुलिस से आग्रह किया कि वे इसमें शामिल लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 196, 197, 351, 352 और 353 के तहत मामला दर्ज करें। प्रवीण कुमार ने एक सप्ताह पहले सोशल मीडिया पर तेलंगाना साइबर ब्यूरो को टैग करने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर भी निराशा व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि साइबर पुलिस जो सरकार की आलोचना करने वाले बीआरएस नेताओं को निशाना बनाने में तेज है, जब बीआरएस नेताओं को अन्य राजनीतिक दलों द्वारा बदनाम किया जाता है, तो चुप रहती है। उन्होंने अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्काल जांच और कार्रवाई का अनुरोध किया।

दावत के दौरान चली गोली, एक की मौत

परिजनों ने भाजपा नेता पर रंजिश में साजिश रचने का लगाया आरोप

मुंगेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत तारापुर दियारा पंचायत के महेशपुर मनियारचक शिल्हा गांव में सोमवार की देर रात एक दावत के दौरान गोली चलने की घटना में एक ग्रामीण की मौत हो गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय रवि कुमार उर्फ रावो पासवान के रूप में हुई है। गोली उनके सिर में मारी गई, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव के भाजपा नेता बी.आर. अमरेश के घर पर दावत का आयोजन किया गया था, जिसमें गांव के कई लोग शामिल हुए थे। इसी दौरान रवि कुमार और उनके पुराने विरोधी छोटू मंडल को भी दावत में बुलाया गया था। दावत के दौरान ही घर के बाहर पार्टी चल रही थी, तभी छोटू मंडल ने रवि कुमार के सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया।

घटना के बाद अफरातफरी मच गई। परिजन घायल रवि को लेकर मुंगेर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मृतक के भाई की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मृतक के भाई राम लाल पासवान ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता बी.आर. अमरेश ने जानबूझकर रंजिशन दोनों पक्षों को एक साथ दावत में बुलाया था। उन्होंने कहा कि रवि और छोटू मंडल के बीच वर्ष 2020 से रंजिश चली आ रही थी। पूर्व में भी छोटू मंडल ने रवि पर गोली चलाई थी, जिसमें वे बाल-बाल बच गए थे। इसी विवाद में छोटू मंडल के ससुर कार्तिक चौधरी की भी हत्या हो चुकी है।

जजों की नियुक्ति और कॉलेजियम प्रक्रिया के खिलाफ मुखर है इलाहाबाद बार एसोसिएशन, आखिर क्या है वजह?

प्रयागराज, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद (एचसीबीए) ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय कोलेजियम की पूरी प्रक्रिया पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसके विरोध में प्रस्ताव पारित किया है। कार्यकारिणी की आकस्मिक बैठक में इस बात पर भी नाराजगी जताई गई कि पूरी प्रक्रिया में बार एसोसिएशन से कोई मंत्रणा नहीं की जाती है। अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट अनिल तिवारी की अध्यक्षता और महासचिव विक्रान्त पाण्डेय के संचालन में कार्यकारिणी सदस्य विचार विमर्श के जुटे। पदाधिकारियों ने इस बात रोष जताया कि विगत कुछ वर्षों से उच्च न्यायालय कोलेजियम ऐसे अधिवक्ताओं के नामों की संस्तुति न्यायमूर्ति पद के लिए कर रहा है, जिन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट में कभी प्रैक्टिस ही नहीं की।

'एचसी में योग्य अधिवक्ताओं की कमी है क्या'

सवाल उठाया गया कि कोलेजियम में शामिल न्यायमूर्ति ऐसे अधिवक्ताओं की क्षमता का आंकलन किस तरह करते हैं, जिन्होंने उनके सामने कभी बहस नहीं की। कहा गया कि इससे यह स्पष्ट है कि बिना योग्यता परीक्षण ऐसे अधिवक्ताओं के नामों की सिफारिश कर दी जाती है। यह प्रक्रिया निःसंदेह नियुक्ति प्रक्रिया की शुचिता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है तथा यह प्रश्न उठाती है कि क्या इलाहाबाद हाई कोर्ट में योग्य अधिवक्ताओं की कमी है? कुछ वक्ताओं ने कहा कि मात्र ऐसे अधिवक्ताओं के नामों की सिफारिश की जाती है, जो या तो न्यायमूर्तिगण के परिवार के हैं अथवा प्रभावशाली अधिवक्ता परिवार से हैं।

संयुक्त सचिव (प्रेस) पुनीत शुक्ला की विज्ञप्ति के अनुसार, एचसीबीए ने पूरी प्रक्रिया के विरोध में पारित प्रस्ताव की प्रति इलाहाबाद हाई कोर्ट के सभी न्यायमूर्तियों के साथ-साथ मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के अलावा अन्य न्यायमूर्तियों, प्रधानमंत्री, विधि व न्यायमंत्री, उप्र के मुख्यमंत्री व देश के सभी हाई कोर्ट बार एसोसिएशन को भेजने का भी निर्णय लिया है।

सामूहिक दुष्कर्म केस

जेल भेजे गए 14 आरोपियों के परिजन पहुंचे पीएम कार्यालय, पीड़िता की सहेली ने दिया ये बयान

वाराणसी, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र की 19 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जेल गए युवकों के परिजन मंगलवार को पीएम के जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। भारी संख्या में लोगों को पीएम कार्यालय पहुंचने की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और गुरुधाम चौराहे पर ही लोगों को रोक दिया गया। हालांकि बाद में कार्यालय जाने दिया गया। जेल भेजे गए 14 आरोपियों के परिजनों के साथ पीड़िता की सहेली ने जवाहर नगर एक्सटेंशन स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंपर्क कार्यालय में पहुंचकर एसीपी भेलुपुर को ज्ञापन सौंपा। बता दें कि आरोप है कि गत 29 मार्च से 3 अप्रैल के बीच 12 नामजद और 11 अज्ञात आरोपियों ने 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। इस मामले में लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एफआईआर के अनुसार दुष्कर्म के बाद युवती लंका, हुकुलगंज, नदेसर, मलदहिया, सिगरा आईपी मॉल के पास, अस्सी घाट, चौकाघाट, औरंगाबाद और दो होटल के बाहर छोड़ी गई थी। वह दो बार अपनी सहेली के घर गई थी।

20 से अधिक महिलाओं ने एक साल में 5-5 बार बच्चों को दिया जन्म

अखिलेश ने फर्जीवाड़े पर भाजपा पर कसा तंज

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा में जननी सुरक्षा योजना में हुए फर्जीवाड़े को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर कहा कि भाजपा राज में धांधली और भ्रष्टाचार का ये कमाल है कि कहीं मतदाता सूची में 37 मतदाताओं का एक पिता दर्ज है और अब 'जननी सुरक्षा योजना' में इस फ़र्ज़ीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ है कि 20 से अधिक महिलाओं ने एक साल में 3 ही नहीं 5-5 बार बच्चों को जन्म दिया है, ये रिकॉर्ड दर्ज है, जिसका असली मक़सद ये है कि शासन-प्रशासन मिलजुल कर इस योजना का पैसा खा सके। ये है भाजपा की योजनाओं और फर्जी आंकड़ों का सच। बता दें कि अमर उजाला में छपी एक खबर के मुताबिक जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) घोटाले में फर्जीवाड़े की इंतहा हुई है।

एक महिला के 6 महीने में 10 बार प्रसव दर्शाकर सरकारी रकम खाते से निकाल ली गई। अधिकारी भी आंखों पर पट्टी बांध लाभार्थियों की संस्तुति करते रहे। ऐसी 20 से अधिक महिलाएं हैं, जिनके हर महीने या साल में 3-5 बार प्रसव दर्शाया गया है। शासन की ऑडिट रिपोर्ट में वर्ष 2021 से 2024 तक के जेएसवाई और नसबंदी की प्रोत्साहन राशि में करीब 38.95 लाख रुपये का फर्जी भुगतान मिला। सबसे ज्यादा फतेहाबाद सीएचसी में 19.65 लाख रुपये की गड़बड़ी पकड़ी गई है। ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि फतेहाबाद सीएचसी में गीता देवी के 4 फरवरी, 2023 से 29 अगस्त, 2023 तक 10 बार प्रसव दिखाए गए। खाते में 14 हजार रुपये आए।

आरती के 29 अगस्त, 2022 से 22 नवंबर, 2022 तक तीन प्रसव दिखाए गए। 4,200 रुपये खाते में आए। ऐसी ही 20 से अधिक महिलाओं के औसतन एक या दो-तीन महीने में फर्जी प्रसव-नसबंदी दिखाई गई। सीएमओ डॉ। अरुण श्रीवास्तव का कहना है कि मामले में पांच लोगों पर केस दर्ज किया गया है। फर्जीवाड़े में और कौन शामिल हैं, पुलिस जांच कर रही है। धनराशि की वसूली भी की जाएगी।

मुरैना मामले का जिक्र कर केंद्र और राज्य सरकार पर भड़कीं मायावती, कहा- सख्त कार्रवाई करें

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर हो रहे अन्याय-अत्याचार और इनके महान संतों, गुरुओं तथा महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को गंभीरता से लेकर सख्त कार्रवाई कर इन्हें रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बसपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर कहा "संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ। भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इस बार देश के कई राज्यों में उनकी प्रतिमा का अनादर किया गया। इस मौके पर हुए कार्यक्रम या निकाले गए जुलूस पर सामंती तत्वों के हमलों में अनेक लोगों के हताहत होने की घटनाएं अति-शर्मनाक हैं। यह घटनाएं सरकारों के दोहरे चरित्र का प्रमाण हैं।''अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुरैना में आंबेडकर जयंती पर जुलूस के दौरान दलित की हत्या और कई लोगों के घायल होने की घटना अति-निन्दनीय है। उन्होंने कहा ''दोषियों के विरुद्ध अभी भी सख्त कार्रवाई नहीं किये जाने से राज्य सरकार संदेह के घेरे में है।" उन्होंने कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर ऐसे हो रहे अन्याय-अत्याचार, इनके महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को सख्त कार्रवाई कर रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बसपा प्रमुख ने दलितों को आगाह करते हुए कहा कि ऐसी जातिवादी घटनाओं से स्पष्ट है कि केन्द्र व राज्य सरकारें बाबा साहेब डा। भीमराव आंबेडकर की जयंती आदि पर जो कार्यक्रम आयोजित करती हैं,

पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह का दावा कहीं से टिकट मिले सीट निकाल लेंगी

औरंगाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। 2025 के बिहार के विधानसभा चुनाव में एक तरफ जहां पार्टियां तैयारी कर रही हैं वहीं दूसरी ओर जो लोग चुनाव लड़ना चाहते हैं और किसी दल से नहीं जुड़े हैं वह भी जमीन तलाश रहे हैं। इसमें भोजपुरी के पावरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह भी शामिल हैं। वह काराकाट क्षेत्र का दौरा कर रही हैं। किसी सीट से लड़ेंगे और कौन सी पार्टी से लड़ेंगी यह सब कुछ तय होना बाकी है। इस बीच ज्योति सिंह ने एक बड़ा दावा किया है। औरंगाबाद में ज्योति सिंह ने बयान दिया है कि काराकाट की किसी विधानसभा सीट से उन्हें टिकट मिलता है तो वह सीट निकाल लेंगी। ज्योति सिंह औरंगाबाद में पत्रकारों से बात कर रही थीं। उनके सवालों के जवाब में ज्योति सिंह ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि काराकाट की किसी विधानसभा सीट से पार्टी मुझे टिकट देती है तो वहां से मैं चुनाव लड़ूंगी। किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगी इस पर कहा कि बातचीत चल रही है। मेरी तबीयत खराब हो गई थी तो एक-डेढ़ महीने से थी नहीं। बलिया में थी। दो दिन पहले पटना आई हूं। थोड़ा समय दें। क्लियर कर दूंगी।

औरंगाबाद से नहीं लड़ेंगी कर दिया साफ

एक सवाल पर कि जनता गुमराह हो रही है कि काराकाट से चुनाव लड़ेंगी या औरंगाबाद से? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि जनता को गुमराह नहीं करना है। जनता से ही प्यार-आशीर्वाद मिल रहा है। उन्हीं के भरोसे से दावे के साथ कह सकती हूं कि काराकाट की किसी विधानसभा सीट से पार्टी टिकट देती है तो मैं निकाल लूंगी।

औरंगाबाद से नहीं लड़ना है। ज्योति सिंह ने कहा कि औरंगाबाद काराकाट लोकसभा का क्षेत्र है तो बस उस वजह से आना-जाना है। मैंने शुरू से कहा है कि यहां चुनाव के लिए नहीं आ रही हूं। इस सवाल पर कि एनडीए अलायंस की तरफ होंगी या इंडिया गठबंधन? इस पर ज्योति ने कहा, समाज के लिए काम करना है। जो भी बेहतर होगा वो करेंगे। उसी पार्टी से आएंगे। सारी पार्टी अपना बेस्ट देती है। मुझे जिस भी पार्टी से मौका मिलेगा मैं चुनाव लड़ूंगी।

महिला यू-ट्यूबर के दोस्त की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, हटेगा राज से पर्दा

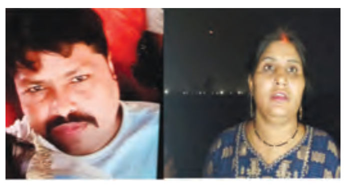

गोरखपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सहजनवा में महिला यू-ट्यूबर के दोस्त की हत्या के मामले में मंगलवार की सुबह फरार चल रहा मुख्य आरोपी राम सिंह गिरफ्तार हो गया। पुलिस उससे पूछताछ में जुटी है। वहीं, पांचवे आरोपी राम सिंह की तलाश अभी जारी है। इसके पहले सोमवार को तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार को पुलिस ऑफिस में घटना का पर्दाफाश करते हुए एसएसपी डॉ। गौरव ग्रोवर ने बताया कि मुख्य आरोपी राम सिंह और शिवा की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पकड़े गए तीन आरोपियों में हिमांशु सिंह की भूमिका अहम है। 17 अप्रैल को पान की दुकान पर प्रदीप से कहासुनी होने पर राम सिंह ने हिमांशु को कॉल कर कहा था कि उसका बवाल हो गया है, कुछ लड़कों को लेकर आ जाए। इसके बाद हिमांशु अपने साथ बृजेश, रितेश और शिवा को लेकर आया। तब तक प्रदीप अपनी स्कूटी से कुछ दूर आगे बढ़ गया था। राम सिंह के कहने पर आरोपियों ने दौड़ाकर प्रदीप पर हमला किया। प्रदीप ने हेलमेट पहन रखा था। हमले के दौरान उसका हेलमेट गिर गया। इसके बाद रॉड से सिर पर आरोपियों ने हमला कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई थी।

'यूपी में नहीं चली तो बिहार में कर रहे राजनीति'

मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने बीएसपी नेता रामजी गौतम पर किया पलटवार, कहा- दलितों को गुमराह कर रहे

कैमूर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कैमूर की मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने बसपा के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय उत्तर प्रदेश के नेता बिहार आकर दलितों को प्रलोभन देते हैं। जीतने के बाद 5 साल तक मुंह नहीं दिखाते। विधायक ने कहा कि रामजी गौतम मोहनिया की दलित महिला विधायक पर अनुचित टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कैमूर के दलितों को गुमराह करने की कोशिश न करें। कैमूर के दलित सब समझते हैं।संगीता कुमारी ने बाबा साहेब अंबेडकर का मुद्दा भी उठाया।

बिहार की धरती पर उत्तर प्रदेश की राजनीति नहीं चलेगी

उन्होंने कहा कि रामजी गौतम को याद रखना चाहिए कि बाबा साहेब को भारत रत्न किसने दिया और संसद में उनकी मूर्ति किसने लगवाई। उन्होंने मायावती के मुख्यमंत्री बनने और गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए कहा कि ब्रह्मदत्त तिवारी की वजह से ही मायावती सुरक्षित रह पाई थीं।

विधायक ने प्रधानमंत्री द्वारा पंच तीर्थ के माध्यम से बाबा साहेब को दिए गए सम्मान की सराहना की। उन्होंने पुराने समय का जिक्र करते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार ने बाबा साहेब को दो गज जमीन तक नहीं दी और उनकी पत्नी से अस्थियां ले जाने का खर्च मांगा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार की धरती पर उत्तर प्रदेश की राजनीति नहीं चलेगी।

धर्मपुरा थाने में सिंगर अनुपमा यादव पर केस दर्ज, पैसे लेने के बाद भी नहीं आई

भोजपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भोजपुरी की चर्चित सिंगर अनुपमा यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार मामला उनके खिलाफ केस से जुड़ा है। रोहतास के धर्मपुरा थाने में उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए आवेदन में महावीर शाह ने आरोप लगाया है कि एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति के लिए अनुपमा यादव ने एडवांस पैसे लिए लेकिन वो नहीं पहुंचीं। उन्होंने अब तक पैसे भी नहीं लौटाए हैं। उन्होंने बताया कि धर्मपुरा गांव में एक प्रतिष्ठित जयंती समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में अनुपमा यादव को बतौर मुख्य कलाकार बुलाया गया था। शिकायत दर्ज कराने वाले के अनुसार डेढ़ लाख रुपये में कार्यक्रम तय हुआ था। सिंगर के एजेंट ने 36 हजार रुपये एडवांस लिए थे। इसके बाद अनुपमा यादव ने खुद उनसे (महावीर साह) संपर्क कर अतिरिक्त 25 हजार रुपये की मांग की जिसका भुगतान भी कर दिया गया। इस तरह कुल 61 हजार लेने के बाद भी अनुपमा यादव तय समय पर कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं। महावीर साह का कहना है कि इस गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार से आयोजन समिति को मानसिक और आर्थिक क्षति हुई है। धर्मपुरा थाने में इस मामले में एफआईआर (केस संख्या 48/2025) दर्ज हो गई है।

थानाध्यक्ष मिंटू कुमार ने बताया कि महावीर साह के लिखित आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस जल्द ही संबंधित पक्षों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई करेगी। उधर महावीर साह का कहना है कि हमने पूरे विश्वास और सम्मान के साथ अनुपमा यादव को आमंत्रित किया था। कार्यक्रम की तैयारियों में लाखों खर्च हुए थे। उनका न आना और पैसा वापस न करना जनता के साथ धोखा है। हमने न्याय की उम्मीद में पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

5.94 करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह का आरोपी नौशाद गिरफ्तार

गाजियाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर टीम ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो कर्नाटक, तमिलनाडु और जनपद में भी लोगों से 5.94 करोड रुपये की साइबर ठगी कर चुका है। साइबर टीम ने गिरोह के एक आरोपी नौशाद को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरोह को दो अन्य आरोपी अभी पुलिस पकड़ से दूर हैं। पकड़ा गया आरोपी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में जूलॉजी का छात्र है। आरोपी से साइबर ठगी के 61 लाख 80 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। यह गिरोह सिंगापुर से संचालित हो रहा था। पकड़े गए नौशाद के मोबाइल से कुछ कॉल डिटेल्स मिली हैं, जिनकी जांच की जा रही है। एडीसीपी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया नौशाद निवासी हाजीपुरा, नाला पटरी जनपद शामली अपने दो साथी राहुल और आशीष निवासी नई दिल्ली के साथ मिलकर लोगों से साइबर ठगी करता था। इस गिरोह ने इंदिरापुरम निवासी तेजपाल सिंह ने 4.98 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की थी।

नई लाइब्रेरी ज्ञान का खजाना: इस्लामिक तालीम देने वाले दारुल उलूम में पढ़ेंगे रामायण और गीता

देवबंद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्लामी तालीम के केंद्र दारुल उलूम देवबंद की तरह ही उसकी लाइब्रेरी भी विश्व में अलग पहचान रखती है। यहां की लाइब्रेरी में रामायण व गीता के अलावा सभी धार्मिक ग्रंथ और हर विषय की किताबें मौजूद हैं। पुरानी लाइब्रेरी छोटी पड़ने के कारण अब संस्था में नई लाइब्रेरी बनाई गई है। इस लाइब्रेरी की सात मंजिला नई इमारत बनकर तैयार है और इस साल के अंत तक यह लाइब्रेरी बेशकीमती किताबों से सज जाएगी। फिलहाल नए भवन में पुस्तकों के लिए शेल्फ बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। नवनिर्मित लाइब्रेरी में लगभग 10 लाख किताबें रखी जाएंगी। पुरानी लाइब्रेरी का भवन छोटा पड़ने के चलते दारुल उलूम की उच्च स्तरीय कमेटी मजलिस-ए-शूरा ने नई लाइब्रेरी के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया था और इसके निर्माण के लिए करीब आठ करोड़ रुपये का बजट रखा गया था। वर्ष 2006 में लाइब्रेरी का निर्माण कार्य शुरू हुआ तो धीरे-धीरे इसका बजट भी बढ़ता गया। वर्तमान में इसका बजट करीब 21 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। लाइब्रेरी की इमारत गोलाकार होने के कारण यह सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। दारुल उलूम के नायब मोहतमिम मौलाना अब्दुल खालिक मद्रासी ने बताया कि दो लाख 62 हजार वर्ग फीट में बने सात मंजिला गोल भवन में 10 लाख से अधिक पुस्तकें रखने की व्यवस्था की गई है। भवन की पहली व दूसरी मंजिल में कन्वेंशन हाल जबकि इसके तहखाने को परीक्षा हाल बनाया गया है।

लाइब्रेरी की दूसरी मंजिल पर किताबें रखने के लिए शेल्फ आदि बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह कार्य पूरा होने के बाद किताबों की शिफ्टिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। लाइब्रेरी का निर्माण शुरू होने के बाद मोहतमिम कार्यालय से अपील जारी हुई थी। इसमें दारुल उलूम ने प्रकाशकों और लेखन क्षेत्र से जुड़े लोगों से किसी भी विषय पर लिखी गई किताबें, धार्मिक पुस्तकें, ऐतिहासिक पत्र या अन्य लेखन सामग्री के माध्यम से लाइब्रेरी का सहयोग करने की अपील की थी।

सोने के अक्षरों से लिखी कुरान, बाइबिल और चारों वेद

दारुल उलूम की लाइब्रेरी की खास बात यह है कि इसमें 17 भाषाओं में विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकें उपलब्ध हैं। इनमें अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, तेलुगू, तमिल, फ्रांसीसी, बंगला, तुर्की, मलयालम, कन्नड़, मराठी, सिंधी और बर्मी भाषाएं शामिल हैं। इतना ही नहीं यहां हर विषय की पुस्तकों के अलावा सभी धर्मों के धार्मिक ग्रंथ भी मौजूद हैं। लाइब्रेरी में कुरान के अलावा रामायण, गीता, बाइबिल, ऋग्वेद, सामवेद, यर्जुवेद, अथर्ववेद, तौरात के अलावा सोने से लिखा कुरान पाक, एक पेज पर आधारित कुरान, मुगल शासक औरंगजेब का हस्तलिखित कुरान पाक, हजरत मोहम्मद साहब द्वारा मिस्त्र के बादशाह को लिखा गया पत्र, सबसे छोटा कुरान, इस्लामी विद्वानों और बुजुर्गों द्वारा लिखी गई पुस्तकों के अलावा अन्य पुस्तकों का बड़ा संग्रह है। इस पुस्तकालय के महत्व का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि अरब देशों के अलावा श्रीलंका, मलेशिया,

इंडोनेशिया, बांग्लादेश, अफगानिस्तान समेत विश्वभर के शोधकर्ता इस्लाम धर्म के विषयों पर शोध करने के लिए समय-समय पर यहां पहुंचते हैं। पुस्तकों के माध्यम से कोई भी जानकारी लेने के लिए विदेश के लोग पुस्तकालय में संपर्क करते हैं।

सुल्तानपुर के किशोरी से जौनपुर के 5 नाबालिग लड़कों ने किया रेप

पीड़िता की हालत गंभीर, सभी आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। सोमवार की रात 5 नाबालिग लड़कों ने मिलकर एक किशोरी के साथ गैंगरेप किया। दुष्कर्म की वजह से उसकी हालत बिगड़ गई। पीड़िता को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सुल्तानपुर के लंभुआ निवासी एक नाबालिग लड़की नाराज़ होकर घर से निकल गई। देर शाम वो शाहगंज रोडवेज के पास खड़ी थी। तभी क्षेत्र के ही 5 नाबालिग लड़कों की नज़र उस पर पड़ी। सभी उसे बहला फुसलाकर क्षेत्र में ही लगे प्रदर्शनी मेले के पास ले गए। वहां बारी-बारी उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद किशोरी को वहीं छोड़ सभी भाग निकले। आसपास के लोगों ने उसे गंभीर हालत में देखा तो अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी वहां पहुंच गई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम लगा दी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक सुनसान बिल्डिंग में इकठ्ठा होकर भागने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने वहां पहुंच कर घेराव कर दिया। पुलिस ने बिल्डिंग की घेराबंदी की तो सभी भागने लगे। बचने के लिये बिल्डिंग की छत से भी कूद गए। छत से कूद कर भागने की कोशिश के दौरान आरोपियों को चोट भी लग गई। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। किशोरी से गैंगरेप की घटना के बाद पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है। सूत्रों की मानें तो क्षेत्र के खुटहन रोड स्थित एक मकान में धड़ल्ले से जिस्मफरोशी का धंधा चलता है। पुलिस ने इससे जुड़े लोगों पर भी नज़र रखे हुए है।

आपदा से होनेवाले नुकसान को कम किया जा सकता है : प्रो संतोष

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। जानेमाने आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो संतोष कुमार ने कहा कि यह सच है कि आपदा को टाला नहीं जा सकता है लेकिन सजगता से आपदा से होनेवाले जान-माल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है। प्रो संतोष आज यहाँ कांस्टीट्यूशन क्लब में देशभर से जुटे आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित पहाड़ी क्षेत्रों में हम 3 - 4 हजार करोड़ का निवेश तो गर्व से करते हैं लेकिन आपदा प्रबंधन पर सौ करोड़ खर्च करने में कंजूसी कर जाते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ सरकार के भरोसे रहकर आपदा प्रबंधन नहीं किया जा सकता। लेकिन सरकार को साथ लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सहयोग से ऐसा किया जा सकता है। प्रो संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। आईआईएसएसएम इस दिशा में संकल्पित है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेन्द्र सिंह ने बताया कि मौजूदा सरकार ने आपदा प्रबंधन के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है। यही कारण है कि अब आपदा के समय राहत कार्य बहुत तेज गति से हो रहा है। अवकाश प्राप्त आईएएस अनिल सिन्हा ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर में आपदा प्रबंधन को लेकर बहुत काम नहीं हुआ है। आईआईएसएसएम इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका स्तर तक आपदा प्रबंधन की सुविधाओं को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को दक्षिण कोरिया स्थित संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के प्रमुख संजय भाटिया ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा को टालने के लिए उसके रिस्क को कम करना चाहिए। इसके लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वालों को समय- समय पर प्रशिक्षण लेते रहना चाहिए। इस दिशा में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। मानवता की रक्षा के लिए सभी को मिलजुल कर काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम को नेपाल स्थित सूर्योदय संस्था के प्रमुख मेयर रायबहादुर ने भी संबोधित किया।

' शिंदे प. बंगाल पर वे बोलने योग्य नहीं हैं'

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पश्चिम बंगाल में हिंसा हुई। इसे लेकर बीजेपी लगातार वहां की ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर है। बीजेपी की ओर से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की जा रही है। अब इस शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के पास भारी बहुमत है, यह सरकार जनता ने चुनी है, जो दंगे वहां हो रहे हैं, उसके पीछे बीजेपी का हाथ है। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी चाहती है कि वहां दंगे हों, ताकि इसी बहाने राष्ट्रपति शासन लगाया जा सके। यह बीजेपी की एक राजनीतिक चाल है। महाराष्ट्र में भी बिना किसी कारण राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। राष्ट्रपति शासन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए एक खिलौना बन गया है। मणिपुर में 3 साल से हिंसा हो रही है, हजारों लोग मारे गए, महिलाओं पर अत्याचार हुआ, वहां कभी राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया। शिवसेना-यूबीटी नेता ने कहा कि इस तरह से राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया जाता। राष्ट्रपति शासन लगाकर इस तरह देश नहीं चलाया जा सकता।

एकनाथ शिंदे पर साधा निशाना

वहीं एकनाथ शिंदे की ओर से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग उन्होंने निशाना साधा। संजय राउत ने कहा कि कौन शिंदे? क्या वे पश्चिम बंगाल की स्थिति पर बोलने के योग्य हैं? अमेरिका या इंग्लैंड में कभी राष्ट्रपति शासन लगाने की बात की है क्या? उनकी औकात ही नहीं है, उन मुद्दों पर बोलने की।

राहुल गांधी के बयान का किया बचाव

इसके अलावा राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए बयान पर भी संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा, वह सच है। देश में सभी काम गैरकानूनी तरीके से हो रहे हैं। चुनाव आयोग पर बीजेपी का नियंत्रण है, राष्ट्रपति बीजेपी के नियंत्रण में हैं, और अब सुप्रीम कोर्ट पर भी दबाव डाला जा रहा है। लोकतंत्र और आजादी कहां हैं? जब चाहें राष्ट्रपति शासन लगा सकते हैं, सुप्रीम कोर्ट को गाली देंगे, यही देश में हो रहा है। याचिकाएं लाओ, कोर्ट पर दबाव डालो, लेकिन सुप्रीम कोर्ट दबाव मानने को तैयार नहीं है।

दूसरी तरफ महाराष्ट्र में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अगर इसकी बात कर रहे हैं तो यह सब पर लागू होना चाहिए। मंत्रालय में जो मंत्री आते हैं, उन पर भी लागू कीजिए, जो आईएएस और आईपीएस हैं, उनके लिए तो पहले से ही ड्रेस हैं, बाकियों को भी दीजिए, जनता के पास कपड़े नहीं हैं, गरीब लोग जैसे-तैसे गुजारा कर रहे हैं और आप ड्रेस कोड की बात कर रहे हैं।

कांगपोकपी पुलिस ने अपने कर्मियों को 30 अप्रैल की बैठक से दूर रहने के दिए निर्देश

इंफाल, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कांगपोकपी जिला पुलिस ने अपने कर्मियों को एक 'फर्जी संगठन' द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल न होने के निर्देश दिए है और कहा है कि बैठक में शामिल होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस ने एक बयान में कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से पता लगा है कि कुकी इंपी, दक्षिण पश्चिम सदर हिल्स के बैनरतले कांगचुप क्षेत्र संरक्षण और विकास समिति ने 30 अप्रैल को कांगचुप क्षेत्र के कुकी गांवों के पुलिस, मणिपुर राइफल्स और भारतीय रिजर्व बटालियन के सभी कर्मियों की एक बैठक बुलाई है। इसमें कहा गया है,

''सभी कर्मियों को सख्त चेतावनी दी जाती है कि फर्जी संगठन द्वारा की गई घोषणा अवैध है। बैठक में भाग लेने वाले किसी भी वर्दीधारी कर्मचारी को घोर सेवा कदाचार का दोषी माना जाएगा और ऐसा करने वाले कर्मचारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।''राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए मेइती हेरिटेज सोसाइटी ने कहा कि इस तरह की बैठक के लिए पुलिसकर्मियों को बुलाना 'भारत और लोकतंत्र का मजाक उड़ाना' है।

बच्चू डॉन मुठभेड़ में ढेर

पंजाब से लाए जा रहे वांटेड क्रिमिनल मुश्ताक अली ने किया था पुलिस पर हमला

जम्मू, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू पुलिस द्वारा पंजाब से लाए जा रहे वांछित अपराधी मुश्ताक अली उर्फ राज अली उर्फ बच्चू डॉन की मौत पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हो गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी को जम्मू लाया जा रहा था, इसी दौरान उसने पुलिस पर अचानक हमला कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान किकरी मोड़, बाड़ी ब्राह्मण निवासी के रूप में की गई है। आरोपी कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था और पंजाब से हिरासत में लिया गया था। यह घटना पुलिस थाना बिश्नाह में दर्ज की गई है। साथ ही, जिलाधिकारी (डीएम) जम्मू ने मृतक के पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टरों का एक मेडिकल बोर्ड बनाने के निर्देश दिए हैं, जिससे न्यायपूर्ण और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की गहराई से जांच की जा रही है और कार्रवाई कानून के अनुसार की गई है। पुलिस मुठभेड़ में मारे गए वांछित अपराधी मुश्ताक अली उर्फ राज अली उर्फ बच्चू डॉन का पोस्टमार्टम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू में किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से डॉक्टरों के एक विशेष मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है जो पोस्टमार्टम प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। मोर्चरी के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। सुरक्षाकर्मी मौके पर मुस्तैद हैं और आसपास के इलाके में भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

राष्ट्रपति शासन लगाना है तो केंद्र सरकार पर लगाएं

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा बांटने की राजनीति नहीं चलेगी

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वक्फ बिल संशोधन को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसा को लेकर लगातार बीजेपी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रही है। इसी को लेकर पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, केंद्र सरकार पर राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर कहा कि यह मुख्य रूप से बंगाल और बिहार के चुनाव की वजह से ही हुआ है। इसी के साथ बीजेपी की तरफ से राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग को लेकर उन्होंने कहा, अगर कहीं राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिए, मेरे मुताबिक, यह केंद्र की सरकार पर लगना चाहिए। ताकि यह सब हरकत न करें, यह डिवाइड एंड रूल की पॉलिसी न अपनाए । टीएमसी सांसद ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा, हमारे लोगों के बीच यह तनाव न पैदा करें। चुनाव के वक्त में यह तनाव पैदा कर रहे हैं। साफ इसका मकसद समझ में आ रहा है। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर जहां एक तरफ बीजेपी लगातार टीएमसी को घेर रही है। वहीं, इसी बीच सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, बंगाल में इतनी सुख-शांति है कि देश में कहीं नहीं होगी, मैं वहीं का सांसद हूं अभी, असासनसोल जो में चारों तरफ भाईचारे के नारे लग रहे हैं, पूरे बंगाल में ऐसा है। 30 से 35 %

वहां मुस्लिम परिवार रहते हैं, आज तक तो मैंने नहीं सुना कि वहां कोई दंगा, कोई फसाद हुआ हो। बीजेपी मुर्शिदाबाद में मची हिंसा को लेकर टीएमसी को घेर रही है। पार्टी ने सीएम ममता बनर्जी के घटनास्थल पर न जाने को लेकर निशाना साधा। बीजेपी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सीएम के हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा नहीं करने को लेकर कहा, ममता बनर्जी "हिंदुओं से नफरत करती हैं"। साथ ही सीएम ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए, बीजेपी नेता ने कहा कि अगर "मुस्लिम भाइयों" के खिलाफ इस तरह के अत्याचार किए गए होते तो बंगाल के सीएम आंदोलन कर रहे होते। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में कम से कम तीन लोग मारे गए और कई घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक 200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रामबन में आपदा पीड़ितों ने रोका सीएम उमर अब्दुल्ला का काफिला

महिलाओं ने मुख्यमंत्री को सुनाई पीड़ा

जम्मू, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का काफिला रामबन क्षेत्र से गुजर रहा था, जिससे आपदा से प्रभावित लोग गुस्से में आ गए। नाराज महिलाओं ने मुख्यमंत्री की गाड़ी के आगे खड़े होकर उन्हें रोका और अपनी समस्याएं सुनाईं। आपदा पीड़ितों का कहना है कि इलाके में पिछले तीन दिनों से बिजली, पानी और राशन की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। महिलाओं ने सीधे मुख्यमंत्री से कहा कि वे भूखे-प्यासे हालात में रह रहे हैं और प्रशासन ने उन्हें कोई राहत नहीं दी है। मौके पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गाड़ी से बाहर आकर लोगों की बात ध्यान से सुनी। उन्होंने सभी प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया और राहत कार्यों को जल्दी पूरा करने का वादा किया।

मुंबई में महिला की गला रेतकर हत्या, नाइट शिफ्ट के बाद पहुंचा पति तो उड़े होश

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर में एक महिला की हत्या से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि महिला की गला रेतकर हत्या की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक महिला का पति नाइट शिफ्ट के लिए ड्यूटी पर गया हुआ था। अगली सुबह जब वह घर पर पहुंचा तो उसने पत्नी का शव खून से लतपथ हालत में देखा। इसके बाद पति ने पुलिस को पत्नी की हत्या के बारे में जानकारी दी। फिलहाल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दरअसल, पूरा मामला मुंबई के विक्रोली ईस्ट इलाके का है। मिली जानकारी के मुताबिक महिला अपने पति के साथ यहां रहती थी। मृतक महिला की पहचान सूरज निर्मल के रूप में की गई है, जो अपने पति के साथ रहती थी। घटना के बारे में तब पता चला जब महिला का पति नाइट शिफ्ट करके अगली सुबह 5:30 बजे घर लौटा। कमरे में घुसते ही उसने देखा कि उसकी पत्नी खून से लतपथ हालत में पड़ी हुई है। 36 वर्षीय इस महिला की गला रेतकर हत्या की गई थी।

महाराष्ट्र में एमवीए को करारा झटका

पूर्व कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल; समर्थकों को भी साथ ले गए

पुणे, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी को करारा झटका लगा है। पूर्व कांग्रेस विधायक संग्राम थोपटे ने भाजपा का दामन थाम लिया है। थोपटे मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने थोपटे का पार्टी में स्वागत किया। पुणे की भोर विधानसभा सीट से तीन बार जीत हासिल कर चुके थोपटे को 2024 के विधानसभा चुनावों में एनसीपी उम्मीदवार शंकर मांडेकर ने हराया था। उनका परिवार कांग्रेस की परंपरा से जुड़ा हुआ है। थोपटे कांग्रेस के दिग्गज नेता अनंतराव थोपटे के बेटे हैं। उनके पिता ने भी भोर सीट से छह बार चुनाव जीता। वे एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार के कट्टर प्रतिद्वंद्वी थे। थोपटे ने पिछले सप्ताह कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। संग्राम थोपटे ने कहा कि मैं एक कट्टर कांग्रेसी था। मैंने पार्टी और महाविकास अघाड़ी के लिए काम किया। लेकिन मेरे काम और निष्ठा को मान्यता नहीं मिली। मेरे पिता और मैंने पार्टी के लिए संघर्ष किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कांग्रेस की विचारधारा जमीनी स्तर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के वफादार थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें पार्टी छोड़ने पर मजबूर कर दिया। भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में काम करती है, इसलिए उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। थोपटे ने कहा कि मैं फडणवीस को कई वर्षों से जानता हूं, लेकिन मैंने कभी भी इस संबंध का राजनीति के लिए इस्तेमाल नहीं किया। अब मैंने भाजपा का दामन थाम लिया है।

बाघ का आतंक जंगल में व्यक्ति को किया लहूलुहान, दो दिन में तीसरा हमला

उमरिया, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उमरिया जिले के प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र में बाघ के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले दो दिन में यह तीसरा हमला है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों में डर का वातावरण है और वन विभाग की टीम पूरी तरह अलर्ट पर है। ताजा मामला मंगलवार सुबह का है, जब पतौर गांव के निवासी राम नारायण भुरतिया पर बाघ ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, राम नारायण सुबह के समय महुआ बीनने जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान अचानक एक बाघ ने उन पर झपट्टा मार दिया। हमले में राम नारायण को पीठ और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं।

धामी सरकार का चला बुलडोजर, 100 साल पुरानी मजार को गिराया, पुलिस बल तैनात

उधम सिंह नगर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड की धामी सरकार का बुलडोजर एक्शन अभी भी जारी है। यहां उधम सिंह नगर जिले में एक बार फिर बुलडोजर की गूंज सुनाई दी है। मंगलवार की तड़के सुबह भारी पुलिस बल के साथ एक मजार पर बुलडोजर चला है। बताया जा रहा है कि ये मजार करीब 100 साल पुरानी थी। ये मजार मासूम शाह मियां की मजार थी। वहीं घटना के बाद से किसी विरोध के निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। हालांकि अभी तक यहां किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन की खबर सामने नहीं आई है। वहीं कार्रवाई के बारे में बताया गया है कि यह मजार नेशनल हाइवे के चौड़ीकरण में बाधा बन रही थी। दरअसल, उत्तराखंड की धामी सरकार का बुलडोजर आज सुबह 4 बजे ऊधम सिंह नगर जिले में गरजा। यहां रुद्रपुर में स्थित एक सौ साल से पुरानी मासूम शाह मियां की मजार को गिरा दिया गया। आपको बता दें कि रुद्रपुर के इंदिरा चौक पर स्थित मासूम शाह मियां की मजार काफी पुरानी थी। यह वक्फ बोर्ड में भी रजिस्टर्ड है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने तड़के भारी पुलिस फोर्स के साथ इस मजार को गिरा दिया। बताया रहा है यह मजार नेशनल हाइवे के चौड़ीकरण की जद में आ रही थी। वहीं किसी भी विरोध से निपटने के लिए घटनास्थल पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। वहीं अभी तक किसी विरोध की सूचना नहीं मिली है।

मजार को लेकर रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा का एक बयान भी चर्चा में है, जो उनके द्वारा दिया गया है। वहीं इस मामले में कहा जा रहा है कि वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक्फ की संपत्तियों पर अंतरिम रोक लगा रखी है। इसमें मजारें, कब्रिस्तान एवं अन्य संपत्तियों भी शामिल हैं।

मध्य प्रदेश के दमोह में बड़ा हादसा

अनियंत्रित बोलेरो पुल से नदी में गिरी एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

दमोह, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में मंगलवार को एक बोलेरो के पुल से नीचे सूखी नदी में गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 5 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 11 बजे नोहटा थाना क्षेत्र के सिमरी गांव के पास हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचे और घायलों को दमोह जिला अस्पताल भेजा। बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक ही परिवार के थे और बांदकपुर से दर्शन कर जबलपुर लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक, मध्य प्रदेश से दमोह जिले के नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनवार चौकी महादेव घाट पुल के पास एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई, जिससे बेलोरो में सवार करीब एक दर्जन से अधिक यात्रियों में से 8 यात्रियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जबलपुर के भीटा फुलर गांव का एक परिवार बांदकपुर से जटाशंकर धाम के दर्शन करने के बाद जबलपुर लौट रहा था, उसी दौरान पुल पर ये हादसा हुआ। बोलेरो में 13 लोग सवार थे। इनमें से 6 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो बच्चों ने दमोह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 5 अन्य घायलों को दमोह जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मृतक के परिजन गोविंद सिंह ने बताया सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं। ये लोग बांदकपुर दर्शन के लिए मंगलवार सुबह गए थे। यहां से दर्शन कर वापस गांव लौट रहे थे। तभी बनवार के महादेव घाट पुल से एक बोलेरो नीचे गिर गई। इस हादसे में घायल हुए लोगों दमोह जिला अस्पताल से जबलपुर मेडिकल कॉलेज ले जाने के लिए पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। घायलों की पहचान रज्जो सिंह (55) निवासी पौड़ी, अंकित पिता रज्जो सिंह, वैभव सिंह (12), आयुष निवासी बहरोघाट जबलपुर और रविंद्र (22) पिता डोमेन, निवासी बिजोरी के रूप में हुई है। वहीं, मृतकों की पहचान लौग बाई, हल्की बाई, संपत बाई, गुड्डी बाई, बैजंती बाई, रचना, तमन्ना और शिब्बू के रूप में हुई है।

थाने पहुंचे भाजपाई, कांग्रेसियों पर धाराएं बढ़ाने की मांग, अस्पताल के बाहर पिटाई का वीडियो वायरल

इंदौर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में विधायक प्रतिनिधि कपिल पाठक के साथ हुई मारपीट का एक नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो उस अस्पताल के बाहर का है, जहां कपिल घायल हालत में अपने परिजनों के साथ इलाज कराने पहुंचे थे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि अस्पताल के बाहर ही आरोपियों ने एक बार फिर कपिल के साथ मारपीट की। इस वीडियो के सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पाठक परिवार के साथ विजय नगर थाने पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग की। कपिल की पत्नी विनीता पाठक ने पुलिस को घर और अस्पताल में घटी पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कपिल की हालत ऐसी है कि वह किसी को पहचान नहीं पा रहे, वहीं उनके पिता की स्थिति भी चिंताजनक है, उन्हें भी गंभीर चोटें आई हैं यह पूरा विवाद शनिवार रात पानी के ट्रैक्टर को हटाने की बात पर शुरू हुआ था। हीरा नगर थाना क्षेत्र के सुखलिया इलाके में रहने वाले कपिल पाठक और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के बेटे और भतीजे के बीच कहासुनी हो गई थी। मामला इतना बढ़ गया कि चिंटू चौकसे के परिवार के लोग लाठी, डंडे और लोहे की रॉड लेकर कपिल पाठक के घर पहुंच गए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने पाठक के घर के बाहर खड़ी उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की, जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना के बाद हीरा नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर रविवार सुबह चिंटू चौकसे को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें एमजी रोड थाने ले जाया गया और फिर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस घटना के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता पुलिस कमिश्नर से मिले और बाद में जेल जाकर चिंटू चौकसे से मुलाकात भी की।

क्या फिर दहलेगा पंजाब !

आतंकी हमले के इनपुट से मची हलचल एजेंसियां अलर्ट, आखिर कौन हैं निशाने पर

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बब्बर खालसा इंटरनेशल (बीकेआई) और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के फ्रांस और ग्रीस मॉड्यूल के 13 आतंकी पकड़े जाने के बाद नए इंटेलिजेंस इनपुट सामने आए हैं। इन नए इंटेलिजेंस इनपुट में प्रदेश के धार्मिक और हिंदू संगठनों के अलावा सरकारी एजेंसियों को निशाना बनाने की बात सामने आई है। बीते दिनों दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर एजेंसियों की बैठक में पंजाब के लुधियाना में शिवसेना व अन्य संगठन के नेताओं की जान के खतरे के भी इनपुट मिले हैं। यह इनपुट भी पंजाब पुलिस के साथ साझा किए गए हैं। एनएसए बढ़ाए जाने के साथ ही सामने अकाली दल वारिस पंजाब दे टील जिला मोगा के नाम से बने एक व्हाट्सअप ग्रुप

में जो चैट सामने आई है, उसमें अमृतपाल पर अगले एक साल के लिए फिर एनएसए बढ़ाए जाने का विरोध सामने आया है। यहां तक कि इस व्हाट्सअप चैट में खालिस्तान समर्थक कुछ सदस्यों ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को निशाना बनाने की बातें सामने आई। व्हाट्सअप चैट में इन लोगों पर जानलेवा हमले करने की बातें सामने आई है। इस व्हाट्सअप चैट से प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं, क्योंकि उन्हें पहले भी आतंकी संगठनों और आईएसआई मॉड्यूल से पंजाब में बड़े हमले को लगातर इनपुट मिल रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रदेश में हुए ग्रेनेड अटैक और उसके बाद बीकेआई और आईएसआई के ग्रीस में बैठे जसविंदर उर्फ मन्नू अगवां और फ्रांस में सतनाम सिंह उर्फ सत्ता के मॉड्यूल के 13 आतंकी के पकड़े जाने के बाद पुलिस अन्य एक्टिव मॉड्यूल की स्क्रीनिंग बढ़ा दी है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 23 अप्रैल - 2025

मिलकर काम करने की जरूरत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बिलकुल ठीक कहा है कि शांति और समृद्धि के मामले में दुनिया भारत की तरफ देख रही है। ऐसे में संघ के स्वयंसेवकों को हर घर में एकता और भाईचारे की भावना जगाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए, क्योंकि समाज खुद नहीं बदल सकता। उसमें बदलाव लाने के लिए सबका सामूहिक प्रयास जरूरी है। जातियों के बंधन में बंधे मजबूत खांचों को तोड़ने और समाज को बदलने के लिए लगातार व सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए। यदि इसमें किसी तरह के राजनीतिक या वैचारिक मतभेद आड़े आता है तो सभी प्रयास विफल हो जाएंगे। भारत इस समय दुनिया में एक नया मुकाम हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है, लेकिन यह तभी संभव है जब जातियों के नाम पर एक-दूसरे से लड़ने के बजाय एक साथ मिलकर काम किया जाए। इसीलिए उन्होंने गत दिनों 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान' की अपील की थी। उनकी यह अपील हिंदू समाज में जातिवाद की गहरी जड़ों से पैदा हुई पीडा को दर्शाती है। आए दिन दलितों पर अत्याचार की घटनाएं सामने आती रहती हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास हजारों शिकायतें पडी हैं। इसे देखते हुए ही संघ समाज में विभाजन को खत्म करने की अपील करता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत का 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान' की अपील करना बताता है कि हिंदू समाज में जाति का दंश अब भी कितना गहरा है। जातीय पहचान को सम्मान से जोड़कर देखा जाता है और इसकी वजह से सामाजिक बदलाव की गति बहुत धीमी है। ऐसे में संघ प्रमुख का बयान स्वागतयोग्य है। देखा जाए तो सामाजिक रूढ़ियों के अलावा राजनीतिक वजहों ने भी देश में जाति को कभी मरने नहीं दिया। यही वजह है कि आज भी दलित दूल्हे का घोड़ी चढ़कर जाना कई लोगों को रास नहीं आता। आगरा की एक घटना सामने है, जहां आरोप है कि दलित दूल्हे को सिर्फ इसीलिएपीटा गया कि वह घोडी पर चढ़ कर शादी करने जा रहा था। पिछले साल एमपी के दमोह में बग्घी पर बैठने पर दलित दूल्हे के साथ मारपीट की गई थी। आज जब समाज बहुत आगे बढ़ चुका है तब भी मंदिर भेदभाव से अछूते नहीं हैं। पिछले ही महीने पश्चिम बंगाल के गिधाग्राम स्थित एक शिव मंदिर में दलित समुदाय को सदियों बाद प्रवेश मिला, तो तमाम लोग नाराज हो गए। सबसे बड़ी समस्या है कि देश में जाति से जुड़े भेदभावों को एक बड़ा तबका अब भी गलत नहीं मानता। उसकी नजर में यह स्वाभाविक व्यवहार है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पिछले साल अक्टूबर में एक आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल के जवाब में बताया था कि चार साल के भीतर उसके पास 47 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें दलितों के खिलाफ अत्याचार, भूमि विवाद और सरकारी नौकरियों से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। इस तरह की घटनाएं जाहिर करती हैं कि समरसता का सपना अभी कोसों दूर है। इन हालात में अगर संघ, समाज में गहरे पैठ बना चुके विभाजन को खत्म करने की अपील और सामूहिक पहचान पर जोर देता है तो इसे सकारात्मक रूप में लेना ही चाहिए। संघ प्रमुख ने त्योहारों को साथ मिलकर मनाने और सभी को अपने घरों पर आमंत्रित करने के लिए कहा है। पर्व-त्योहार वैसे भी लोगों को करीब लाते हैं। इन मौकों का इस्तेमाल भेदभाव के खिलाफ किया जाए, तो परिवर्तन आ सकता है।

हिन्दू धार्मिक स्थलों पर नहीं थम रहे हमले

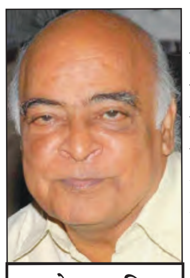

अशोक भाटिया

खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। कनाडा में वैंकूवर के गुरुद्वारे की बेअदबी के कुछ ही समय बाद, ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर को निशाना बनाया गया. मंदिर की दीवारों पर स्प्रे पेंट से लिखे गए भारत विरोधी नारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई है.भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य के अनुसार ये हमला हिंदू मंदिरों पर हो रहे सुनियोजित और लगातार हमलों की एक कड़ी है, जिससे हिंदू समुदाय को डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है.लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' जैसे उग्रवादी नारे लिखे की घटना से हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना को और गहरा दिया है. घटना की निंदा करते हुए सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि हिंदू मंदिरों पर हमले जो कुछ साल पहले शुरू हुए थे, वे आज भी बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं. ये ताजा हमला खालिस्तानी उग्रवाद के बढ़ते प्रभाव की एक और भयावह याद है. इस घटना से कुछ समय पहले वैंकूवर में स्थित रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे की दीवारों पर भी 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' और 'मुर्दाबाद' जैसे नारों के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए धमकी भरे संदेश लिखे गए थे. वैंकूवर पुलिस विभाग ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है. इस पर टिप्पणी करते हुए चंद्र आर्य ने कहा कि इन खालिस्तानी उग्रवादियों ने रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे (खालसा दीवान सोसायटी) को भी निशाना बनाया है, जहां दीवारों पर उकसाने वाले नारे और धमकियां लिखी गई हैं.खालसा दीवान सोसायटी ने बयान जारी कर इसकी कड़ी निंदा की. साथ ही कहा कि ये उग्रवादी ताकतों की एक सुनियोजित साजिश है जो कनाडाई सिख समुदाय में भय और फूट डालना चाहती है. सोसायटी ने कहा कि हम सभी कनाडाई नागरिकों, सिखों और सद्भाव की भावना रखने वाले लोगों से अपील करते हैं कि वे एकजुट होकर इस उग्रवाद का विरोध करें. ये हमला हम सभी पर है- उस एकता पर जो कनाडा को मजबूत बनाती है. वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो । अमेरिका के कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई।अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ तस्वीरों को शेयर किया गया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भी किया है । फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे। वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए बताया जा रहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे।वहीं इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे पहले भी कई इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाता रहा है। ज्ञात हो कि इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे। वहीं एक दूसरे मंदिर इस्कॉन टेम्पल में भी हिंदुस्तान मुर्दाबाद और खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लिखे गए थे। कनाडा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि मंदिर में तोड़फोड़ से कनाडा में स्थित भारतीय समुदाय की धार्मिक भावना आहत हुई है। अपनी चिंता जाहिर करते हुए अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन से आपराधियों के खिलाफ कड़ी काररवाई करने की मांग की है।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कनाडा सरकार को इस संबंध में संज्ञान लेने और मामले की जांच करने के संबंध में अपनी बात रखी है। भारतीय दूतवास ने घटना की कड़ी निंदा की है और हिन्दू धर्म के लिए पनप रही इस नफरत पर चिंता व्यक्त की है। कनाडा पुलिस ने मामले की सख्ती से जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल कनाडा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और हिंदू धर्म को मानने वालों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा भड़की वह तो सबने देखी, लेकिन अमेरिका जो खुद को लोकतंत्र की मिसाल बताता है। ऐसे देश में हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की साजिश समझ से बाहर है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमला उस वक्त हो रहा था , जब यूनाइटेड नेशन में दुनियाभर के नेता वहां मौजूद थे । इसके बावजूद सब चुप्पी साधे हुए रहे । गौरतलब है है कि अब तक के जो मामले सुर्ख़ियों में है जब हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ हुई हो । इनमे प्रमुख है 26 सितंबर, 2024 :- का है, जब सैक्रामेंटो अमेरिका में स्वामी नारायण मंदिर। 19 सितंबर, 2024 :- न्यूयॉर्क के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में हमले के बाद अपमानजनक नारे जैसे 'हिन्दुस्तान मुर्दाबाद' तक लिखा गया। 5 जनवरी, 2024 :- कैलिफोर्निया के विजय का शेरावाली मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया। 23 दिसंबर, 2023 :- कैलिफोर्निया के एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला किया। वहां कई गंदे चित्र भी उकेरे गए। यानी मंदिर की पवित्रता को खत्म करने की कोशिश की गई।

20 जनवरी, 2023 :- ब्रेज़ोस वैली में श्री ओंकारनाथ मंदिर में चोरों ने चोरी की और कीमती सामान उड़ा लिया। उन्होंने मंदिर की एक खिड़की, दान पेटी और तिजोरी तक तोड़ दी। चोर सीसीटीवी में कैद हो गए। 2 नवंबर, 2022 :- न्यूजर्सी के श्री उमिया धाम मंदिर में तोड़फोड़ की गई और 'मुक्त फिलिस्तीन' के नारे लिखे गए। 31 जनवरी, 2019 :- केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की, काले रंग का छिड़काव किया, खिड़कियां तोड़ दी, दीवारों पर स्प्रे के जरिए स्लोगन लिखे गए।19 जुलाई, 2015 :- कैरोलिना के विहिप मंदिर पर गोलीबारी की गई। मंदिर पर 4 जुलाई 2015 की दोपहर करीब 1 बजे भी गोलीबारी हुई, जिसमें मंदिर की दीवारों पर 60 से अधिक छेद हो गए। 20 अप्रैल, 2015 :- न्यूयॉर्क के उत्तरी टेक्सास हिंदू मंदिर के प्रतीक चिन्हों को तोड़ दिया गया। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त तो की है पर उसमें मंदिरों का जिक्र नहीं है पर उसमें कहा गया है कि कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतांकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष में रहकर वोट बैंक के लिए या भारत को कमजोर देखने के लिए उनका समर्थन करते रहे हैं।

कब रुकेगा नवजातों की खरीद फरोख्त का सिलसिला?

मनोज कुमार अग्रवाल

सुप्रीम कोर्ट ने नवजात बच्चों को खरीद-फरोख्त रोकने के लिए देश के अस्पतालों को जो दिशा-निर्देश जारी किया है, वह ऐतिहासिक होने के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। एक मां जो अपने बच्चे को नौ महीने कोख में रखने के बाद तमाम पीड़ा सहते हुए उसे जन्म देती है और उसको यह पता चले कि उसका बच्चा चोरी हो गया है, तो इससे ज्यादा असहनीय पीड़ा और दर्द किसी मां के लिए हो ही नहीं सकती है। हालांकि अपने देश में यह आम बात हो गया है, क्योंकि प्रतिदिन ऐसे गिरोह का पर्दाफाश होते ही रहता है, जो नवजातों की तस्करी में शामिल हैज गिरोह प्रतिदिन कई माताओं की गोद के सूनी कर देते हैं औरध्यन्यन्यन्यल उनको जिंदगी भर का ऐसा काट और पीड़ा देते हैं, जिसको वह जीते जी नहीं भूल पाती हैं। इसलिए देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस मामले में जो फैसला सुनाया है और दिशा-निर्देश जारी किया है, वह बाल तस्करी रोकने के मामले में मील का पत्थर साबित हो सकता है। अदालत ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर यूपी सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार लगाई है और साथ हो बच्चों की तस्करी को रोकने और बाल तस्करी अपराधों से जुड़े मामलों से निपटने के लिए राज्य सरकारों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश निर्धारित किए हैं। दरसअल वाराणसी और उसके आसपास के अस्पतालों में हुई बच्चा चोरी की घटनाओं के आरोपियों को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2024 में जमानत दे दी थी और इसके खिलाफ बच्चों के परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को सुनते हुए इसका दायरा बढ़ा दिया था और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ डेवेलपमेंट से रिपोर्ट मांगी थी। इसके आधार पर अब दिए फैसले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे वी पारडीबाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने आरोपियों की जमानत रद्द कर दी है। कोर्ट ने इस बात को फैसले में दर्ज किया है कि यह देशव्यापी गिरोह था और इसके चुराए हुए बच्चे पश्चिम बंगाल, झारखंड और राजस्थान तक से बरामद हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को समाज के लिए खतरा बताया और कहा कि इन्हें जमानत देना हाई कोर्ट के लापरवाह रवैये को दिखाता है। जमानत के आदेश को चुनौती न देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की भी आलोचना की है। शीर्ष न्यायालय ने बाल तस्करी के मामले में भारतीय इंस्टीट्यूट की तरफ दिए गए सुझावों को अपने फैसले में जगह दी है और सभी राज्य सरकारों कहा है कि उसे पढ़ कर अमल करें। एक अहम निर्देश देते हुए कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई महिला बच्चे को जन्म देने के लिए हॉस्पिटल आती है और वहां से नवजात बच्चा चोरी हो जाए, तो सबसे पहले हॉस्पिटल का लाइसेंस सरकार को रद्द कर देना चाहिए। इससे बच्चा चोरी की घटनाओं में कुछ हद तक लगाम लग सकेगी। कोर्ट ने सभी माता-पिता को सलाह दी है कि वह अस्पताल में अपने नवजात बच्चों की सुरक्षा को लेकर ज्यादा सतर्क रहें। सबसे बड़ी बात है कि शीर्ष न्यायालय ने सभी हाई कोर्ट से कहा है कि वह चाइल्ड ट्रैफिकिंग के लंबित मुकदमों का ब्यौरा लें और ट्रायल कोर्ट को उनका निपटारा 6 महीने में करने का निर्देश दें। इसके साथ अदालत ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया है वह फैसले के पैराग्राफ 34 में दर्ज की गई सिफारिशों को पड़े और उन पर अमल शुरू करें। अदालत के अनुसार बच्चों के गायब होने की घटनाओं को तब तक अपहरण या मानव तस्करी की तरह देखा जाए, जब तक जांच में कोई और बात सामने नहीं आती। जो लोग पीड़ित हैं, पुलिस उनका विश्वास जीतने की कोशिश करें। उन्हें ऐसा न महसूस कराए जैसे उनके खिलाफ ही जांच हो रही है। मानव तस्करी में शामिल लोगों से सख्ती हो और उनके खिलाफ बैंक खाता फ्रीज करने और अवैध संपत्ति जब्त करने जैसी कार्रवाई हो। मानवीय संवेदनाओं पर अहम टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा है कि अगर किसी माता-पिता का नवजात बच्चा मर जाए, तो उन्हें दुख होता है। वह सोचते हैं कि बच्चा ईश्वर के पास वापस चला गया है, लेकिन अगर उनका नवजात बच्चा चोरी हो जाए, तो उनके दुख का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि अब उनका बच्चा एक अज्ञात गिरोह के पास है। देखा जाए तो शायद ही ऐसा कोई सप्ताह जाता है, जब बच्चों की तस्करी का मामला सामने नहीं आता हो। दो दिन पहले ही देश की राजधानी दिल्ली में नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त का घिनौना कारोबार का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन नवजात' के तहत एक ऐसे अंतरराज्यीय मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है जो गरीब परिवारों के मासूम बच्चों को उठाकर दिल्ली-एनसीआर के अमीर निःसंतान कपल को बेचता था। द्वारका जिला पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुजरात, राजस्थान और दिल्ली में फैले इस सिंडिकेट के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से महज 3-4 दिन का एक नवजात शिशु भी बरामद किया है। पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं वह और भी चौंकाने वाली हैं, क्योंकि अब तक इस गिरोह ने 30 से ज्यादा बच्चों को दिल्ली-एनसीआर के अमीर परिवारों को बेचा है। गिरोह के सदस्य राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों से गरीब तबके के बच्चों को चोरी करते थे।

खासकर गुजरात-राजस्थान बॉर्डर के पाली इलाके में आदिवासी समाज के बच्चों को निशाना बनाया जाता था। कुछ मामलों में तो परिवारों को गुमराह कर या फुसलाकर उनके बच्चों को ले जाया जाता था। इसके बाद इन बच्चों को 5 लाख से लेकर 10 लाख रुपये में बेच दिया जाता था। ऐसा गिरोह सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक राज्य में फैला हुआ है और समय-समय पर राज्य पुलिस के द्वारा कार्रवाई भी की जाती है। लेकिन यह गिरोह जिस प्रकार से पूरे देश में अपनी जाल बिछा चुका है, उसको तोड़ने की जरुरत है। इसके लिए राज्य पुलिस और खुफिया विभाग को मिलकर इस गिरोह पर शिंकजा कसना होगा। अच्छी बात है कि जिस प्रकार से सुप्रीम कोर्ट ने सख्त आदेश देते हुए नवाजातों के मामलो को छह महीने के भीतर निपटाने और अस्पतालों का लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया है, इससे उम्मीद की किरण दिखायी देने लगी है कि देश में नवजातों का खरीद-फरोख्त का अवैध धंधा बंद होगा और फिर से किसी मां की कोख सूनी नहीं होगी।

'डिजिटल बलात्कार' के मायने?

रामस्वरूप रावतसरे

गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में एयरलाइन कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने वाला आरोपित गिरफ्तार हो गया है। वह इसी अस्पताल का कर्मचारी था। उसकी पहचान दीपक कुमार के तौर पर हुई है। वह आईसीयू में तैनात था। उस पर अब 'डिजिटल रेप' का आरोप लगा है। डिजिटल रेप सामान्य रेप से अलग आरोप माना जाता है। आरोपित दीपक कुमार को 18 अप्रैल, 2025 को गिरफ्तार किया गया था। उसे गुरुग्राम पुलिस ने कई सीसीटीवी और बाकी चीजों की जाँच करने के बाद पकड़ा है। दीपक कुमार बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला बताया जा रहा है और उसने पाँच महीने पहले ही मेदांता अस्पताल में नौकरी चालू की थी। अब वह डिजिटल रेप के आरोप में गिरफ्तार हुआ है। आमतौर पर जब किसी शब्द के आगे डिजिटल लग जाता है तो हम समझते हैं कि यह मामला तकनीक से जुड़ा होगा। तकनीक से ही जुड़े होने के साथ हम इसे विशेष तौर पर इंटरनेट से जुड़ा समझते हैं। डिजिटल लेनदेन हो या डिजिटल मीटिंग, इसके ऐसे कई उदाहरण हैं लेकिन यहाँ मामला थोड़ा अलग है। जानकारों की माने तो डिजिटल रेप का तकनीक से कोई भी लेना-देना नहीं है। दरअसल, डिजिटल रेप यौन उत्पीड़न के एक प्रकार को कहते हैं। जब कोई व्यक्ति किसी महिला के गुप्तांगों में बिना सहमति के उंगली या अँगूठे आदि का प्रवेश करवाता है तो इसे डिजिटल रेप की संज्ञा दी जाती है। डिजिटल रेप शब्द में 'डिजिटल' का उपयोग उँगलियों या अँगूठे के उपयोग के लिए किया जाता है। दरअसल, यह शब्द अंग्रेजी के शब्द 'डिजिट' से आया है जहाँ इसका अर्थ संख्या होता है। डिजिटल रेप को भारत में रेप का ही एक प्रकार माना जाता है भले ही इसमें पुरुष के गुप्तांग का उपयोग ना हुआ हो। डिजिटल रेप को पहले भारतीय कानूनों में छेड़छाड़ की श्रेणी में रखा जाता था। इन्हें रेप का दर्जा नहीं दिया जाता था हालाँकि, 2012 के बाद से कानूनों में बड़े बदलाव किए गए हैं। कानून के अनुसार, कोई व्यक्ति अगर किसी महिला की मर्जी के बगैर उसके गुप्तांग या फिर मुंह में किसी भी तरह की चीज का प्रवेश उसकी सहमति के बिना करता है, तो यह रेप ही माना जाएगा। अब अगर कोई व्यक्ति डिजिटल रेप का दोषी पाया जाता है तो उसे 5 साल तक की सजा हो सकती है। यह सजा कुछ मामलों में बढ़ भी सकती है। यह सजा के प्रावधान आईपीसी के अलावा बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाए गए कानून पीओसीएसओ के उल्लंघन पर भी होती है। 'डिजिटल रेप' जैसे अपराधों को लेकर अब कोर्ट भी कड़ा रवैया अपनाते हैं। फरवरी, 2025 में दिल्ली की एक अदालत ने एक व्यक्ति को 2 वर्ष की एक मासूम से डिजिटल रेप करने के दोषी को 25 वर्ष की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने कहा था कि भले ही दोषी व्यक्ति ने पीड़ित के गुप्तांगो को लेकर कोई अपराध नहीं किया। कोर्ट ने 13.5 लाख का मुआवजा पीड़ित को दिया था। गुरुग्राम के अस्पताल में रेप का आरोप लगाने वाली एयरलाइन कर्मचारी ने बताया था कि उसके साथ आईसीयू में यह हरकत हुई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि आईसीयू में भर्ती होने के दौरान वह कुछ देख नहीं पा रही थी लेकिन अवचेतन अवस्था में होने के चलते सब कुछ सुन रही थी। पीड़िता के अनुसार आरोपित ने पहले आईसीयू में आकर वहाँ रखे सामान के विषय में जानकारी ली। उसे यह सब जानकारियाँ वहाँ पर मौजूद 2 नर्स दे रही थीं। आरोपित ने इसके बाद पीड़िता के कमर पर लगाए गए बैंड का नाप पूछा लेकिन कुछ देर बाद वह स्वयं ही नाप लेने के लिए आ गया।

पीड़िता ने बताया कि इसके बाद आरोपित ने चादर के नीचे से हाथ डाला और उसका यौन उत्पीड़न किया। चूंकि, आरोपित ने हाथ से यह अपराध अंजाम दिया, इसलिए इसे डिजिटल रेप की श्रेणी में रखा गया है। यह पूरी घटना 6 अप्रैल, 2025 को हुई थीं। पीड़िता ने स्वस्थ होने के बाद यह बात अपने पति और पुलिस को बताई। पुलिस ने इसके बाद दीपक कुमार को पकड़ लिया है। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक नामी अस्पताल में ऐसी वारदात हुई है जिसके बारे में सुनकर भी हमारी आत्मा धिक्कारती है। घटना सिर्फ ये है कि एक महिला का यौन उत्पीड़न हुआ है। कोई कहेगा, इसमें क्या है। पिछले साल एक रिपोर्ट आई थी कि देश में रोजाना 80 से ज्यादा रेप की घटनाएं होती हैं लेकिन, गुरुग्राम के सेक्टर-38 के नामी और महंगे अस्पताल में एक एयर होस्टेस के साथ जो कुछ हुआ, वह बहुत ही असामान्य है। वह वेंटिलेटर पर थी और हर पल उसकी जिंदगी हां या ना के बीच झूल रही थी। उसे तो यह भी अंदाजा नहीं था कि वह है कहां और क्या वह कभी इस दुनिया में फिर से अपनी आंखें खोल पाएगी लेकिन, लाइफ-सपोर्ट सिस्टम पर भी उसके साथ डिजिटल बलात्कार हुआ। पीड़िता एयर होस्टेस से जुड़ी खास ट्रेनिंग के लिए पश्चिम बंगाल से गुरुग्राम आई थी। 6 अप्रैल को उसकी स्विमिंग वाली ट्रेनिंग चल रही थी और वह डूब गई।

52 वें सीजेआई गवई लेंगे 14 को शपथ

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम आजकल एक हर की जुबान पर चढ़ा हुआ है। वह मोदी सरकार द्वारा वक्फ कानून में किये गये बदलाव पर सुनवाई कर रहे हैं।शुरूआती दो दिन की सुनवाई के दौरान जस्टिस खन्ना ने जिस तरह से विधायिका में बनाये गये कानून के खिलाफ सख्त टिप्पणी की उसके बाद उनके ऊपर कई नेता और न्यायविद्व हमलावर हैं। आम जनता भी सवाल खड़े कर रही है,कहा यह भी जा रहा है कि जस्टिस खन्ना मामले की सुनवाई में काफी तेजी दिखा रहे हैं,इसकी वजह में जाकर देखा जाये तो पता चलता है कि खन्ना 13 मई को रिटायर्ड हो रहे हैं। शायद वह अपने रिटायर्डमेंट से पूर्व इस केस को किसी अंजाम तक पहुंचा देना चाहते हों। यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनके सेवानिवृत होने के बाद अगले चीफ जस्टिस यह मुकदमा सुनेंगे। अलगे मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायविद भूषण रामकृष्ण गवई को 14 मई को 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करना है। करीब सवा छह महीने यानी 23 नवंबर 2025 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस गवई अपनी जिम्मेदारी निभायेंगे। जस्टिस गवई अनुसूचित जाति से आते हैं। इससे पूर्व जस्टिस केजी बालकृष्ण 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश रहे थे। बालकृष्ण भी दलित समाज से ताल्लुक रखते थे। अभी तक दलित समाज से सिर्फ दो ही मुख्य न्यायाधीश बने हैं। बहरहाल, अपने न्यायिक कार्यों का संपादन करने के दौरान जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में उभर कर सामने आए हैं, जिनकी यात्रा साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर सर्वोच्च न्यायालय के शीर्ष पद तक पहुँचने वाली है। उनकी कहानी न केवल प्रेरणादायक है बल्कि भारतीय लोकतंत्र में सामाजिक न्याय और समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत भी है। जब वे 14 मई 2025 को भारत के 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे, तब वे दलित समुदाय से आने वाले केवल दूसरे व्यक्ति होंगे जो इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचेंगे। भूषण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में हुआ था। उनके पिता रावसाहेब गवई एक प्रमुख राजनीतिज्ञ थे और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा से प्रभावित थे। ऐसे वातावरण में पले-बढ़े भूषण गवई ने नागपुर विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और 1985 में बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने प्रमुख अधिवक्ता और न्यायाधीश राम रेड्डी के अधीन अभ्यास किया, जिससे उन्हें न्याय की गहराई और संवैधानिक मूल्य समझने का अवसर मिला। गवई को वकालत में सफलता के बाद, 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अगले 16 वर्षों तक उन्होंने इस पद पर रहते हुए असंख्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनकी न्यायिक दृष्टि में न केवल कानूनी बारीकियों की गहरी समझ थी, बल्कि सामाजिक संदर्भों का भी विशेष स्थान था। वे हमेशा इस बात के पक्षधर रहे कि न्याय केवल कानून की किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। 2019 में उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति न केवल उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान थी, बल्कि एक संकेत भी था कि भारतीय न्यायपालिका में विविधता और प्रतिनिधित्व का महत्व बढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में रहते हुए उन्होंने कई ऐतिहासिक और संवेदनशील मामलों की सुनवाई में भाग लिया।

गांव की सड़कों पर भैंसों का बाईपास

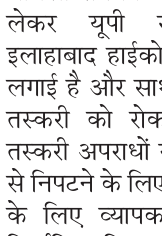

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गांव के प्रवेश पर बोर्ड चमक रहा था – "भैंसों के लिए बाईपास उपलब्ध।" यह वही गांव था, जहां कभी सड़कें भैंसों की रफ्तार के हिसाब से बनती थीं, और ट्रक उनकी कृपा से चलता था। गांव वालों ने सोचा, 'भैंसों की संख्या सड़क पर बढ़ने लगी है, कुछ करना होगा। जनता का रास्ता भी कोई चीज़ है।' तब तक भैंसों ने अपने साम्राज्य का ऐलान कर दिया। "हमारे बिना सड़कें सूनी हैं, ट्रैफिक सुस्त है। हमारे धैर्य से सड़कें तनावरहित होती हैं। तो हमारी प्रजा को बाईपास चाहिए।" सरपंच जी ने पंचायत में मुद्दा उठाया। भैंसों का दल, गाड़ियों का दल और 'निर्दलीय कुत्तों' ने साथ में चर्चा की। नतीजा निकला – भैंसों के लिए बाईपास। नया निर्माण हुआ, पर भैंसों ने इसे अपनाने से इनकार कर दिया। "बाईपास में कोई रोमांच नहीं, शहर के बीच से जाना हमारी संस्कृति है।

यह हमारी परंपरा के खिलाफ है।" गांव की गाड़ियों ने जवाबी हमला किया। "भैंसों को तुरंत बाईपास भेजें, वरना गांव में गाड़ियों का हड़ताल होगा। हमारी पीठ दर्द कर रही है, और हमारी गियर बॉक्स अब काम नहीं कर रहा।" भैंसों ने अपना स्टैंड बनाए रखा। "हम तो गांव की सड़कों की शोभा हैं। हमारी आवाजाही बिना आपकी गाड़ियां बोरिंग हो जाएगी।" सरपंच ने मध्यस्थता की। "भैंसों के बाईपास पर दौड़ाने के लिए मुफ्त घास उपलब्ध कराएंगे। बाईपास को 'भैंस मनोरंजन पार्क' घोषित करेंगे। गांव का युवा वहां सेल्फी ले सकेगा।" भैंस दल ने संशोधित बाईपास स्वीकारा। लेकिन समस्या अब गांव के लोगों की हो गई। "हमारे सेल्फी स्पॉट पर तो भैंसे कब्जा कर लेंगी। हमारी लाइक बढ़ाने वाली तस्वीरें कहां जाएंगी?" गांव का माहौल गर्म हो गया।

भैंसों के लिए बाईपास? गाड़ियों को दूसरा रास्ता चाहिए! भैंस मनोरंजन पार्क से गाड़ियों की भीड़ हटाओ। हम जहां जाएं, भैंस वहां नहीं आ सकतीं।" भैंसों ने 'भैंस मुक्त पार्किंग क्षेत्र' की मांग रख दी। गांव वालों ने कोर्ट में अपील की, और कोर्ट ने फैसला सुनाया – "भैंसों का अधिकार सुरक्षित है। लेकिन सड़क पर शांतिपूर्ण सह-जीवन जरूरी है।" सरपंच ने बीच का रास्ता निकाला। "सड़कों पर भैंसों के लिए फास्ट लेन और गाड़ियों के लिए धीमा लेन होगा। भैंसों के मनोरंजन पार्क में गाड़ियों के प्रवेश शुल्क लगाएंगे, जिससे मुआवजा भरा जा सके।" लेकिन अब गांव के कुत्ते, जो निर्लिप्त थे, भैंसों के बाईपास पर दौड़ते नजर आए। "हम तो मनोरंजन का हिस्सा बनना चाहते हैं।" गांव के बुद्धिजीवी ने नोट किया – "यह इतिहास का पहला गांव है, जहां भैंसों को बाईपास मिला, गाड़ियां मंद गति पर आईं, और कुत्तों ने नया धंधा शुरू किया। यह गांव अब 'भैंसों का स्वर्ग' कहलाएगा।

अक्षय तृतीया पर घर के इन 5 स्थानों पर जलाएं दीपक, घर में बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हर साल अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस पर्व का बहुत खास महत्व है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा करने से घर में धन-दौलत और सुख-समृद्धि बढ़ती है। माता लक्ष्मी हमेशा उस घर में वास करती हैं। इस दिन सोना, चांदी, पीतल और तांबे के आभूषण खरीदने का भी विधान है। अगर कोई व्यक्ति इस दिन कुछ नहीं खरीद पाता है, तो घर के कुछ स्थानों पर दीप जलाने से भी माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। आइए जानते हैं देवघर के ज्योतिषाचार्य से कि अक्षय तृतीया के दिन घर के किन स्थानों पर दीप जलाना चाहिए।

इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है। अक्षय तृतीया के दिन कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य करना सबसे उत्तम होता है। इस दिन दीपदान का विशेष महत्व है। दीपदान समृद्धि, शुभता और आशीर्वाद का प्रतीक है। इस दिन घर के कुछ स्थानों पर मिट्टी के दीए में घी का दीपदान अवश्य करना चाहिए। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

अक्षय तृतीया के दिन घर के इन स्थानों पर जलाएं दीप

1.घर का मुख्य द्वार: अक्षय तृतीया के दिन रात के समय घर के मुख्य दरवाजे पर दीपदान अवश्य करें। यहीं से माता लक्ष्मी प्रवेश करती हैं और यहीं से सकारात्मक ऊर्जा का भी वास होता है।

2. तुलसी पेड़ के नीचे: तुलसी को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। अक्षय तृतीया के दिन तुलसी पेड़ के नीचे दीपक जलाने से माता लक्ष्मी बहुत प्रसन्न होंगी।

3. रसोई: जहां आपका रोज खाना बनता हो, वहां रसोई में एक दीया अवश्य जलाएं। इससे घर में कभी दरिद्रता नहीं आएगी।

4.भंडार: अक्षय तृतीया के दिन एक दीया अपने भंडार घर में अवश्य जलाएं। इससे घर का भंडार सालों भर भरा रहता है और कभी अन्न की कमी नहीं होती है, माता लक्ष्मी की कृपा से।

5. पूजा स्थल: अक्षय तृतीया के दिन माता लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। जहां आप पूजा करते हैं, वहां एक दीया अवश्य जलाएं। इससे घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहेगी।

रावण की मौत के बाद नाराज शूर्पणखा क्यों सीता से मिलने गई, फिर कैसे बीता उसका बचा जीवन

राम – रावण युद्ध खत्म हो चुका था। रावण मारा जा चुका था। उसके बेटों समेत पराक्रमी भाई भी युद्ध में मारे गए। सेना तहस – नहस हो गई। राम युद्ध जीत चुके थे। सीता अभी अशोक वाटिका में ही थीं। लेकिन उनके पास पति राम की जीत का समाचार पहुंच चुका था। इस बीच की उनका राम से मिलन होता, उससे पहले ही नाराज शूर्पणखा उनसे मिलने पहुंची। और तब क्या हुआ। इसके बाद जब वह वापस लौटी तो उसने अपना बाकी जीवन कैसे गुजारा।

रावण की मृत्यु के बाद शूर्पणखा का सीता से मिलने का प्रसंग मुख्य रूप से क्षेत्रीय रामायणों (जैसे कंब रामायण) और लोककथाओं में मिलता है। ये मुलाकात लंका की अशोक वाटिका में ही हुई। पूरे युद्ध के दौरान शूर्पणखा लंका में ही थी। मना रही थी कि उसके भाई रावण की जीत हो लेकिन जो कुछ हुआ, वो उसके लिए बहुत बड़ा झटका था।

तमतमाती क्रुद्ध शूर्पणखा सीता के पास पहुंची युद्ध के नतीजों से वह घबराई भी हुई थी और रावण के मारे जाने से नाराज भी। क्रुद्ध शूर्पणखा को मालूम था कि उसका सबकुछ खत्म हो चुका है लेकिन तब भी उसकी अकड़ गई नहीं थी। वह तमतमाते हुए जब सीता के पास पहुंची, उन्हें बहुत खरीखोटी सुनाई। अपशब्द कहे।

सीता को रावण की मृत्यु और वंश के विनाश का जिम्मेदार ठहराया

शूर्पणखा ने सीता को रावण की मृत्यु और राक्षस वंश के विनाश के लिए जिम्मेदार ठहराया। कुछ कथाओं के अनुसार, वह सीता से मिलने गई क्योंकि वह सीता को अपने भाई रावण की मृत्यु का कारण मानती थी। उसका मानना था कि सीता के कारण ही राम और रावण के बीच युद्ध हुआ। वह या तो सीता से बदला लेने और उन्हें अपमानित करने के इरादे से गई थी।

वह सीता पर ये भी दोष लगाती है कि उसकी सुंदरता और आचरण ने रावण को मोहित किया और युद्ध को भड़काया। वह सीता को कोसती है। उनके प्रति नफरत जाहिर करती है।

फिर सीता उसकी नाराजगी दूर करती हैं

सीता ने शांतिपूर्वक उसकी सारी बात सुनी। फिर करुणापूर्ण ढंग से जवाब दिया। बजाए नाराजगी के सीता उससे सहानुभूति दिखाती हैं। सीता के जवाब से शूर्पणखा का क्रोध शांत हुआ। वह उसे समझाती हैं कि युद्ध और रावण की मृत्यु तो उसके कर्मों का फल थी। ये तो होना ही था।

सीता का जवाब सुनकर उसका दुख झलकने लगा। वह दुखी थी कि अब क्या करेगी। उसका तो दुनिया में कोई नहीं। उसकी पीड़ा जाहिर थी। जाते जाते उसने मान लिया कि गलती उसकी थी। अगर वह अपनी शिकायत लेकर रावण के पास नहीं आती, उसे नहीं उकसाती तो ना सीता का हरण होता और ना युद्ध और ना युद्ध का ये परिणाम। ना ये विध्वंस।

सीता से माफी मांगती है

कुछ कथाएं कहती हैं कि वह सीता से माफी मांगती है। अपनी गलती स्वीकार करती है। हालांकि, कुछ अन्य संस्करणों में कहा गया है कि वह अपमानित होकर वापस लौट जाती है।

क्या उसने सीता को श्राप दिया

कुछ कथाओं (विशेषकर क्षेत्रीय रामायणों) में ये कहा गया कि शूर्पणखा ने सीता को श्राप दिया कि "जिस तरह मेरे परिवार का नाश हुआ, वैसे ही तुम्हारा भी वियोग होगा"। इसके बाद ही राम ने सीता का परित्याग किया।

वह तपस्वी बन गई

कुछ लोककथाओं के अनुसार, युद्ध के बाद और सीता से मिलने के बाद वह लंका छोड़कर जंगलों या दक्षिण भारत के किसी एकांत स्थान पर चली गई। वहां उसने तपस्वी जीवन अपनाया।बाद में उसकी स्वाभाविक मृत्यु हो जाती है।

कुछ दक्षिण भारतीय लोककथाओं में शूर्पणखा को एक ऐसी राक्षसी के रूप में चित्रित किया गया है, जो अपने परिवार के नाश के बाद भटकती रही। कुछ कथाओं में उसे एक त्रासदीपूर्ण चरित्र के रूप में दिखाया गया, जो अपने कर्मों के बोझ तले दब गई।

तपस्वी के रूप में देह त्याग दी

कुछ दक्षिण भारतीय परंपराओं में ये भी मानते हैं कि शूर्पणखा ने अपने कर्मों का प्रायश्चित करने के लिए तपस्या की। तपस्वी के रूप में देह त्याग दी। वैसे वाल्मीकि रामायण में शूर्पणखा के जीवन के अंत या मृत्यु का कोई उल्लेख नहीं है। कंब रामायण (तमिल) शूर्पणखा के सीता से मिलने और उसके बाद के जीवन के कुछ संकेत मिलते हैं, लेकिन मृत्यु का स्पष्ट वर्णन नहीं है।

चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी की किताब में शूर्पणखा को जटिल चरित्र के रूप में दिखाया है। उसे एक ऐसी महिला के रूप में दिखाया जाता है, जो अपने अपमान (नाक-कान कटने) और परिवार के नुकसान के बाद भी जीवित रहने की कोशिश करती है। कुछ व्याख्याओं में वह अपने अंतिम दिन तपस्या या आत्म-चिंतन में बिताती है।

रावण की बहन थी शूर्पणखा, कैसे हुई राम-लक्ष्मण पर मोहित

शूर्पणखा रावण की बहन थी। वह वन में राम, लक्ष्मण और सीता को देखती है। वह देखते ही राम पर मोहित हो जाती है। उनसे विवाह का प्रस्ताव रखती है। राम और लक्ष्मण दोनों ही इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर देते हैं।

इसके बाद जब शूर्पणखा क्रोधित होकर सीता को मारने की कोशिश करती है, तब लक्ष्मण उसे रोकते हैं। उसकी नाक और कान काट देते हैं। अपमानित होकर वह अपने भाई रावण के पास जाती है और उसे राम से बदला लेने के लिए उकसाती है। इसके बाद ही रावण ने सीता का हरण किया। फिर राम अपनी वानर सेना लेकर लंका पहुंचे। युद्ध हुआ और इसमें रावण हारा और मारा गया।

27 साल बाद अक्षय तृतीया से पहले शनि का नक्षत्र परिवर्तन, वृषभ समेत 4 राशियों का होगा भाग्योदय

न्याय के देवता और कर्म के कारक ग्रह शनिदेव 28 अप्रैल 2025 दिन सोमवार को शाम 6 बजकर 5 मिनट पर उत्तराभद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करने वाले हैं और इस नक्षत्र में शनि 3 अक्टूबर तक रहने वाले हैं। शनिदेव उत्तराभद्रपद नक्षत्र के स्वामी हैं और 27 साल बाद अपने ही नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। साथ ही साल 2025 में शनिदेव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर कर चुके हैं। शनिदेव को सौर मंडल के महत्वपूर्ण ग्रहों में से एक माना जाता है। यह ग्रह बीमारियों, संघर्ष, तकनीक, दुख, मृत्यु, नौकरियों आदि का कारण भी माना जाता है।

शनि हर साल करते हैं नक्षत्र गोचर

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, शनि या शनि देव पूर्वाभद्रपद नक्षत्र को छोड़कर उत्तराभद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करने वाले हैं। साथ ही शनि हर ढाई साल में अपनी राशि भी बदलते हैं और हर एक साल में अपना नक्षत्र बदलते हैं। वर्तमान में शनि मीन राशि और पूर्वाभद्रपद नक्षत्र में स्थित है। वहीं, अक्षय तृतीया 2025 से पहले यानी 28 अप्रैल को शनि अपने नक्षत्र में प्रवेश करने वाले हैं। शनि गोचर 2025 के कारण सभी 12 राशियों पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ेगा। कुछ राशियों को शनि गोचर से अच्छा फायदा होगा तो कुछ राशियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

शनि नक्षत्र गोचर 2025 का वृषभ राशि पर प्रभाव

जैसे ही शनि अपने नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, यह अवधि वृषभ राशि के लिए बहुत अनुकूल साबित होने वाली है। शनि इस राशि के 11वें भाव में रहेंगे। ऐसी स्थिति में, जातक कई सौदों के माध्यम से कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं। नौकरी पेशा जातकों के ऑफिस में अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध रहेंगे और कामकाज से सभी को प्रभावित भी करेंगे। माता पिता इस अवधि में अपने बच्चों से कुछ अच्छी खबर की उम्मीद कर सकते हैं।

शनि नक्षत्र गोचर 2025 का मिथुन राशि पर प्रभाव

शनि का उत्तराभद्रपद नक्षत्र में गोचर करना मिथुन राशि वालों के लिए अत्यंत फलदायी साबित होने वाला है। शनि इस राशि के 10वें भाव में प्रवेश करेंगे और इससे लोगों के जीवन में खुशियां दस्तक दे सकती हैं। नौकरी पेशा जातक ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और ऐसी स्थिति में, वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना भी मिल सकती है। जीवन में खुशी और शांति होगी और उनके प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलेगा। आपको पूरा समर्थन और भाग्य मिलेगा और आप कई कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं।

शनि नक्षत्र गोचर 2025 का कन्या राशि पर प्रभाव

शनि का नक्षत्र परिवर्तन कन्या राशि के लिए बहुत ही शुभ रहने वाला है। इस दौरान, आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी और करियर में आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आप अपने काम और कार्यों से सभी को प्रेरित करेंगे औरआसपास के लोग आपकी प्रशंसा करेंगे।परिजनों का आपको पूरा साथ मिलेगा और एक साथ किसी तीर्थयात्रा पर जाने के योग भी बन रहे हैं। शनि गोचर 2025 से कन्या राशि वालों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आप कई कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे। शनि गोचर का लाभ आपको जीवन के हर क्षेत्र में देखने को मिलेगा और समाज में आपको एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में जाने जाएंगे। अगर आप खुद का घर या फ्लैट लेने का प्रयार कर रहे हैं तो शनिदेव की कृपा से आप अपनी इच्छा को पूरा कर पाने की स्थिति में होंगे।

शनि नक्षत्र गोचर 2025 का कुंभ राशि पर प्रभाव

शनि का उत्तराभद्रपद नक्षत्र में गोचर कुंभ राशि वालों के लिए अत्यंत शुभ साबित होगा और लोगों के जीवन में खुशियां दस्तक देंगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। इसके साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में बड़े बदलाव होंगे और वे सरल योजनाओं के साथ करियर में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। बिजनस करने वालों को अच्छा फायदा मिलने की उम्मीद बन रही है और बिजनस का विस्तार भी कर पाएंगे। आपके आस-पास के लोग आपके काम और कार्यों से प्रेरित होंगे। इसके अलावा नौकरी या व्यवसाय के माध्यम से लाभ प्राप्त करने के अवसर हैं। जातकों की वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी और वाहन और संपत्ति खरीदने का उनका सपना सफलतापूर्वक पूरा हो सकता है।

26वें स्थान पर हैं उत्तराभद्रपद नक्षत्र

उत्तराभद्रपद नक्षत्र शनि द्वारा शासित है और नक्षत्रों के समूह में 26वें स्थान पर है। इसे पीछे के पैरों द्वारा प्रतीकित किया गया है और यह जल राशि से संबंधित है। इस नक्षत्र का महत्व मानसिक शांति और आध्यात्मिक विकास के लिए है। यह गोचर मनोवैज्ञानिकों, चिकित्सकों, साधुओं, शोधकर्ताओं और चैरिटी कार्यकर्ताओं के लिए सबसे उपयुक्त है। शनि का नक्षत्र परिवर्तन 2025 एक दुर्लभ संयोग है जो 27 वर्षों के बाद बन रहा है। इस दौरान, आपको अपने महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने का अवसर मिलेगा।

शनि का नक्षत्र परिवर्तन 2025: शुभ फल

– विभिन्न क्षेत्रों में सफलता मिलेगी।
– करियर में सफलता और लोगों को प्रेरित करने की क्षमता होगी।
– कार्यक्षेत्र में पदोन्नति होगी और प्रमोशन होगा।
– आर्थिक लाभ और वाहन और संपत्ति की खरीद होगी।
– परिवार के साथ अच्छा समय और जीवन में सुख और शांति रेहगी।
– नेतृत्व गुणों में वृद्धि होगी और नौकरी व व्यवसाय में लाभ होगा।
– लंबित कार्यों का पूरा होना।
– सुख और शांति का आगमन होगा।

शनि का नक्षत्र परिवर्तन 2025: उपाय

– शनि बीज मंत्र का जाप करें
– कुत्तों और कौओं को भोजन खिलाएं

संत की सीख :पांच बातें ध्यान रखेंगे तो निराशा रहेगी दूर और जीवन में मिलेगी सफलता

हम कभी-कभी ऐसे मोड़ पर आ जाते हैं जब जीवन के संघर्ष, असफलताएं और निराशाएं हमें तोड़ने लगती हैं। हम सोचते हैं कि अब आगे कुछ नहीं बचा। ऐसे समय में, जीवन प्रबंधन की कला ही हमें फिर से खड़ा करती है। एक पुरानी लोककथा इस संदर्भ में हमें एक अत्यंत प्रभावशाली संदेश देती है।

जंगल में भटके युवक को संत ने दी सीख

एक युवक जीवन की कठिनाइयों से हार चुका था। उसे धन कमाने का कोई रास्ता नहीं मिल रहा था, और निराशा इतनी गहराई तक पहुंच चुकी थी कि उसने आत्महत्या करने का निर्णय ले लिया। वह जंगल की ओर चल पड़ा, जहां उसे एक संत मिले।

संत ने युवक से उसकी व्यथा सुनी और मुस्कराकर कहा, तुम्हें कोई न कोई काम ज़रूर मिलेगा, पर उससे पहले मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं।

एक बच्चे ने अपने बगीचे में एक बांस और एक कैक्टस का पौधा लगाया। दोनों की बराबर देखभाल की गई। कुछ महीनों के बाद कैक्टस तो बड़ा हो गया, पर बांस वहीं का वहीं था। फिर भी बच्चा हिम्मत नहीं हारा। कई और महीने बीत गए, लेकिन बांस की स्थिति जस की तस रही, लेकिन देखभाल जारी रही। फिर एक दिन, अचानक बांस का पौधा तेजी से बढ़ने लगा। कुछ ही दिनों में वह कैक्टस से भी ऊंचा हो गया। क्यों? क्योंकि बांस का पौधा पहले अपनी जड़ें मजबूत करने में लगा था।

संत ने युवक से कहा, जब जीवन कठिन लगे तो समझो कि वह समय तुम्हारी जड़ें मजबूत करने का है।

हमारी समस्याएं, असफलताएं, बेरोजगारी या रिश्तों की उलझनें, ये सभी हमारे आंतरिक विकास का हिस्सा हैं। अगर हम इस दौर में धैर्य रख लें, खुद पर भरोसा बनाए रखें और मेहनत जारी रखें, तो एक दिन हमारी तरक्की भी बांस की तरह ऊंचाइयों को छूएगी।

ध्यान रखें सफलता के पांच मूलमंत्र

धैर्य रखो : हर सफलता का बीज समय और धैर्य से ही फलता है।

निरंतरता बनाए रखो : कोशिशें रुकें नहीं, चाहे परिणाम तुरंत न मिलें।

आत्ममूल्यांकन करो : जब चीजें न चलें, तो खुद में सुधार का समय समझो।

सकारात्मक सोच अपनाओ : नकारात्मक विचारों से बचकर समाधान की ओर बढ़ो।

सीखने का दृष्टिकोण रखो : हर चुनौती कुछ नया सिखाने आती है।

यह लोककथा हमें सिखाती है कि हमें अपनी तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए। हर किसी की यात्रा अलग होती है। कोई जल्दी फलता है, तो कोई अपनी जड़ों को मजबूत करता है — और जब वह उगेगा, तो पूरी दुनिया देखेगी। जीवन में अगर संघर्ष है तो समझो विकास का बीज बोया जा चुका है। धैर्य रखो, भरोसा करो और आगे बढ़ते रहो – तुम्हारा समय जरूर आएगा।

'एक समय ऐसा आएगा जब धरती पर भूख, प्यास और दुख का राज होगा', प्रेमानंद जी महाराज ने दिए ये किस घटना के संकेत?

आज के समय में जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तब कुछ संतों की बातें लोगों को अंदर तक झकझोर देती हैं। प्रेमानंद जी महाराज भी ऐसे ही एक संत हैं, जो अपने प्रवचनों में आने वाले समय के बारे में गहरी बातें करते हैं। हाल ही में उनके एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर काफी ध्यान खींचा, जिसमें उन्होंने कलियुग और महाप्रलय की तस्वीर सामने रखी। ये बात हर किसी को अपने जीवन में समझनी चाहिए।

प्रेमानंद जी महाराज वृंदावन में रहते हैं और देश विदेश से लोग उनके प्रवचन सुनने आते हैं। उन्होंने अपने हालिया वीडियो में बताया कि कलियुग में इंसानों का स्वभाव, रिश्ते और समाज किस तरह बदल जाएगा। उनके मुताबिक, कलियुग की कुल अवधि 4 लाख 32 हजार साल की है, जिसमें धीरे धीरे पाप बढ़ेगा और अच्छाई कम होती जाएगी

उन्होंने बताया कि कलियुग का असर लोगों के सोचने और जीने के तरीके पर साफ दिखाई देगा। लोग सच्चाई से दूर होंगे, झूठ और धोखा आम बात बन जाएगी। लोग धर्म को छोड़कर लालच और स्वार्थ की ओर बढ़ेंगे।

पहले जहां साधु संतों का सम्मान होता था, वहीं कलियुग में पाखंडी लोग धर्म का रूप लेकर लोगों को भ्रमित करेंगे। प्रेमानंद जी कहते हैं कि कलियुग के अंत में एक समय ऐसा आएगा जब धरती पर भूख, प्यास और दुख का राज होगा। सूखा पड़ेगा, अन्न की कमी होगी, और लोग खाने के लिए एक दूसरे से लड़ने लगेंगे। रिश्तों में भरोसा नहीं बचेगा। स्त्री और पुरुष दोनों अपने आचरण से मर्यादा को पीछे छोड़ देंगे। बच्चे अपने माता पिता की बात नहीं मानेंगे और समाज में अशांति फैल जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग के अंत में जब पाप अपने चरम पर होगा, तब भगवान कल्कि के रूप में धरती पर आएंगे और अधर्म का अंत करेंगे। तभी महाप्रलय होगा, यानी सब कुछ नष्ट हो जाएगा और एक नई शुरुआत होगी।

प्रेमानंद जी महाराज ने लोगों से कहा कि अभी समय है, भगवान का नाम लेना शुरू कर दीजिए। भजन और सच्चे रास्ते पर चलना ही कलियुग के बुरे असर से बचने का सबसे आसान तरीका है। उन्होंने यह भी कहा कि जो इंसान एक बार भी दिल से भगवान का नाम लेता है, उसे इस युग की बुराइयों से राहत मिल सकती है।

जीवन में अच्छे परिणाम पाने का रहस्य- जैसा व्यवहार वैसे दृश्य, हमारी सोच से बनता है हमारा संसार

ये सृष्टि संकल्प से बनी है और जैसा हमारा संकल्प होता है, वैसी ही सिद्धि हमें मिलती है। जैसा हमारा व्यवहार होगा, वैसे ही दृश्य दिखाई देंगे, वैसी ही घटनाएं हमें दिखेंगी। हमको ये जगत वैसा ही दिखता है, जैसा हम सोच रहे होते हैं। जब हम अपना व्यवहार बदलेंगे, अपनी सोच बदलेंगे, तब ये संसार भी हमें बदला हुआ दिखाई देगा। आप सम्मान चाहते हैं तो दूसरों को सम्मान दें।

जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

'मैं गुस्से में मर्यादा भूल गया', आपत्तिजनक जातिगत टिप्पणी के बाद अनुराग कश्यप का माफीनामा

फिल्म निर्माता-निर्देशन अनुराग कश्यप ने बीते दिनों एक जाति समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उनकी इस टिप्पणी पर जमकर विवाद हो रहा है और अनुराग कश्यप की आलोचना हो रही है। अनुराग कश्यप को भी अब अपनी गलती का एहसास हो गया है, जिसके बाद उन्होंने माफी मांगी है। अनुराग कश्यप ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर लिखा है, 'मैं गुस्से में मर्यादा भूल गया'।

अनुराग कश्यप ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज मंगलवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया। और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज, जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और बहुत योगदान करते हैं। आज वो सब मुझसे आहत हैं। मेरा परिवार मुझसे आहत है। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं मेरे उस गुस्से में, मेरे बोलने के तरीके से आहत हैं। मैंने खुद ही ऐसी बात करके, अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया'।

'मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं'

अनुराग कश्यप ने आगे लिखा है, 'मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं, इस समाज से जिनको मैं ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिन आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए लिख दिया। मैं माफी मांगता हूं अपने उन तमाम सहयोगी दोस्तों से, अपने परिवार से और उस समाज से, अपने बोलने के तरीके के लिए, अभद्र भाषा के लिए। अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा। मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफ कर देंगे'।

यूजर बोले- 'आत्मनिरीक्षण'

अनुराग कश्यप के इस पोस्ट पर यूजर्स की प्रतिक्रिया आ रही हैं। नेटिजन्स उनके माफी मांगने के फैसले की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आत्मनिरीक्षण'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ऐसे माफी मांगना आपका बड़प्पन है'। एक यूजर ने लिखा, 'गलती मान लेना और उसे सबके मान लेना बड़ी बात है'। हालांकि, कुछ यूजर अनुराग को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अपने निजी फ्रस्टेशन को सोशल मीडिया पर निकालने से बचें। एक तराजू में सबको ना तौलें'।

एक्ट्रेस अदिति शर्मा की 4 महीने में ही टूटी शादी, गम भुलाने के लिए गर्ल गैंग के साथ गईं दुबई

टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा की लाइफ में बवाल मचा हुआ है. इस गम को भुलाने के लिए वो अपनी गर्ल गैंग के साथ घूमने के लिए दुबई चली गई हैं. जहां से उनकी फोटोज खूब वायरल हो रही हैं. अदिति शर्मा ने अभिनीत कौशिक से शादी की थी. उन्होंने अपनी शादी सीक्रेट रखी थी. उनकी शादी के बारे में फैंस को तब पता चला जब दोनों के तलाक होने की खबरें सामने आईं.

अदिति शर्मा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से हर जगह छाई हुई हैं. 4 महीने में ही उनकी शादी टूट गई है. अदिति की शादी अभिनीत कौशिक से हुई थी. ये शादी 4 महीने भी न चल पाई और दोनों ने अलग होने का फैसला लिया. अभिनीत ने अदिति पर धोखा देने का आरोप लगाया है. अभिनीत का कहना है कि उन्होंने अदिति को-स्टार सामर्थ्य के साथ रंगे हाथ पकड़ा था. हालांकि अदिति ने इस आरोप को गलत ठहराया है. सामर्थ्य ने अदिति को डेट करने से इनकार किया था.

शादी टूटने के बाद अब गम भुलाने के लिए दोस्तों के साथ घूमने गई हैं. अदिति शर्मा नायरा बनर्जी और निक्की शर्मा के साथ घूमने के लिए दुबई गई हैं. वो अपनी दुबई ट्रिप की खूब वीडियो और फोटोज शेयर कर रही हैं. तीनों यॉट पर हैं और खूब मस्ती करती नजर आ रही हैं. अदिति अपने दोस्तों के साथ खूब रील्स बना रही हैं और उसे शेयर कर रही हैं. अदिति को खुश देखकर उनके फैंस बहुत खुश हो रहे हैं. उन्हें अदिति का ये अवतार पसंद किया जा रहा है. उनकी फोटोज पर खूब कमेंट कर रहे हैं.

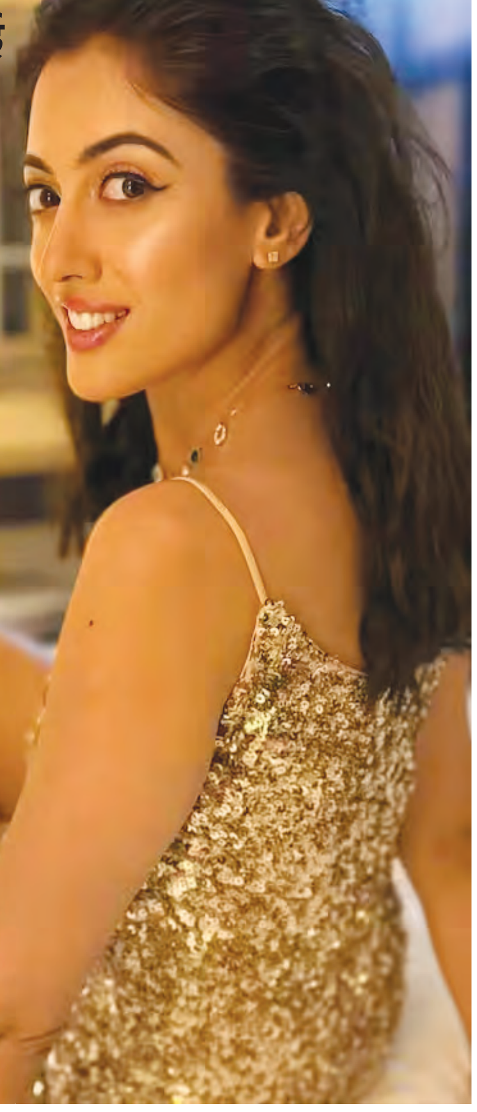

लाल साड़ी में दिखीं निया, शादी के सवाल पर कहा आप लोग ही तलाश दो दूल्हा

इन दिनों टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा शो 'लाफ्टर शेफ' में नजर आ रही हैं। हाल ही में शो का एक स्पेशल एपिसोड में शूट हुआ, जिसमें निया लाल साड़ी पहने नजर आईं। शो से पहले निया की मुलाकात पैपराजी से भी हुईं। निया को लाल साड़ी में देख पैपराजी ने पूछ लिया, 'शादी कब कर रही हैं?' इस पर निया ने क्या कहा? जानिए।

शादी को लेकर क्या बोलीं निया

निया शर्मा से शादी को लेकर सवाल किया तो वह पहले मुस्कुराईं, इसके बाद बोलीं, 'आप लोग ही तलाश दो दुल्हा?।' इस पर पैपराजी ने कहा कि वो तो यहीं पर है? दरअसल, पैपराजी में से कुछ लोग अपनी बात कर रहे थे। इस पर निया शर्मा ने हंसकर बात को टाल दिया।'

निया का बेबाक अंदाज है मशहूर

शो 'लाफ्टर शेफ' में निया शर्मा अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इस शो में प्रतियोगियों को कोई स्पेशल डिश, रेसिपी बनाती होती हैं, साथ ही शो में खूब कॉमेडी भी होती है। निया को कुकिंग तो नहीं आती लेकिन वह अपनी बेबाकी से दर्शकों का दिल जरूर जीत रही हैं। इस शो को भारती सिंह होस्ट करती हैं।

पॉपुलर सीरियल का रहीं हिस्सा

निया शर्मा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह 'नागिन' सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। 'एक हजारों में मेरी बहना है' जैसा पॉपुलर टीवी शो कर चुकी हैं। कई रियालिटी शो का भी निया शर्मा हिस्सा रही हैं। वह 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो में भी नजर आ चुकी हैं।

संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त को पसंद नहीं आई थी रणबीर कपूर की 'संजू'

संजय दत्त की बायोपिक संजू में रणबीर कपूर लीड रोल में नजर आए थे. ये फिल्म खूब पसंद की गई है. क्रिटिकली और कमर्शियली संजू हिट साबित हुई थी. संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त ने संजू को लेकर निराशा जाहिर की है. उन्होंने बताया है कि उनके भाई की जितनी दिक्कतें थी वो फिल्म में अच्छे से नहीं दिखाई गई थी. साथ ही उन्होंने कहा कि संजय के अपने पेरेंट्स के साथ बॉन्ड कम दिखाया गया है.

प्रिया दत्त ने भाई की फिल्म संजू के बारे में बात की. उन्हें लगा कि फिल्म वास्तव में एक बायोपिक का सार नहीं पकड़ पाई है, खासकर इसलिए क्योंकि यह एक अकेले दोस्त पर फोकस किया गया था. उन्होंने यह कहा कि फिल्म में परिवार के रोल और उनके माता-पिता के प्रभाव को अधिक गहराई से क्यों नहीं दिखाया गया.

प्रिया ने कही ये बात

प्रिया ने कहा- 'मुझे लगता है कि फिल्म ने मेरे माता और पिता के साथ न्याय नहीं किया गया. बहुत कुछ था जिसके बारे में बताया ही नहीं गया था. यहां तक कि पापा-बेटे के रिश्ते को भी और गहराई से दिखाया जा सकता था. मेरा मानना है कि और भी बहुत कुछ दिखाया जा सकता था.'

प्रिया दत्त ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर राजकुमार हिरानी से बात करने के बारे में सोचा था, लेकिन आखिरकार उन्होंने ऐसा नहीं किया. उन्होंने बताया कि संजू में सिर्फ उनके भाई की कहानी पर फोकस किया गया है और उनके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को छोड़ दिया गया है.

उन्होंने बताया कि जब वो संजय को फोन करने के लिए सोच रही थीं, तो उन्हें लगा कि फिल्म निर्माताओं के दिमाग में एक अलग ही विजन है. उनके मुताबिक, फिल्म का मुख्य फोकस संजय पर था, जिसे वह समझती हैं, लेकिन यह कुछ हद तक इसे बढ़ा चढ़ाकर दिखाया गया था.

बता दें संजू 2018 में आई थी. फिल्म में रणबीर कपूर संजय दत्त के किरदार में नजर आए थे. रणबीर के साथ विक्की कौशल, दीया मिर्जा, परेश रावल अहम किरदार निभाते नजर आए थे.

करण जौहर की नागों वाली पिक्चर में कार्तिक बनेंगे इच्छाधारी नाग

आपने इच्छाधारी नाग-नागिनों वाली कहानियां तो कई सुनी होंगी। कई फिल्में और टीवी सीरियल भी इसी कॉन्सेप्ट पर देखने को मिले हैं। फिर वो चाहें श्रीदेवी की फिल्में 'निगाहें' और 'नगीना' हों या फिर टीवी पर आया एकता कपूर का सुपरहिट शो 'नागिन'। अब एक बार फिर इसी कॉन्सेप्ट पर बनी एक फिल्म आ रही है। जिसका निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। फिल्म का नाम है 'नागजिला'। इस फिल्म से बॉलीवुड को एक नया इच्छाधारी नाग भी मिलने जा रहा है। करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

कार्तिक बनेंगे इच्छाधारी नाग

निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब धर्मा प्रोडक्शन की अबतक की फिल्मों से अलग हटकर एक नई तरह की फिल्म लेकर आ रहे हैं। इच्छाधारी नाग की कहानी पर आधारित उनकी नई फिल्म है 'नागजिला'। करण ने आज इस फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की घोषणा कर दी है और इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग की भूमिका में दिखाई देंगे। करण ने जो पोस्टर जारी किया है उसमें नीली जींस पहने शर्टलेस कार्तिक आर्यन दूसरी तरफ मुंह करके खड़े हैं। वो सांपों से भरे घर से शहर को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उनके आस-पास सिर्फ सांप ही सांप हैं और उनके ऊपर भी सांप लिपट रहे हैं।

कार्तिक आर्यन की आवाज में वॉइस ओवर है। जिसमें कार्तिक कहते हैं, "इच्छाधारी नाग। रूप बदलने की शक्ति रखने वाले सांप, जैसे कि मैं प्रियमवदेश्वर प्यारे चंद, उम्र 631 साल। इंसानों वाली पिक्चरें तो बहुत देख लीं, अब देखो नागों वाली पिक्चर।" इसके साथ ही कार्तिक का नाम लिखकर आता है और फिल्म का नाम 'नागजिलाः नागलोक का पहला कांड'।

इस मोशन पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए करण जौहर ने कैप्शन में भी मोशन पोस्टर में बोली गई बात को दोहराया है।

साथ ही करण ने फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। कार्तिक आर्यन की 'नागजिला' 2026 में नागपंचमी के मौके पर 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा ने किया है।

बिग बी ने बताया सभी बीमारियों का रामबाण इलाज

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन 82 साल की उम्र में भी लगातार काम कर रहे हैं। वो फिल्मों में भी पूरी तरह से सक्रिय हैं और उसके अलावा विज्ञापनों और टीवी शो में भी लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। बिग बी सोशल मीडिया और ब्लॉग्स पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और अपने काम करने से लेकर अपनी दिनचर्या तक के बारे में अपने फैंस को बताते रहते हैं। हाल ही में बिग बी ने एक रामबाण इलाज के बारे में बताया है। उनके मुताबिक, जो सभी बीमारियों का इलाज है।

बिग बी ने अपने ब्लॉग में बताया सभी बीमारियों का इलाज

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर काफी एक्टिव रहते हैं। वो समय-समय पर अलग-अलग विषयों पर अपने ब्लॉग में लिखते रहते हैं। अब हाल ही में बिग बी ने अपने ब्लॉग पर सभी बीमारियों के इलाज के लिए एक रामबाण उपाय बताया है। बिग बी ने ब्लॉग पर लिखा, "काम ही सभी बीमारियों का इलाज है। मैंने काम किया।" बिग बी का मानना है कि काम करते रहना चाहिए क्योंकि ये सभी बीमारियों से आपको दूर रखता है।

काम को लेकर काफी गंभीर हैं बिग बी, 82 साल में भी हैं एक्टिव

ये जगजाहिर है कि अमिताभ बच्चन अपने काम को लेकर कितना गंभीर और उत्साहित रहते हैं। बिग बी के लिए काम कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 82 साल की उम्र में और पांच दशक से लंबे करियर में वो अभी भी काम से पीछे नहीं हटते हैं। वो काम को लेकर अभी भी किसी नए कलाकार के जितना ही एक्टिव और उत्साहित रहते हैं। उनके साथ काम करने वाले कई कलाकार इस बात का जिक्र कर चुके हैं कि अमिताभ बच्चन अभी भी काम को लेकर वैसे ही रिएक्ट करते हैं, जैसे वो कोई नए कलाकार हों और सीख रहे हों। वो अभी भी न तो रिहर्सल करने से पीछे हटते हैं और न ही स्क्रिप्ट को रटने से। वो खुद को हमेशा निर्देशक का एक्टर बताते हैं।

'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे बिग बी

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने अश्वत्थामा का किरदार निभाया था। इसके अलावा वो अपने टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन को लेकर भी चर्चाओं में बने हुए हैं।

ऑस्कर विजेता एमएम कीरावनी पर गायिका ने लगाया भेदभाव का आरोप, रियलिटी शो का किया पर्दाफाश

साउथ संगीत जगत से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। 'पदुथा थियागा' जैसे रियलिटी शो के लिए मशहूर एक गायिका ने संगीत उद्योग के दिग्गजों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। गायिका का नाम प्रवासी आराध्या है और उन्होंने संगीत उद्योग की प्रमुख हस्तियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरावनी, गीतकार चंद्रबोस और गायिका सुनीता शामिल हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में उन्होंने शो के तीन जजों पर अपमानजनक टिप्पणी करने और पक्षपातपूर्ण तरीके से उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया।

कीरावनी पर भेदभाव का आरोप

गायिका का दावा है कि एम.एम. कीरावनी ने उन्हें तभी अच्छे अंक दिए, जब उन्होंने उनके गाने गाए। प्रवासी ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने उन्हें बताया कि वह शादियों में गाने गाती है तो कीरावनी ने जवाब दिया कि वह न केवल ऐसे गायकों को नापसंद करते हैं, बल्कि उनसे नफरत भी करते हैं।

जजों पर लगाएं ये गंभीर आरोप

चंद्रबोस के बारे में प्रवासी ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने गानों से भी प्रतियोगियों की परीक्षा ली। उनके गीत गाने वालों को वरीयता दी गई और अन्य को बाहर रखा गया। उन्होंने कीरावनी और चंद्रबोस पर पक्षपात का आरोप लगाया, जबकि प्रवासी ने गायिका सुनीता पर अपमानजनक टिप्पणी करके मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया। प्रवासी ने एक और सनसनीखेज दावा किया कि शो की प्रोडक्शन टीम अक्सर उन पर ऐसे कपड़े पहनने का दबाव डालती थी, जिससे उनका पेट दिखाई देता था। जिससे वह हमेशा असहज महसूस करती थी।

कौन हैं एमएम कीरवानी

एमएम कीरवानी एक प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार, गायक और गीतकार हैं, जिन्होंने तेलुगु, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की फिल्मों में योगदान दिया है । 1961 में जन्मे कीरावनी ने 1990 के दशक में अपना करियर शुरू किया और तब से उन्होंने सैकड़ों फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया है, जिनमें 'बाहुबली' फिल्म सीरीज और 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। उन्होंने 'आरआरआर' के गाने 'नाटू नाटू' के लिए गोल्डन ग्लोब और 2023 में ऑस्कर जैसे पुरस्कार जीते।

केएल राहुल ने अथिया की तारीफों के बांधे पुल

क्रिकेटर केएल राहुल और अभिनेत्री अथिया शेट्टी अकसर अपने रिश्ते को छिपाकर रखते हैं लेकिन जब वह अपने रिश्ते के बारे में बात करते हैं तो वह लोगों का दिल जीत लेते हैं। इन दोनों का प्यार एक दूसरे के लिए ताकत है, दिमागी सुकून है और दूर तक जाने वाला है। वह जब से दोस्त थे तब से लेकर मां-बाप बनने तक अपने रिश्ते को लेकर काफी खुश हैं। केएल राहुल ने इस बारे में बात की है।

केएल राहुल ने की अथिया की तारीफ

निखिल कामथ के साथ बातचीत में केएल राहुल ने अथिया शेट्टी की खूब तारीफ की। केएल राहुल ने बताया कि अथिया ने उनकी जिंदगी और उनके दिमाग को किस तरह से प्रभावित किया। उन्होंने कहा 'आपके पार्टनर की कोई जगह नहीं ले सकता है। ये जानकर अच्छा लगता है कि जब आप घर वापस जा रहें हों तो कोई ऐसा व्यक्ति है जो आपको प्यार करता है। आपकी परवाह करता है, चाहे अपका प्रदर्शन कैसा भी हो या बाहर के लोग क्या कह रहे हों। वह मेरी सबसे अच्छी जगह है, वह मेरी बहुत कुछ है। वह मेरे जहन पर छाई रहती है। मेरे ख्याल से रिश्ता आपको केंद्रित रहने में मदद करता है।'

अथिया के आने के बाद बेहतर हुआ प्रदर्शन

केलएल राहुल ने माना कि जब से वह अथिया के साथ हैं, तब से उनके अंदर कई बदलाव हुए हैं।

उन्होंने कहा 'अथिया को डेट करने से पहले मैंने खेल खेला। मैं लंबे वक्त तक सिंगल रहा। इस वक्त की तुलना में पहले मेरा दिमाग बहुत डगमगाया।'

केएल राहुल ने बताया कि उनकी जिंदगी में अथिया के आने के बाद उनकी जिंदगी में ठहराव आया। इसके बाद उनका प्रदर्शन काफी अच्छा हुआ।

भाई अहान पांडे के बॉलीवुड डेब्यू पर अनन्या ने जताई खुशी

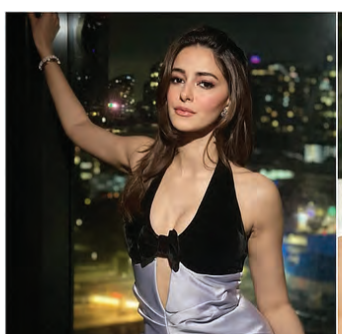

यशराज फिल्म्स ने आज एक नई फिल्म की घोषणा कर दी है। फिल्म का नाम 'सैयारा' है। इस फिल्म में अहान पांडे मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। अहान पांडे बॉलीवुड में एंट्री करने वाला नया चेहरा है। साथ ही वो एक फिल्मी घराने से भी ताल्लुक रखते हैं। अहान पांडे अनन्या पांडे के चचेरे भाई हैं। अब अपने भाई की बॉलीवुड में एंट्री से बहन अनन्या पांडे काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने भाई के लिए चीयर किया है और बॉलीवुड में उनका स्वागत किया है।

अनन्या पांडे ने साझा की स्टोरी

अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने चचेरे भाई की डेब्यू फिल्म के बारे में यशराज फिल्म्स द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा वाली पोस्ट को साझा किया। उसी के बारे में खुशी जताते हुए अनन्या ने लिखा, "फिल्मों में तुम्हारा स्वागत है मेरे भाई।" इसके साथ ही अनन्या ने अपनी स्टोरी में एक लाल दिल, हाथ जोड़कर और नजर ताबीज जैसे इमोजी का इस्तेमाल किया है। अपनी स्टोरी में अनन्या ने अपने भाई अहान पांडे को टैग भी किया है। अनन्या के अलावा अहान की बहन और मां ने भी उनके फिल्मी डेब्यू पर खुशी जताई है।

मोहित सूरी करेंगे फिल्म का निर्देशन

यशराज फिल्म्स ने आज ही अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर अहान पांडे की डेब्यू फिल्म की घोषणा की है। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'सैयारा' में अहान पांडे के साथ अनीत पड्डा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह रोमांटिक फिल्म आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रस्तुत और अक्षय विधानी द्वारा निर्मित है। 'सैयारा' 18 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए मोहित सूरी पहली बार यशराज फिल्म्स के साथ काम कर रहे हैं।

'केसरी चैप्टर 2' में नजर आईं अनन्या

अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो, अभिनेत्री वर्तमान में अपनी पीरियड ड्रामा, केसरी चैप्टर 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं। करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार और आर. माधवन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म की काफी तारीफ की जा रही है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए साइकिलिंग या योग ज्यादा फायदेमंद रहेगा

हृदय स्वास्थ्य के लिए साइकिलिंग और योग दोनों ही फायदेमंद हैं। साइकिलिंग एक तरह का व्यायाम है, जो हृदय की पंपिंग को बढ़ाता है। वहीं योग स्ट्रेस को कम करता है जो कि हृदय रोगों का प्रमुख कारण है। हृदय स्वास्थ्य के लिए आप साइकिलिंग करना चाहते हैं या योगाभ्यास, ये आपके लक्ष्य, शारीरिक स्थिति और पसंदीदा गतिविधि पर निर्भर करता है। साइकिलिंग और योग में से कौन ज्यादा फायदेमंद है, ये जानकर दोनों तरह के व्यायाम में से एक का चयन करें। साइकिलिंग और योग कौन है, ज्यादा प्रभावी।

साइकिलिंग का हृदय स्वास्थ्य पर प्रभाव

साइकिलिंग एक एरोबिक व्यायाम है जो हृदय की पंपिंग क्षमता को बढ़ाता है। साइकिलिंग हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है और रक्त प्रवाह को सुचारु करती है। इससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है और खराब कोलेस्ट्रॉल₹ कम होता है। ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। साइकिलिंग से वजन कम किया जा सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। नियमित साइकिलिंग करने से स्ट्रोक और कोरोनरी हृदय रोग का जोखिम कम होता है।

जो लोग कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस को बढ़ावा देना चाहते हैं वो साइकिलिंग कर सकते हैं। इसके अलावा वजन कम करने का लक्ष्य रखने वाले साइकिलिंग कर सकते हैं। साथ ही ऊर्जावान और सक्रिय व्यायाम पसंद हो तो भी साइकिलिंग करें।

योग का हृदय स्वास्थ्य पर प्रभाव

शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने की होलिस्टिक एक्सरसाइज योग है। योगासन का अभ्यास स्ट्रेस को कम करता है, जो हृदय रोगों का प्रमुख कारण है। ये ब्लड प्रेशर और हृदय गति को स्थिर करता है, जिससे हृदय पर दबाव कम होता है। योग से शरीर में लचीलापन और श्वसन क्षमता में सुधार होता है। योग से जुड़ी प्राणायाम ऑक्सीजन आपूर्ति को बढ़ाकर हृदय की सेहत में सुधार करती हैं। योग सूजन को कम करता है, जो हृदय रोगों का बड़ा कारण है। अगर आप तनाव और चिंता को नियंत्रित करना चाहते हैं तो योग का अभ्यास करें। उच्च रक्तचाप से पीड़ितों के लिए योग फायदेमंद होता है। ये मानसिक शांति के साथ शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है।

साइकिलिंग और योग का संयोजन

हृदय स्वास्थ्य की मजबूती के लिए साइकिलिंग और योग का संयोजन सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। साइकिलिंग आपकी हृदय सहनशक्ति को बढ़ा सकती है और योग तनाव को कम करके श्वसन प्रणाली को मजबूत करता है।

बार- बार ब्रश और माउथवॉश करने के बाद भी आती है मुंह से बदबू? इस विटामिन की कमी से जूझ रहे हैं आप

हेल्थ के साथ-साथ ओरल हाइजीन भी बहुत जरूरी है। मुंह और दांतों को स्वस्थ रखने के लिए हम रोजाना बर्श और माउथ वॉश करते हैं। यही नहीं, कई लोग डेंटिस्ट के पास जाकर हर छह महीने में चेकअप भी करवाते हैं। हालांकि, इतनी जद्दोजहद के बाद भी ऐसा होता है कि कई लोग मुंह की बदबू से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में उन्हें इसके पीछे का कारण नहीं पता चल पाता है। तो आज की इस खबर में हम आपको इसके पीछे की बड़ी वजह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुंह से क्यों आती है बदबू?

विटामिन डी हमारे शरीर की हड्डियों और इम्यून सिस्टम के लिए काफी जरूरी है, लेकिन क्या आप इस बात से भी अवगत हैं कि यह हमारी ओरल हाइजीन मेंटेन करने के लिए भी काफी जरूरी है। बता दें कि विटामिन डी की कमी से मसूड़ों की सूजन, बैक्टीरिया का बढ़ना और मसूड़ों के संक्रमण जैसी परेशानियां हो सकती हैं, जिसकी वजह से मुंह से बदबू आने लगती है।

विटामिन डी की कमी को कैसे करें पता?

अगर आप भी रोजाना ब्रश और ओरल हाइजीन मेंटेन करते हैं, इसके बाद भी आपके मुंह से बदबू आती है। तो यह विटामिन डी की कमी के मुख्य लक्षण हैं। विटामिन डी की कमी से आपको थकान, हड्डियों में दर्द और बीमार पड़ने की समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आपको तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श करने की जरूरत है।

ऐसे करें समस्या का समाधान

अच्छे से लें धूप- विटामिन डी का सबसे अच्छा सोर्स धूप होता है। व्यक्ति को कम से कम रोजाना 15 से 20 मिनट धूप लेना चाहिए।

सप्लीमेंट लें- अगर आपको धूप में जाने से दिक्कत हैं तो आप अपने डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं।

खानपान में करें बदलाव- आपको अपनी डाइट में मशरूम अंडे, मछली और दूध शामिल करना चाहिए।

खूब पानी पीएं- पानी पीने से ओरल हाइजीन काफी मेंटेन रहती है।

ओरल हाइजीन क्यों है जरूरी?

ओरल हाइजीन इसलिए भी जरूरी है कि मुंह की बदबू से परेशान होकर आप खुद असहज महसूस करते हैं। यही नहीं, यह शरीर में हो रही गड़बड़ियों का भी संकेत देता है। ऐसे में विटामिन डी की कमी पूरी कर के आप इससे

सफेद बालों को काला करने के घरेलू तरीके, बिना केमिकल के मिलेगा फायदा

आजकल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और खराब खान-पान की वजह से ज्यादातर लोग स्वास्थय संबंधी दिक्कतों से परेशान हैं। इसका असर न सिर्फ सेहत बल्कि त्वचा और बालों पर भी पड़ता है। खासतौर पर बात की जाए बालों की तो आज के समय में बालों का झड़ना, बालों का रूखा होना और कम उम्र में बालों का सफेद होना बेहद आम बात है।

यदि आपके बाल भी कम उम्र में सफेद हो रहे हैं, और आप किसी प्रकार के केमिकल वाले कलर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो यहां हम आपको कुछ

ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अपने बालों को जड़ से काला कर सकते हैं। इन नुस्खों में किसी तरह के केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। ऐसे में बस एक बार पैच टेस्ट करें और घरेलू नुस्खों की मदद से बालों को जड़ से काला बनाएं।

आंवला और नींबू का रस

आंवला बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें विटामिन C और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो बालों को काला करने में मदद करते हैं। बालों को काला करने के लिए यदि ये नुस्खा अपनाना चाहते हैं तो एक कप आंवला का रस और एक चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को सिर पर अच्छे से लगाएं और 30-40 मिनट तक छोड़ दें। उसके बाद बालों को धो लें।

मेहंदी और कॉफी

मेहंदी के साथ कॉफी का मिश्रण सफेद बालों को काला करने में मदद करता है। 2-3 चमच मेहंदी पाउडर लें और उसमें 1 चमच कॉफी पाउडर मिलाएं।अब इसे पानी में घोलकर पेस्ट बना लें और बालों में लगाकर 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें। फिर बालों को अच्छे से धो लें। यह बालों को प्राकृतिक रूप से काला करता है।

नारियल तेल और आंवला पाउडर

नारियल तेल और आंवला पाउडर का मिश्रण बालों को काला और मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके लिए दो चम्मच आंवला पाउडर को नारियल तेल में मिला कर गर्म करें। इस मिश्रण को बालों की जड़ों में अच्छी तरह लगाएं और रातभर छोड़ दें। सुबह बालों को धो लें।

ब्लैक टी

काली चाय में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो बालों के रंग को गहरा करने में मदद करते हैं। 1 कप काली चाय बनाकर उसमें 1 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को बालों पर अच्छी तरह लगाएं और 20-30 मिनट तक छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से बाल धो लें।

मेहंदी और आंवला पाउडर

मेहंदी को आंवला पाउडर के साथ मिलाकर बालों में लगाने से बालों का रंग गहरा होता है और सफेद बालों को काला करने में मदद मिलती है। इसके लिए मेहंदी और आंवला पाउडर को पानी में मिला कर पेस्ट बना लें। इसे बालों में लगाकर 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें, फिर धो लें।

इन उपायों से खेल-खेल में मजबूत करें अपना हर रिश्ता

स्नेहा और रोहन की शादी को छह साल हो चुके हैं। दोनों करियर की व्यस्तता के कारण वे एक-दूसरे को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं। धीरे-धीरे उनकी बातचीत भी कम होती जा रही है और रिश्ते में उदासी आने लगी है। एक दिन स्नेहा ने ऑनलाइन एक मजेदार गेम 'हू इज मोस्ट लाइकली टू?' के बारे में पढ़ा और सोचा, क्यों न इसे आजमाया जाए। शाम को डिनर के बाद स्नेहा ने रोहन से कहा, "चलो, आज एक गेम खेलते हैं।"

पहले तो रोहन हिचकिचाया, लेकिन फिर मान गया। सवालों का सिलसिला शुरू हुआ, "सबसे ज्यादा चॉकलेट कौन खाता है?", "कौन जल्दी गुस्सा हो जाता है?" धीरे-धीरे उनकी पुरानी यादें ताजा होने लगीं और वे हंसते-हंसते लोट-पोट हो गए। इस छोटे से गेम ने उनके रिश्ते में नई जान डाल दी। अब वे हर वीकेंड एक नया गेम आपस में और पूरे परिवार के साथ खेलते हैं, जो रिश्तों को मजबूत कर रहा है।

प्यार बढ़ाने के लिए गेम

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में, जहां सभी अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं, वहां रिश्तों को समय देना और उन्हें मजबूत बनाना एक चुनौती बन गया है। लेकिन कुछ छोटे और मजेदार गेम्स से आप अपने रिश्तों को और भी गहरा तथा मजबूत बना सकती हैं। असल में, खेल न केवल मनोरंजन का स्रोत होते हैं, बल्कि आपको एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने का मौका भी देते हैं। जब आप अपने साथी, दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ खेलती हैं तो उनके स्वभाव, पसंद-नापसंद और सोचने के तरीके को अधिक नजदीकी से जान पाती हैं।

इंटरनेट करेगा मदद

इंटरनेट पर कई फनी गेम्स ट्रेंड में रहते हैं, जैसे- 'गेस द सॉन्ग चैलेंज', 'फोटो को कैप्शन दें' और 'हू इज मोस्ट लाइकली टू'। इस तरह के गेम्स न केवल मनोरंजन का स्रोत होते हैं, बल्कि रिश्तों को भी मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गेस द सॉन्ग चैलेंज

इस गेम में एक व्यक्ति कोई गाना गुनगुनाता है और बाकी लोगों को उसे पहचानना होता है। इसे और मजेदार बनाने के लिए आप इसमें कुछ ट्विस्ट जोड़ सकती हैं, जैसे सिर्फ गाने के केवल बीच-बीच के बोल बोलना या बिना आवाज के इशारों से बताना। यह गेम म्यूजिक लवर्स के लिए परफेक्ट है और परिवार में हंसी-खुशी का माहौल बनाता है। असल में, हर दिन की भाग-दौड़ से रिश्तों में एकरसता आ जाती है और गेम्स रिश्तों में नई ऊर्जा और उत्साह भरते हैं।

हू इज मोस्ट लाइकली टू?

यह गेम दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच कनेक्शन बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है। इसमें एक सवाल पूछा जाता है, जैसे- "सबसे ज्यादा खाने का शौकीन कौन है?", "किसको सोना सबसे ज्यादा पसंद है" या फिर "कौन स्कूल में सबसे ज्यादा डांट खाता था।" इसका उत्तर सभी एक साथ देते हैं, जिससे एकदम घर में हंसी की गूंज फैल जाती है और माहौल खुशनुमा हो

जाता है। यह गेम मजेदार होने साथ ही एक-दूसरे को और बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है।

फोटो को कैप्शन दें

आप परिवार के सभी सदस्यों के साथ बैठकर अपने बचपन या हाल की फनी तस्वीरों को लेकर उन्हें मजेदार कैप्शन देने वाला गेम खेल सकती हैं। वीकेंड को मजेदार बनाने के लिए यह एक दिलचस्प एक्टिविटी हो सकती है, जो आपकी पुरानी यादों को ताजा करेगी।

साथ ही अगर आपके बीच कोई मनमुटाव चल रहा है तो उसे दूर कर आपको पास लाने में मदद करेगी। असल में, जब गेम खेलते समय हंसी-मजाक और चर्चा होती है तो आपस में बातचीत बढ़ती है और आपसी समझ बेहतर होती है। साथ ही बिताए गए ये पल यादगार बन जाते हैं, जो आगे चलकर रिश्तों को और भी खास बनाते हैं।

ऑनलाइन पजल्स और क्विज

अगर आप और आपके प्रियजन अलग-अलग शहरों में रहते हैं और मिलने का समय नहीं है तो शाम को सभी एक समय निर्धारित करके पजल्स और क्विज जैसे ऑनलाइन गेम खेल सकते हैं। पजल्स और क्विज गेम्स खेलकर आप साथ में समय बिता सकती हैं और अपने ज्ञान को भी बढ़ा सकती हैं, क्योंकि ऐसे गेम्स तनाव को दूर कर रिश्तों में मिठास भर देते हैं। साथ ही यह आपके बीच एक हेल्दी कंपटीशन करने का मजेदार जरिया भी है।

मल्टीप्लेयर वीडियो गेम्स

आजकल के बच्चे वीडियो गेम्स खेलना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आपको लग रहा है कि आपका अपने बच्चे या परिवार के अन्य किसी बच्चे के साथ संबंध कमजोर पड़ रहा है तो आप उसके साथ वीडियो गेम खेल सकती हैं।

बोर्ड और कार्ड गेम्स

लूडो, कैरम, चेस, स्क्रैबल बोर्ड गेम्स और ब्लफ, रम्मी जैसे कार्ड गेम्स बेहद मजेदार होते हैं। साथ ही बैठकर खेलने के लिए बेस्ट हैं। अगर आप बोर हो रही हैं और साथ बैठकर कुछ मजेदार खेलना चाहती हैं तो ये बेस्ट हैं। ऐसे ही आप हेवनली बॉडीज, आर्मी ऑफ टू, डार्क पिक्चर्स एंथोलजी और हैंगमैन जैसे गेम खेल सकती हैं।

खुशहाल पलों का आनंद

छोटे-मोटे गेम्स सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं होते, बल्कि ये रिश्तों को मजबूती से जोड़ने में भी सहायक होते हैं। चाहे ऑनलाइन गेम्स हों या ऑफलाइन बोर्ड गेम्स, हर गेम रिश्तों में हंसी-मजाक, आपसी समझ और प्यार को बढ़ावा देता है। लेकिन गेम खेलते समय प्रतिस्पर्धा की भावना को संतुलित रखना जरूरी है, ताकि आनंद बना रहे, क्योंकि खेल मनोरंजन के लिए है, न कि तनाव बढ़ाने के लिए।

सुखद अहसास का जरिया

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर, शोभना का मानना है कि रिश्तों का नाम चाहे कुछ भी हो, उनको पोषण एक-दूसरे पर ध्यान देने से ही मिलता है। किसी के साथ समय बिताना भी उस पर ध्यान देने का एक अवसर होता है।

आज के दौर में हर व्यक्ति के पास समय की कमी है। अपने प्रियजनों के साथ कुछ समय बिताना आपको उनके प्रति खोल देता है। एक साथ मिलकर बैठना, गप्पें मारना, गेम्स खेलना, ये सभी न सिर्फ सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं, बल्कि आपसी संबंधों को भी पुष्ट करते हैं। इसलिए समय मिलने पर साथ बैठें और मजेदार गेम्स खेलें।

पानी पीने के बाद भी बार-बार लगती है प्यास?

सर्दी हो या गर्मी पानी पीना हर व्यक्ति के लिए काफी जरूरी होता है। ये शरीर को हाइड्रेट करने के लिए काफी जरूरी है। ऐसे में जब आपको पानी की जरूरत होती है तो शरीर खुद-ब-खुद संकेत भी देने लगती है। हालांकि, बहुत ज्यादा या कम पानी पीना दोनों ही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है, लेकिन अगर आपको पानी पीने के बाद भी बार-बार प्यास लगती है तो शायद यह नॉर्मल नहीं है और आपके शरीर में कोई बीमारी पनप रही है। आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आपको ज्यादा प्यास लगती है तो आप किन बीमारियों का शिकार हो सकते हैं?

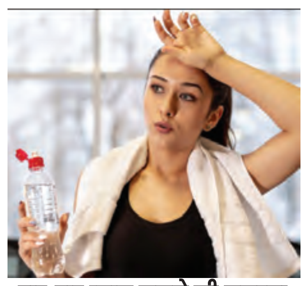

बार-बार प्यास लगने की समस्या

प्यास आपके शरीर का आपको यह बताने का तरीका है कि शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है। गर्मी के मौसम में या जब आप बहुत ज्यादा व्यायाम करते हैं, तो प्यास लगना सामान्य बात है। लेकिन अगर आपको बार-बार प्यास लग रही है तो यह किसी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।

डिहाइड्रेशन

डिहाइड्रेशन का मतलब है कि आपके शरीर में ठीक से काम करते रहने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है और प्यास इसका मुख्य लक्षण है। यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे व्यायाम, दस्त , उल्टी और बहुत अधिक पसीना आना।

डायबिटीज

अगर आपको दिन में बार-बार प्यास लगती है और आपके गला हमेशा सूखा ही रहता है तो आपको तुरंत अपना शुगर लेवल टेस्ट कराने की जरूरत है। डायबिटीज में किडनी को ब्लड से अतिरिक्त शुगर हटाने के लिए काफी ज्यादा काम करना पड़ता है। ऐसे में हमारे शरीर से ज्यादा तरल पदार्थ बाहर निकलता है, परिणामस्वरूप ज्यादा प्यास लगती है।

एनीमिया

शरीर में खून की कमी होने को एनीमिया कहते हैं। ऐसी स्थिति में शरीर में पर्याप्त मात्रा में रेड ब्लड सेल्स नहीं बनते हैं। हालांकि, यह हेल्थ इशू अक्सर गलत खानपान और हैवी ब्लड लॉस की वजह से होता है। ऐसे में आपको बार-बार प्यास लगती है। इससे गला सूखने की समस्या भी ज्यादा हो जाती है।

पाचन से जुड़ी समस्या

जब भी आप तला-भुना कुछ खाते हैं तो यह आपकी पाचन प्रक्रिया पर काफी गहरा प्रभाव डालता है। ऐसे में आपका पेट खराब हो जाता है और आपको बार-बार प्यास लगती है।

कॉन्ट्रैक्ट मैरिज क्या है और क्यों करते हैं इस तरह की शादी

कॉन्ट्रैक्ट मैरिज आज के दौर में एक अनोखा और विवादास्पद कॉन्सेप्ट बन चुका है। कुछ लोगों के लिए यह समझदारी भरा फैसला होता है, तो कुछ के लिए यह सिर्फ एक सुविधा। लेकिन हर रिश्ते की नींव अगर भरोसे और ईमानदारी पर हो, तो वह ज्यादा मजबूत होता है। फिर चाहे वह कितने भी समय के लिए क्यों न हो। फिल्मों और सीरीज में होने वाली कॉन्ट्रैक्ट मैरिज अब असल जिंदगी में भी देखने को मिलती है। लेकिन इस तरह की शादी के फायदे और चुनौतियां क्या है। इस लेख के माध्यम से जानिए कि कॉन्ट्रैक्ट मैरिज क्या है, लोग क्यों इस तरह की शादी करते हैं और इस तरह की शादी से क्या क्या समस्याएं हो सकती हैं।

कॉन्ट्रैक्ट मैरिज क्या है?

कॉन्ट्रैक्ट मैरिज एक ऐसा वैवाहिक समझौता होता है जिसमें शादी एक तय समय के लिए की जाती है। इसमें पति-पत्नी के बीच एक लिखित या मौखिक अनुबंध होता है, जो यह तय करता है कि वे कितने समय तक साथ रहेंगे, किन शर्तों पर रिश्ता चलेगा और तय समय के बाद क्या होगा यानी रिश्ता खत्म कर देंगे या आगे बढ़ाएंगे।

लोग कॉन्ट्रैक्ट मैरिज क्यों करते हैं?

ट्रायल रिलेशनशिप

कुछ लोग शादी से पहले एक-दूसरे को समझने और साथ रहने

का अनुभव लेने के लिए यह तरीका अपनाते हैं।

लीगल या इमिग्रेशन जरूरतें

कई बार कॉन्ट्रैक्ट मैरिज इमिग्रेशन, नागरिकता या कानूनी फायदों के लिए भी होती है, हालांकि कई देशों में यह अवैध माना जाता है।

सामाजिक या पारिवारिक दबाव

कुछ कपल्स परिवार का दबाव झेलने से बचने के लिए इस तरह की शादी करते हैं, ताकि समाज को दिखा सकें कि वे शादीशुदा हैं।

फायदे आधारित साझेदारी

इसमें कपल व्यावसायिक पार्टनर्स की तरह होते हैं जो आपसी फायदे के लिए शादी करते हैं, जैसे आर्थिक समर्थन, मेडिकल बीमा आदि।

सबसे ज्यादा कहां होती है कॉन्ट्रैक्ट मैरिज?

भारत जैसे देश में शादी एक धार्मिक और सामाजिक संस्था है। यहां इसे जन्मों जन्मों का बंधन माना जाता है।इसलिए भारत में कॉन्ट्रैक्ट मैरिज फिलहास चलन में नहीं है। हालांकि कई देशों में इसे अपनाया जाने लगा है। मिडिल ईस्ट देशों (जैसे ईरान, सऊदी अरब) में मुताह निकाह या निका-ए-मुताह जैसी अस्थायी शादी की परंपरा होती है, जो कॉन्ट्रैक्ट मैरिज से मिलती-जुलती है।

पश्चिमी देशों में ट्रायल मैरिज या लीगल कॉन्ट्रैक्ट के रूप में ये ट्रेंड देखा जाता है, खासकर अमेरिका और यूरोप में। जापान और साउथ कोरिया जैसे देशों में भी कुछ खास परिस्थितियों में ऐसी शादियों का चलन बढ़ रहा है।

कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की चुनौतियां

लोग आपसी फायदों के लिए इस तरह की शादी करते हैं लेकिन कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की भी कई चुनौतियां हैं, जिसका सामना कपल को करना पड़ सकता है, जैसे इस तरह की शादी में भावनात्मक जुड़ाव की कमी होती है। चूंकि यह शादी सिर्फ एक डील होती है, तो उसमें सच्चा प्यार या भरोसा नहीं बन पाता।

भारत जैसे पारंपरिक समाज में ऐसी शादियों को नकारात्मक नजर से देखा जाता है। कई देशों में इस तरह की शादी को समाज की स्वीकार्यता नहीं मिलती है।

अगर इस रिश्ते से बच्चे होते हैं, तो तय समय बाद रिश्ता टूटने पर उनके भविष्य पर असर पड़ सकता है।

कई देशों में ऐसी शादी को मान्यता नहीं मिलती, जिससे कानूनी विवाद हो सकते हैं।

भारत को एआई का ग्लोबल हब बनाने और निवेश पर चर्चा; यूएस में निर्मला सीतारमण ने की अहम बैठकें

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन दिनों अपने अमेरिका और पेरू की 11 दिन की यात्रा पर हैं। उन्होंने इस दौरे की शुरुआत रविवार को सैन फ्रांसिस्को से की, जहां उन्होंने भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की और कई बड़ी टेक कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठकें कीं। साथ ही सोमवार को सीतारमण ने सिलिकॉन वैली की प्रमुख कंपनियों के अधिकारियों और निवेशकों से बातचीत की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की।

अंजनी मिधा और रघुराम से की मुलाकात

सीतारमण ने वेंचर कैपिटल फर्म ए16जड के जनरल पार्टनर अंजनी मिधा और टेक कंपनी वीएमवेयर के सीईओ रघु रघुराम से मुलाकात की। जहां मिधा और रघुराम ने भारत में एआई और तकनीक के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की तारीफ की। साथ ही भारत के साथ सहयोग की इच्छा जताई। सीतारमण ने उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एआई एआई के इस्तेमाल के लिए साझेदारी करने को कहा।

डिजिटल इंडिया पहल की सराहना

वित्त मंत्री ने आगे गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन से भी मुलाकात की। कुरियन ने भारत की डिजिटल इंडिया पहल की सराहना की और भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में उभरते देखने की इच्छा जताई। उन्होंने बताया कि गूगल क्लाउड 2030 तक पूरी तरह से कार्बन-फ्री ऊर्जा पर काम करेगा साथ ही भारत में निवेश की योजना पर भी चर्चा की।

एआई को बढ़ावा देने पर जोर

इसके अलावा एआई टेक कंपनी डाटा रोबोट के सीईओ देबांजन साहा से मुलाकात में सीतारमण ने भारत सरकार की ओर से एआई और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। इसमें इंडिया एआई मिशन, स्थानीय भाषाओं में एआई तकनीक और आईआईटी जोधपुर में एआई केंद्र की स्थापना शामिल है।

निवेशकों के साथ सीतारमण ने किया लंच

सीतारमण से मुलाकात के दौरान ट्यूरिंग के सीईओ जोनाथन सिद्धार्थ ने भारत के एआई प्रयासों को वैश्विक रोल मॉडल बताया और भारत के साथ साझेदारी की इच्छा जताई। साथ ही सीतारमण ने निवेशकों के साथ एक लंच राउंडटेबल में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने भारत में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार 1 लाख करोड़ रुपये की निजी क्षेत्र संचालित आर एंड डी योजना पर काम कर रही है, जिससे नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर जोर

साथ ही सीतारमण ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में '2047 तक विकसित भारत' विषय पर भाषण भी दिया और प्रो. स्टीव डेविस के साथ फायरसाइड चैट में भारत की विकास यात्रा पर चर्चा की। बता दें कि भारतीय वित्त मंत्री आज से से 25 अप्रैल तक वॉशिंगटन डीसी में रहेंगी, जहां वे आईएमएफ और विश्व बैंक की स्प्रिंग मीटिंग्स, जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक और अन्य वैश्विक आर्थिक चर्चाओं में हिस्सा लेंगी।

मुकेश अंबानी की इस कंपनी के पेनी स्टॉक में लगी आग!

2 घंटे में ही 18% का उछाल, कितनी है कीमत?

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मंगलवार को शेयर मार्केट फिर गुलजार रही। सुबह 11 बजे तक सेंसेक्स में 300 अंकों से ज्यादा और निफ्टी 50 में 90 अंकों से ज्यादा की तेजी आ चुकी है। वहीं कई शेयर ऐसे भी हैं जो रॉकेट हो गए। इनमें मुकेश अंबानी की कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी शामिल है। इस पेनी स्टॉक की कीमत 20 रुपये से कम है। आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर में मंगलवार को जबरदस्त तेजी आई। बाजार खुलने के दो घंटे के भीतर ही इसमें 18 फीसदी का उछाल आ गया। इस शेयर में यह तेजी कंपनी के वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) से जुड़ी है। दरअसल, कंपनी का घाटा चौथी तिमाही में कम हुआ है। इस कारण इसे खरीदने की होड़ मच गई, जिससे इसकी कीमत में तेजी आ गई। आलोक इंडस्ट्रीज का शेयर सोमवार को 16.47 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 17.36 रुपये पर खुला। इसके बाद इसमें और तेजी आती गई। बाजार खुलने के दो घंटे के भीतर ही यह 18 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 19.50 रुपये पर पहुंच गया था। हालांकि बाद में इसमें कुछ गिरावट भी आई। मंगलवार सुबह 11:30 बजे यह शेयर 15 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ करीब 19 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में कंपनी का घाटा घटकर 74.47 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी को पिछली तिमाही में 272.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पिछले साल इसी तिमाही में 215.93 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। चूंकि चौथी तिमाही में कंपनी को घाटा कम हुआ है। वहीं कंपनी की कमाई भी बढ़ी है। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कमाई 952.96 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 1,469.31 करोड़ रुपये थी। कंपनी की कमाई बढ़ने और घाटा कम होने से निवेशकों का इस शेयर पर भरोसा बढ़ गया है।आलोक इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल कंपनी है। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास आलोक इंडस्ट्रीज में 40.01% हिस्सेदारी है। जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के पास 34.99% हिस्सेदारी है, जिससे प्रमोटर की कुल हिस्सेदारी 75% हो जाती है।

शेयर बाजार में हरियाली बरकरार: सेंसेक्स 187 अंक मजबूत, निफ्टी 24160 के पार पहुंचा

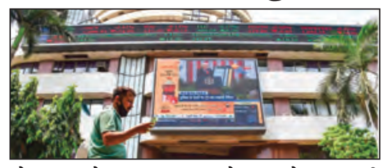

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कमजोरी के बावजूद हरियाली बरकरार रही। 30 शेयरों का बीएसई सेंसेक्स सूचकांक 187.09 अंक चढ़कर 79,595.59 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.70 अंक बढ़कर 24,167.25 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे गिरकर 85.19 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से बैंकिंग शेयरों में तेजी

विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते मंगलवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इंफोसिस और बजाज फिनसर्व पिछड़ गए।

एफआईआई ने सोमवार को 1970 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,970.17 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। एशियाई बाजारों में, शंघाई एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक और टोक्यो का निक्केई 225 गिरावट के साथ बंद हुए।

वैश्विक बाजार में दिखा मिला-जुला रुख

यूरोपीय बाजार मिश्रित रुख पर कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार काफी नीचे बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट में 2.55 प्रतिशत की गिरावट आई, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2.48 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 2.36 प्रतिशत की गिरावट आई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.61 प्रतिशत बढ़कर 67.33 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक या 1.09 प्रतिशत उछलकर 79,000 अंक के पार 79,408.50 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 273.90 अंक या 1.15 प्रतिशत चढ़कर 24,125.55 अंक पर बंद हुआ था।

भारत की आर्थिक बुनियाद पिछले वैश्विक संकटों की तुलना में मजबूत, टैरिफ जैसी चुनौतियों का सीमित होगा असर

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में दबाव के बीच भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पिछले वैश्विक संकटों के मुकाबले काफी मजबूत दिखाई दे रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल ने एक रिपोर्ट में कहा, टैरिफ जैसी वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू लचीलेपन और बेहतर राजकोषीय सेहत की बदौलत भारत की आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव काफी सीमित रहेगा। हालांकि, आईटी क्षेत्र में सुस्ती और करेंसी वार के बीच चीन से उत्पादों की डंपिंग का मामूली असर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में हाइब्रिड फंडों में एकमुश्त निवेश और अगले दो-तीन महीनों के लिए लार्जकैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉलकैप फंडों को लेकर चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया गया है। मोतीलाल ओसवाल ने शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर निवेश की सलाह दी है।

अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक पक्ष में

रिपोर्ट के मुताबिक, मंदी के दौर के बावजूद समग्र आर्थिक संकेतक भारतीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में हैं। 2013 के टेपर टैंट्रम जैसे पिछले वैश्विक संकटों से तुलना करें, तो भुगतान संतुलन, राजकोषीय और चालू खाता घाटे जैसे संकेतक मजबूत हैं। भारतीय शेयर बाजारों पर रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में हुए सुधारों ने निफ्टी-50 में शामिल लार्जकैप शेयरों को मूल्य के लिहाज से अधिक आकर्षक बना दिया है। इनकी कीमतें उनके 10 वर्षीय अग्रिम औसत से नीचे आ गई हैं। हालांकि, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अब भी महंगे बने हुए हैं।

चीन ने अमेरिका को दिया अब तक का सबसे बड़ा झटका! निकालना शुरू कर दिया ट्रंप के देश से निवेश

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया की दो बड़ी आर्थिक ताकतों अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 245 फीसदी कर दिया है। चीन भी झुकने को तैयार नहीं है। उसने दुनिया के देशों को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने चीन की कीमत पर अमेरिका का साथ दिया तो उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। इस बीच चीन में सरकार के समर्थन वाले फंड्स ने अमेरिका में प्राइवेट इक्विटी फंड्स में नया निवेश करना बंद कर दिया है। साथ ही पुराने निवेश को निकालने की घोषणा की है। चीन की सरकारी निवेश कंपनियों ने अमेरिकी कंपनियों में अरबों डॉलर का निवेश किया है। पीई एग्जीक्यूटिव्स की मानें तो चाइना इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन जैसे फंड्स ने अमेरिका से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया है। सीआईसी की कभी ब्लैकस्टोन में भी हिस्सेदारी थी जिसे उसने 2018 में बेच दिया था। चीन के निवेशक यूएस से जुड़ी डील से परहेज कर रहे हैं। यहां तक कि वे नॉन-यूस बेस्ड पीई फंड्स से भी दूरी बना रहे हैं। साफ है कि अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर अगले लेवल पर पहुंच गया है। अगर यह तनाव आगे बढ़ता है तो चीन अमेरिका के सरकारी बॉन्ड्स में भी अपने निवेश से बाहर निकल सकता है। अमेरिका के सरकारी बॉन्ड्स में जापान के बाद सबसे ज्यादा निवेश चीन का ही है। आंकडों के मुताबिक अमेरिका के सरकारी बॉन्डस में चीन का निवेश 759 अरब डॉलर है। चीन और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी से पूरी दुनिया के मंदी की चपेट में आने की आशंका है। साथ ही इससे महंगाई भी बेकाबू हो सकती है। अमेरिका के लिए चीन दूसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि चीन के लिए अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। पिछले हफ्ते खबर आई थी कि अमेरिका अपने ट्रेडिंग पार्टनर्स पर चीन के साथ कारोबार सीमित करने के लिए दबाव बना सकता है। इसके जवाब में चीन ने इन देशों को अंजाम भुगतने की धमकी दी है।

सीनियर सिटीजंस कैसे करें इनकम टैक्स रिटर्न फाइल?

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आईटीआर फॉर्म का चयन उनकी आय के स्रोत और कुल आय पर निर्भर करती है। आयकर विभाग ने कई तरह की आय के लिए अलग-अलग फॉर्म बनाए हैं, जिसे वो अपनी स्थिति के हिसाब से चुन सकते हैं। आपको बता दें, 60 साल और 80 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर विभाग में कई तरह की रियायत और अलग-अलग प्रावधान दिए हैं। लेकिन आपके लिए सही आईटीआर फॉर्म सेलेक्ट करना बेहद जरूरी है ताकि वो अपनी आय को सही तरीके से बता सकें और टैक्स में छूट का फायदा भी उठा सकें।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए छूट?

वरिष्ठ नागरिकों को 3,00,000 रुपए तक की छूट दी जाती है, जबकि और वरिष्ठ नागरिकों (80 साल से अधिक आयु के लोगों) के लिए 5,00,000 रुपए की उच्च सीमा उपलब्ध है। गैर-वरिष्ठ नागरिकों के लिए छूट की सीमा 2,50,000 रुपये तक सीमित है।

क्या वो अपना रिटर्न दाखिल करने से बच सकते हैं?

आपको बता दें, कि 75 साल से अधिक के वरिष्ठ नागरिक जिनकी आय का एकमात्र स्रोत पेंशन और ब्याज है उसी बैंक में उन्हें आयकर रिटर्न दाखिल करने से छूट दी गई है। लेकिन आपको इसमें ध्यान इस बात का रखना है कि पहले आपको फॉर्म 12बीबीए के माध्यम से एक घोषणा पूरी करनी होगी और इसे एक स्पेसिफिक बैंक में जमा करना होगा। जब वो इसे पूरा कर लेंगे तभी अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने से बाहर निकल सकते हैं।

किस फॉर्म का करें इस्तेमाल

बहुत से लोग आईटीआर- 1 (जिसे साजज के नाम से भी जाना जाता है) वो इसका इस्तेमाल कर सकेंगे, जो सैलरी, किराए की आय, पेंशन और अन्य स्रोतों से 50 लाख रुपए से कम की कुल आय वाले निवासियों के लिए है। इसका इस्तेमाल कोई भी वरिष्ठ नागरिक नहीं कर सकता है जो किसी कंपनी में निदेशक भी है या पिछले साल के दौरान किसी भी समय में इक्विटी शेयर रखता है। इसके साथ ही जिन लोगों की संपत्ति भारत से बाहर है या जो देश के बाहर के स्रोतों से आय अर्जित करते हैं, वो इस फॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

आईटीआर-2, आईटीआर-4 फॉर्म

आईटीआर-2 अगर वरिष्ठ नागरिक की आय में शेयर या फिर म्यूचुअल फंड से कमाई या एक से अधिक मकान की संपत्ति शामिल है, तो उन्हें आईटीआर -2 फॉर्म चुनना चाहिए।

अडानी का नया दांव! धारावी से बड़ा टाउनशिप प्रोजेक्ट नवी मुंबई में

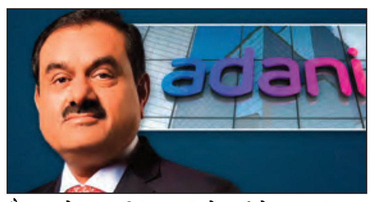

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर आदमी गौतम अडानी रियल एस्टेट सेक्टर में एक बड़ा बदलाव लाने जा रहे हैं। उनकी कंपनी अडानी रियलिटी नवी मुंबई में 1,000 एकड़ में बड़ा टाउनशिप प्रोजेक्ट बनाने के लिए तैयारी में है। बता दें, कि यह कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा टाउनशिप प्रोजेक्ट होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के करीब दोगुना बड़ा होगा। वहीं एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी का रिडेवलपमेंट भी अडानी की कंपनी कर रही है। यह प्रोजेक्ट भी 600 एकड़ में फैला है। इसके साथ ही अडानी ग्रुप नवी मुंबई में इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बना रहा है। अडानी ग्रुप ने साल 2010 में रियल एस्टेट कंपनी में एंट्री मारी थी। ग्रुप ने 5,000 करोड़ रुपए के निवेश से अहमदाबाद के शांतिग्राम में 600 एकड़ में एक प्रोजेक्ट डेवलप किया था। जो उस समय शहर का सबसे बड़ा रियल एस्टेट प्रोजेक्ट था। पनवेल में नवी मुंबई टाउनशिप 1,000 से 1,100 एकड़ में फैला होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेल्स ऑफिस रेडी है। एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद ही इस प्रोजेक्ट को लॉन्च किया जाएगा।अडानी रियल्टी के कारोबार की बात करें तो कंपनी का कारोबार मुंबई के अलावा, अहमदाबाद, पुणे और दिल्ली-एनसीआर में भी कई प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं। मार्च में अडानी प्रॉपर्टीज ने मुंबई के गोरेगांव में मोतीलाल नगर के रिडेवलपमेंट के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई थी। इसकी लागत भी करीब 36 हजार करोड़ रुपए थी। इसी तरह से अप्रैल में अडानी ग्रुप की सहयोगी कंपनी ने साउथ मुंबई में 1।1 एकड़ का एक प्लॉट 170 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके साथ ही मुंबई को जल्द ही एक दूसरा एयरपोर्ट मिलने वाला है जिसे अडानी ग्रुप द्वारा ही बनाया जा रहा है। यह एयरपोर्ट नवी मुंबई में बन रहा है।

भारत ने स्टील के आयात पर लगाया 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ, 200 दिनों तक रहेगा लागू

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने बेलगाम आयात को रोकने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी अस्थायी टैरिफ लगाया है। इस टैरिफ को स्थानीय रूप से सुरक्षा शुल्क के रूप में जाना जाता है। सरकार ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना भी जारी कर दी। इस फैसले पर केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर 12 प्रतिशत रक्षोपाय शुल्क लगाने के सरकार के फैसले से घरेलू उत्पादकों, मुख्य रूप से एसएमई को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात के कारण भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया में कच्चे स्टील के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक भारत ने कहा कि सोमवार से प्रभावी यह टैरिफ 200 दिनों के लिए लगाया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा, इस अधिसूचना के तहत लगाया गया सुरक्षा शुल्क इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो सौ दिनों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा (जब तक कि इसे पहले ही रद्द, प्रतिस्थापित या संशोधित नहीं कर दिया जाता है)। अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विभिन्न देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लगाए जाने के बाद भारत की तरफ से स्टील पर शुल्क में वृद्धि पहला बड़ा व्यापारिक नीतिगत कदम है। भारत के टैरिफ मुख्य रूप से चीन पर लक्षित हैं जो 2024-25 में दक्षिण कोरिया के बाद भारत को इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था। सरकार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने लगातार दूसरे साल वित्त वर्ष 2024-25 में 95 लाख टन तैयार स्टील का आयात किया, जो नौ वर्ष में सर्वाधिक है। सरकार से भारत के स्टील उत्पादकों ने बेलगाम आयात पर लगाम लगाने की मांग की थी।केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि इस कदम से घरेलू उत्पादकों, खासकर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमों को राहत मिलेगी, जिन्हें बढ़ते आयात से भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। रक्षोपाय शुल्क बाजार में स्थिरता बहाल करने और घरेलू उद्योग के विश्वास को मजबूत करने में मदद करेगा। इस्पात मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि यह उपाय घरेलू इस्पात विनिर्माताओं को आयात बढ़ने के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने और बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए समय पर उठाया गया आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि इस्पात मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है कि घरेलू इस्पात क्षेत्र मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बना रहे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-59 सूर्यास्त - 18-30
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	05-28	बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	वृष---	07-12	बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	09-13	बजे
बुध-	मीन	मे	कर्क---	11-25	बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	13-37	बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या---	15-44	बजे
शनि-	मीन	मे	तुला----	17-49	बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	20-00	बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु......	22-14	बजे
			मकर...	00-19	बजे
			कुंभ....	02-09	बजे
			मीन....	03-48	बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी **16:43** तक उपरान्त एकादशी
मास - वैशाख कृष्ण , बुधवार **23 April**
नक्षत्र - धनिष्ठा **12:07** तक उपरान्त शतभिषा
योग - शुक्ल **18-51** तक उप ब्रह्म
करण- विष्टी(भद्रा) **16-43** तक उप बव
विशेष:- व्रत -त्योहार - भद्राकाल - **16-43** तक

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:14 से 13:49 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:59 - 07:31	शुभ	उत्पात	18:30 - 19:58	अशुभ
अमृत	07:31 - 09:05	शुभ	शुभ	19:58 - 21:24	शुभ
काल	09:05 - 10:40	अशुभ	अमृत.	21:24 - 22:49	शुभ
शुभ	10:40 - 12:14	शुभ	चंचल.	22:49 - 00:14	शुभ
रोग	12:14 - 13:49	अशुभ	रोग	00:14 - 01:39	अशुभ
उत्पात	13:49 - 15:24	अशुभ	काल	01:39 - 03:05	अशुभ
चंचल	15:24 - 16:58	शुभ	लाभ।	03:05 - 04:30	शुभ
लाभ	16:58 - 18:30	शुभ	उत्पात	04:30 - 05:59	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं।आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

यूपीएससी-2024 में रायपुर की पूर्वा को 65वीं रैंक

2023 में बनीं थी आईपीएस, जगदलपुर की मानसी को 444वीं, अंबिकापुर के केशव को मिली 496वीं रैंक

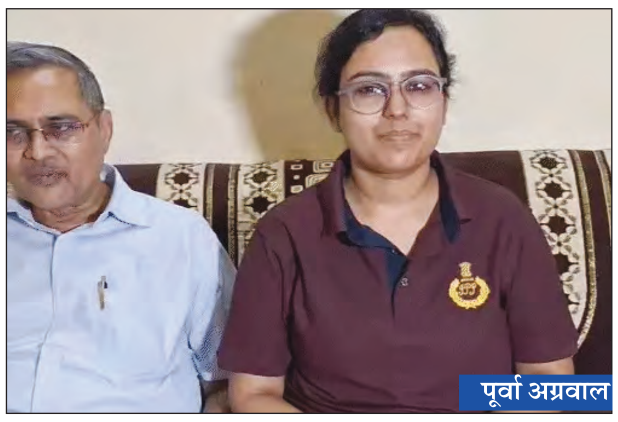
पूर्वा अग्रवाल

रायपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। रायपुर की पूर्वा अग्रवाल ने अपने तीसरे प्रयास में यूपीएससी में 65वीं रैंक हासिल की है। वहीं, जगदलपुर की मानसी जैन को 444वीं और अंबिकापुर के केशव गर्ग को 496वीं रैंक मिली है।

वहीं अंबिकापुर की शची जायसवाल को यूपीएससी में 654वीं रैंक मिली है। छत्तीसगढ़ से 4 लोगों का चयन हुआ है। इसमें 3 लड़कियां और एक लड़का शामिल है। 2023 में भी 4 छात्रों का चयन हुआ था, जिसमें अनुषा पिल्लई, अभिषेक डेंगे, प्रीतेश सिंह राजपूत और रश्मि पैकरा शामिल हैं।

दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन करने के दौरान पूर्व अग्रवाल ने सिंगापुर में इंटर्नशिप की। इस दौरान उन्होंने वहां बतौर इकोनॉमिक्स एनालिस्ट काम किया। इस दौरान उन्हें 30 लाख रुपए का सालाना पैकेज वाली नौकरी ऑफर हुई। पूर्व ने बताया कि उस दौरान उनके पास पैसों की कोई चाहत नहीं थी। उनके लिए जॉब से संतुष्टि बहुत जरूरी थी। उन्होंने सिविल सर्विसेज की तैयारी शुरू कर दी ताकि लोगों की जिंदगी में कुछ बदलाव ला सकें। अब उन्हें सफलता मिल गई है। पूर्वा अग्रवाल यूपीएससी रिजल्ट 2023 में भी आईपीएस चयनित हुई थी। उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला, तब उन्हें 189वीं रैंक मिली थी। पूर्वा ने 2023 का रिजल्ट आने पर कहा था कि अपनी बहन और कई सीनियर्स को यूपीएससी की तैयारी करते देख उन्हें यह प्रेरणा मिली।

पूर्वा अग्रवाल ने बताया कि स्कूली शिक्षा बिलासपुर से पूरी की। वह मूलतः रायगढ़ के खरसिया की रहने वाली हैं। उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी छोड़कर यूपीएससी की तैयारी की। पहले प्रयास में वे मेन्स क्लियर नहीं कर पाई थीं, लेकिन इसके बाद पढ़ाई के लिए उन्होंने स्पेशल प्लानिंग की और टाइम मैनेजमेंट किया।

पूर्व ने बताया कि कड़ी मेहनत से सफलता हासिल की। पिता एमएल अग्रवाल छत्तीसगढ़ टेक्निकल एजुकेशन में एडिशनल डायरेक्टर और उनकी मां इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रोफेसर है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्टूडेंट के लिए पूर्वा का कहना है कि अगर मन में कुछ करने की ठान लें और सही दिशा में प्रयास करें, तो शतप्रतिशत सफलता मिलती है।

असफलता उन्हें अपनी गलतियों को दूर करने की दृष्टि से फायदेमंद साबित हुई। इस कारण अगले प्रयास में सभी कमियों को दूर किया।

बाइक-स्कूटी की टक्कर

चर्च के पादरी और छात्र की मौत, दो जख्मी, रांची से आते वक्त हुआ हादसा

गुमला, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। गुमला के सिसई रोड पर नेशनल हाइवे पर सोमवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। टुकूटोली दुंदुरिया के विलिवर्स चर्च के 50 वर्षीय पादरी सोमनाथ होनहांगा और जतरा टाना भगत हाई स्कूल के 16 वर्षीय छात्र अनमोल लकड़ा की मौत हो गई। हादसे में पादरी की पत्नी ज्योति होनहांगा और उर्सुलाइन कॉन्वेंट बालिका हाई स्कूल की नौवीं कक्षा की छात्रा कंचन बाड़ा घायल हुई हैं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना उस समय हुई जब पादरी दंपती रांची से एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान स्कूटी पर सवार अनमोल और कंचन से उनकी सीधी टक्कर हो गई। स्कूटी की तेज रफ्तार के कारण टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों लोग सड़क पर जा गिरे। पादरी सोमनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। अनमोल की मौत रिम्स ले जाते समय रास्ते में हुई। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

एक गांधी गाय की पूजा करते थे, दूसरा बीफ खाता है

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- राहुल हिंदी में गांधी भी नहीं लिख पाते

रायपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दिग्गज नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि, एक गांधी देश के गरीबों के लिए अपने कपड़े उतार कर जीते थे। बकरी का दूध पिया करते थे। यह गांधी तो थाईलैंड जाकर छुट्टी मनाते हैं। वो गांधी गाय की पूजा करते थे। यह गांधी तो बीफ खाता है।

दरअसल, प्रदेश कांग्रेस छत्तीसगढ़ में पदयात्रा कर रही है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि, यह गांधी की आंधी है। जिस पर मंगलवार को रायपुर पहुंचे कैलाश विजयवर्गीय ने यह जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि, यह कौन से गांधी की बात कर रहे हैं। वह गांधी जो देश के लिए जिया करते थे या वह गांधी जो हिंदी में ठीक से गांधी भी नहीं लिख सकते।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, उन गांधी को तो हम भी मानते हैं, उनका पूरा सम्मान करते हैं। मगर यह गांधी देश के लिए कहीं ना कहीं नकारात्मक है। उन्होंने कहा कि, जिस तरह से विदेशों में जाकर राहुल गांधी भारत के खिलाफ बयानबाजी करते हैं, यह दुर्भाग्यजनक है।

भारतीय जनता पार्टी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर देशभर में 10 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। राजनांदगांव में भी एक ऐसा ही कार्यक्रम बीजेपी ने रखा है। राजनांदगांव के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कैलाश विजयवर्गीय आज छत्तीसगढ़ पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट पर उनका बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

विजयवर्गीय ने कहा कि, आज जिस संविधान की कॉपी को लेकर कांग्रेस के नेता घूम रहे हैं। उस संविधान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने का काम भी कांग्रेस ने किया। जिस संविधान की कॉपी को लेकर राहुल गांधी और तमाम नेता घूम रहे हैं। उस संविधान की कॉपी में क्या रामजी और हनुमान जी का चित्र है? आपातकाल में कांग्रेस ने क्या किया है। देश और देश के लोगों के साथ यह हम सभी जानते हैं।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, वक्फ बोर्ड की सच्चाई अब पूरा देश समझ चुका है। वक्फ बोर्ड के नाम पर कुछ लोग जमीन की खरीद फरोख्त का काम किया करते थे। अब ये नहीं चलेगा। मुस्लिम लोग भी इस बात को समझ चुके हैं।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसक घटनाओं पर कैलाश विजयवर्गीय ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। विजयवर्गीय ने कहा कि, ममता बनर्जी को हिंदुओं की तनिक भी चिंता नहीं है। ममता बनर्जी को बस चिंता है तो अपनी कुर्सी की।

9वीं की छात्रा ने लगाई फांसी

78% आए, लेकिन निराश थी, पिता ने खुशी से बांटी थी मिठाई, खरीदे थे नए कपड़े

कोरबा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरबा जिले में 9वीं की परीक्षा में 78% अंक मिलने के बावजूद एक छात्रा ने सुसाइड कर लिया।

बालको नगर की रहने वाली जानवी राजपूत (14) मेधावी छात्रा थी और स्काउट गाइड की सक्रिय सदस्य थी। सोमवार को ही रिजल्ट आया जिसके बाद उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली।

मामला बालको थाना क्षेत्र का है। परिजनों ने बताया कि वह अपने प्रदर्शन से निराश जानवी ने घर पहुंचकर बताया कि उसने बहुत मेहनत की थी और उसे इससे बेहतर अंक की उम्मीद थी।

जानवी के पिता शिव राजपूत भारत एल्युमिनियम कंपनी की एक कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी में कार्यरत हैं। उन्होंने बेटी का हौसला बढ़ाने के लिए नए कपड़े खरीदे और मिठाई भी बांटी। लेकिन उसने निराश होकर ये कदम उठा लिया।

सोमवार की रात खाना खाने के बाद सभी अपने-अपने कमरों में सोने चले गए। मंगलवार सुबह जब काफी देर तक जानवी का कमरा नहीं खुला, तो परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा। अंदर जानवी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी।

जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजुर के मुताबिक, परिजनों का बयान दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच बालको थाने को सौंपी जाएगी। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानवी की सहेलियां और दोस्त भी शोक में डूबे हैं।

सुप्रिया बोलीं- प्रधानमंत्री मोदी डरे हुए हैं

कहा–गलत के खिलाफ बोलना हमारे डीएनए में आजादी के आंदोलन में वे अंग्रेजों की मुखबिरी कर रहे थे

रायपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस की नेशनल स्पोकपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कहा कि गलत के खिलाफ आवाज उठाना हमारे डीएनए में है। उन्होंने कहा कि जब देश में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन चल रहा था तब वे मुखबिरी कर रहे थे, गलत के खिलाफ बोलना बीजेपी के डीएनए में नहीं है। श्रीनेत ने आगे कहा- प्रधानमंत्री मोदी डरे हुए हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही है। सुप्रिया ने कहा कि ये प्रेस कॉन्फ्रेंस जरूरी है क्योंकि झूठ को बहुत ताकत से परोसा जा रहा है। 'हम महात्मा गांधी की पार्टी हैं, इसलिए सच को सामने लाना हमारी जिम्मेदारी है।'

सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि ईडी इस वक्त भारत में चुनाव आयोग की तरह काम कर रही है, जिसे बच्चा-बच्चा जानता है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी केंद्र की एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और विपक्ष को डराने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम के समय नेशनल हेराल्ड और नवजीवन जैसे अखबार देश की आवाज बने थे। 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) की स्थापना आजादी के नायकों ने की थी। बाद में एजेएल आर्थिक संकट में आ गया और कर्ज में डूब गया। उस स्थिति में कांग्रेस पार्टी ने बैंक चेक और ट्रांजैक्शन के जरिए 90 करोड़ रुपए का कर्ज दिया ताकि रिटायरमेंट पेमेंट, बिल और अन्य जरुरतें पूरी की जा सकें। सुप्रिया ने कहा कि इस मुद्दे पर झूठ फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस एजेएल को लोन कैसे दे सकती है। उन्होंने बताया कि एजेएल के करीब 760 शेयर थे, जिन्हें बाद में इक्विटी में बदला गया। यंग इंडिया ने एजेएल की कोई संपत्ति नहीं ली, बल्कि वह सिर्फ उसका शेयरहोल्डर बना। उन्होंने आगे बताया कि यंग इंडिया के शेयरहोल्डर सोनिया गांधी, राहुल गांधी, ऑस्कर फर्नांडिस और मोतीलाल वोरा थे। एजेएल ने यंग इंडिया को कोई लाभांश (प्रॉफिट) नहीं दिया।

सुप्रिया ने एक और झूठ की ओर ध्यान दिलाया कि एजेएल के पास 5000 करोड़ की संपत्ति है। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसी के मूल्यांकन में यह संपत्ति करीब 300 करोड़ रुपए आंकी गई है। उन्होंने सुब्रमण्यम स्वामी की भूमिका का भी जिक्र किया और बताया कि उन्होंने कोर्ट में जाकर स्थगन की मांग की थी। सुप्रिया ने कहा कि सरकार की यह कार्रवाई बदले की भावना से की गई है।

खदान में लगी आग, 4 किमी दूर से दिख रहा धुआं

लोगों में दहशत, 500 मीटर की दूरी पर है गांव, नदी के पानी से आग बुझाने की कोशिश

रामगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत भुचुंगडीह में बंद पड़े कोयले की अवैध खदान में भीषण आग निकल रही है। आग इतनी विकराल है कि 4 किलोमीटर दूर से ही धुआं दिख रहा है। स्थानीय लोगों को अब डर सता रहा है कि कहीं यह आग बढ़ते हुए उनकी जमीन तक ना पहुंच जाएं। घटनास्थल से ग्रामीणों का घर मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं, मुख्य सड़क की दूरी करीब लगभग एक किलोमीटर है। इसी रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों लोग शक्तिपीठ स्थल मां छिन्नमस्तिका मंदिर दर्शन के लिए जाते हैं।

इधर, घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने भैरवी नदी में मोटर लगाकर पाइपलाइन के सहारे पानी को अवैध खदान के मुहाने में छोड़ने का निर्देश दिया गया है। ताकि आग बुझ सके।

दमकल विभाग ने पानी टैंकर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन पाइप की कमी के कारण सफलता नहीं मिली। अब मोटर मशीन से नाला बनाकर खदान तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। भुचुंगडीह के स्थानीय निवासी सह पूर्व उप मुखिया जगन्नाथ महतो ने बताया कि पूरे मामले को लेकर सीसीएल प्रबंधन और रजरप्पा पुलिस को सूचना दी जा चुकी है, लेकिन किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हालांकि दो दिन पूर्व सीसीएल प्रबंधन की तरफ से कुछ लोग आए थे और मुआयना करके चले गए, लेकिन आग बुझाने पर किसी तरह की कोई पहल नहीं की गई।

कोर्ट परिसर में भिड़ गईं देवरानी-जेठानी

बच्ची को साथ ले जाने खींचने लगी मां, रोती रही मासूम, चल रहा तलाक का केस

रायगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में कोर्ट परिसर में देवरानी-जेठानी आपस में भिड़ गई। दोनों बच्ची को अपने साथ ले जाने के लिए खींचने लगी। न्यायालय के आदेश के बाद बच्ची को उसकी मां (देवरानी) से मिलाने लाया गया था। लेकिन बच्ची को उसकी मां जबरन अपने साथ ले जाने लगी। जेठानी ने रोका तो देवरानी ने मारपीट कर शुरू कर दी। हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक ग्राम विश्वनाथ पाली निवासी सुबोध प्रधान पारिवारिक विवाद के कारण पत्नी सावित्री प्रधान से 4 साल से अलग रह रहा है। दोनों के तलाक का प्रकरण करीब एक साल से कुटुम्ब न्यायालय में चल रहा है। सुबोध की बेटी की उम्र 10 साल है। वह अपने पिता के पास ही रहती है

और न्यायालय के आदेश पर उसका पालन पोषण पिता सुबोध प्रधान कर रहा है। न्यायालय के आदेश पर सोमवार को उसकी मां सावित्री प्रधान से न्यायालय में मिलाना था। जहां सुबोध प्रधान, उसकी भाभी सरस्वती प्रधान और बड़ा भाई सुदामा प्रधान के साथ बच्ची को लेकर सावित्री प्रधान से मिलाने के लिए न्यायालय पहुंचे। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे सभी बच्ची को उसकी मां के साथ मिलाकर घर वापसी के लिए निकल रहे थे। अचानक सावित्री अपनी बेटी को अपने साथ ले जाने के लिए उसे हाथ पकड़कर खींचने लगी। जिससे सावित्री और सरस्वती के बीच झूमाझटकी हो गई। इससे सरस्वती प्रधान का मंगलसूत्र भी टूटकर गिर गया। हाथ और गले के पास चोट भी लगी। इस दौरान कई लोगों ने मोबाइल पर महिलाओं के बीच हो रही झूमाझटकी का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। इस दौरान बच्ची अपनी मां के साथ नहीं जाने के लिए रोते भी रही। काफी देर तक हंगामा होते रहा। बाद में किसी तरह मामला शांत हुआ, तो सरस्वती ने घटना की जानकारी चक्रधर नगर थाना में दी। फिलहाल मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

तीन बहनों ने मिलकर की नानी की हत्या

तंत्र-मंत्र करने का आरोप लगा मारा बड़ी बहन ने कहा-मैं जिंदा कर दूंगी

जमशेदपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सरायकेला में अंधविश्वास के चक्कर में तीन बहनों ने अपनी ही नानी की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। घटना सोमवार की देर रात सरायकेला थाना क्षेत्र स्थित जगन्नाथ मंदिर के पास की है। आरोपी लड़कियों ने दो नाबालिग है। इनका आरोप है कि उनके भाइयों पर नानी तंत्र-मंत्र करती थी। इधर, घटना की जानकारी जब ग्रामीणों को हुई तो वो सुबह घर पहुंचे। आरोपी बड़ी बहन ने लोगों को शव के पास जाने से रोक दिया और कहा- मुझ पर मंगला मां का प्रभाव है। वो नानी को वापस जिंदा कर देगी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बहनों को हिरासत में ले लिया है। मृतका की पहचान बेगनाडीह ठाटूपाड़ा निवासी 70 वर्षीय सुमित्रा नायक के रूप में की गई।

आतंक के नाम थे प्रयाग, अरविंद और साहबराम

22 जनवरी की मुठभेड़ में भी थे शामिल, सूदखोर की हत्या के बाद विवेक बना था नक्सली

बोकारो, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आतंक माने जाने वाले प्रयाग मांझी उर्फ विवेक और उसके दस्ते के अन्य लोगों के मारे जाने के बाद माना जा रहा है कि बोकारो जिले से नक्सलियों की कमर लगभग टूट चुकी है। कुछ लोगों की मानें तो संगठन के इन इनामी और बड़े पदाधिकारियों के मारे जाने के बाद संभव है छोटे नक्सली सरेंडर कर देंगे, या फिर अपना रास्ता बदल लेंगे।

बोकारो में सोमवार को सुरक्षाबलों ने लुगू पहाड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक दा, साहबराम मांझी और अरविंद यादव समेत 8 नक्सलियों को मार गिराया था। प्रयाग मांझी उर्फ विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के दल्लूगोड़ा का रहने वाला था। 1980 के दशक में प्रयाग के परिवार समेत पूरे गांव के लोग महाजनी प्रथा व सूदखोरों से परेशान थे। उसी दौरान प्रयाग इलाके में सक्रिय भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस

मुठभेड़ के बाद 4 इंसास, 1 एसएलआर, 8 देसी रायफल, एक रिवॉल्वर और गोलियां बरामद की गई

के संपर्क में आया। प्रयाग ने जीयतराम राय नामक महाजन को बम विस्फोट में उड़ा दिया। उसके बाद प्रयाग गांव से फरार हो गया, तो फिर कभी नहीं लौटा। वह प्रशांत बोस के गिरोह में शामिल होकर लगातार वारदातों को अंजाम देने लगा। धीरे-धीरे संगठन में प्रशांत बोस के बाद इलाके का नंबर 2 बन बैठा।

वहीं, जनवरी में बोकारो में ही हुए एनकाउंटर में दो नक्सली साहबराम मांझी और अरविंद यादव बच कर भाग निकले थे। वे सोमवार को मारे गए। एडीजी संजय आनंद लाठकर ने कहा कि नावाडीह प्रखंड के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के वंशीजरवा जंगल में इसी साल 22 जनवरी को मुठभेड़ में दो नक्सली मनोज टुडू और शांति देवी मारे गए थे। उस दौरान ये दोनों भाग गए थे। झुमरा व लुगू पहाड़ तथा नवाडीह जंगल परपुलिस और भाकपा माओवादियों के बीच मुठभेड़ का सिलसिला पिछले 25 वर्षों से चल रहा है। बोकारो जिले में अब तक तीसरी बार मुठभेड़ में भाकपा माओवादियों को मारकर शव बरामद किया गया है।

पहली बार मुठभेड़ में गोमिया प्रखंड के हुरलुंग के जोरिया गांव में 10 जनवरी 2011 को हुई थी। इसमें तीन भाकपा माओवादियों को मार गिराया था। दूसरी घटना 22 जनवरी 2025 कोनावाडीह प्रखंड के पेंक थाना के पोखरिया केवंशी जंगल में पुलिस व भाकपा माओवादियों की मुठभेड़ में दो नक्सलियों का शव बरामद किया गया था। वहीं, तीसरी घटना सोमवार को हुई।

इसमें आठ नक्सलियों को मार गिराया गया। गिरिडीह जिले के पीरटांड़ थाना क्षेत्र के करंदो के रहने वाले साहबराम मांझी पर सरकार ने 10 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

सीजीपीएससी घोटाला, पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को नहीं मिली बेल

नेता–रसूखदारों के साथ रिश्तेदारों का कराया सिलेक्शन, जेल में बंद हैं आरोपी अफसर

बिलासपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सीजी-पीएससी घोटाला केस में फंसे पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी की जमानत अर्जी को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने 17 अप्रैल को सोनवानी की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। जिस पर आज आदेश जारी करते हुए यह फैसला सुनाया है।

दरअसल, सीजी-पीएससी की 2020-2021 की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई थी। भाजपा के सीनियर लीडर ननकीराम कंवर ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी लगाई थी। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों की सूची भी हाईकोर्ट को दी थी। जिसमें नेता, अधिकारी

और रसूखदार कारोबारियों के रिश्तेदारों का सिलेक्शन किया गया। बता दें कि, अब घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई की टीम ने पिछले साल नवंबर में पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के वक्त सोनवानी सरगुजा में अपने गांव से मैनपाट जा रहा था, जहां उसका आलीशान फॉर्म हाउस है। तब से पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, नितेश सोनवानी और पूर्व डिप्टी एग्जाम कंट्रोलर ललित गनवीर को जेल में बंद हैं। सीबीआई के मुताबिक, सोनवानी के कार्यकाल में पीएससी में हुई भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है।

आरोप है कि, उन्होंने अपने कई करीबी रिश्तेदारों और कांग्रेस नेताओं और अधिकारियों के 18 रिश्तेदारों की नौकरी लगवाई है। जांच में पैसों के लेन-देन के पुख्ता सबूत मिले हैं। सीजीपीएससी 2019 से 2022 तक की भर्ती में कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर विवाद है। ईओडब्ल्यू और अर्जुंदा पुलिस ने भ्रष्टाचार-अनियमितता के आरोप में केस दर्ज किया है।

पीएससी ने 2020 में 175 पदों पर और 2021 में 171 पदों पर परीक्षा ली थी। इन्हीं भर्तियों को लेकर ज्यादा विवाद है। आरोप है कि तत्कालीन चेयरमैन सोनवानी ने अपने रिश्तेदारों समेत कांग्रेसी नेता और ब्यूरोक्रेट्स के बच्चों की नौकरी लगवाई है।

झारखंड में वन भूमि घोटाले को लेकर ईडी की रेड

15 ठिकानों पर छापेमारी, बोकारो-रांची के कई हिस्सों में पूछताछ कर रहे अधिकारी

रांची, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। मंगलवार सुबह ईडी की टीम ने बोकारो वन विभाग के दफ्तर, सीओ कार्यालय, धनबाद और रांची के लालपुर स्थित हरिओम टावर, कांके और हटिया समेत कई इलाकों में छापेमारी की।

रांची में यह कार्रवाई एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के दफ्तरों और उससे जुड़े लोगों के आवास पर की गई। ईडी के अधिकारी दस्तावेजों की जांच के साथ पूछताछ भी कर रहे हैं। वहीं, बोकारो के रितुडीह और सेक्टर 3 स्थित आवास, उकरीद स्थित रैयत इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन के आवास पर भी ईडी ने रेड की है। बताया जा रहा है कि

झारखंड और बिहार में कुल 15 ठिकानों पर यह छापेमारी की गई है। यह रेड बोकारो में सामने आए वन भूमि घोटाले को लेकर की गई है। ईडी ने धनबाद में रजिस्ट्रार रामेश्वर प्रसाद सिंह के हीरापुर स्थित सरकारी आवास और डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी के झारूडीह स्थित देव बिहार अपार्टमेंट में स्थित निजी फ्लैट की तलाशी ली। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रजिस्ट्रार पहले बोकारो में तैनात थे। डीटीओ द्विवेदी राजधानी रांची के कांके में सर्कल ऑफिसर (सीओ) के पद पर कार्यरत रह चुके हैं। बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा में लगभग 100 एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जे और घोटाले का मामला 2022 में सामने आया था।

आरोप है कि भू-माफियाओं ने प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से यह जमीन एक निजी कंपनी को सौंप दी। जांच में पता चला कि वर्ष 2013 में चास थाना क्षेत्र के वन विभाग के प्लॉट को पुरानी परती भूमि के रूप में दर्ज कर लिया गया। इसके बाद मुकदमा दायर किया गया। इसके बाद से जांच शुरू हो गई।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को होगा

निधन के बाद पोप की पहली तस्वीर सामने आई, ताबूत के पास प्रार्थनाएं की गईं

वेटिकन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को किया जाएगा। जानकारी वेटिकन ने दी है। निधन के बाद उनकी पहली तस्वीर भी जारी की गई है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। शव के पास ही धार्मिक नेताओं द्वारा प्रार्थनाएं की गईं। अंतिम संस्कार की तैयारी आज से शुरू होगी। कैथोलिक चर्च के कार्डिनल (पादरी) आज वेटिकन आएंगे। अंतिम संस्कार में दुनियाभर के नेता और आम लोग जुटेंगे। पोप का सोमवार को 88 साल की उम्र में निधन हुआ। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। वेटिकन के मुताबिक पोप का निधन स्ट्रोक और हार्ट फैलियर से हुआ। इटैलियन मीडिया ने भी बताया था कि ब्रेन स्ट्रोक की वजह से पोप के दिमाग में रक्तस्राव हो गया था। अपनी मृत्यु से एक दिन पहले पोप फ्रांसिस ने ईस्टर संडे के लिए मौन आशीर्वाद दिया।

उन्होंने एक बयान जारी कर गाजा समेत दुनिया भर में चल रहे संघर्ष पर बात की और शांति की अपील की।

पोप के निधन पर भारतीय गृह मंत्रालय ने 3 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। पहले दो दिन का राष्ट्रीय शोक 22 और 23 अप्रैल को रहेगा, जबकि तीसरे दिन का राष्ट्रीय शोक अंतिम संस्कार वाले दिन रहेगा। कल रात 11:30 बजे वेटिकन में पोप का शव ताबूत में रखा गया। उनके वेटिकन स्थित सेंट मार्था निवास पर कार्डिनल केविन जोसेफ फैरेल ने उनका शव ताबूत में रखा। बुधवार को उनका शव सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा जा सकता है। पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार होगा। इसमें कई दिनों तक चलने वाले धार्मिक अनुष्ठान होंगे। उनके पार्थिव शरीर को दर्शनों के लिए रखा जाएगा। दुनिया भर से लोग अंतिम संस्कार से पहले उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे।

पोप फ्रांसिस को वेटिकन में नहीं दफनाया जाएगा। वे एक सदी से भी ज्यादा वक्त में वेटिकन के बाहर दफन होने वाले पहले पोप होंगे। आमतौर पर पोप को वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसिलिका के नीचे गुफाओं में दफनाया जाता है। लेकिन पोप फ्रांसिस को रोम में टाइबर नदी के दूसरी तरफ मौजूद सांता मारिया मैगीगोर बेसिलिका में दफनाया जाएगा।

पोप ने सांता मारिया मैगीगोर बेसिलिका में अपने दफन होने का बात का खुलासा दिसंबर 2023 में किया था। उन्होंने बताया था कि वे मैगीगोर बेसिलिका से खास जुड़ाव महसूस करते हैं। वे यहां वर्जिन मैरी के सम्मान में रविवार की सुबह जाते थे।

ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने केस किया

अमेरिकी सरकार ने 2.2 अरब डॉलर की फंडिंग पर रोक लगाई थी

वॉशिंगटन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार यूनिवर्सिटी पर राजनीतिक दबाव बनाकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड ने इसे यूनिवर्सिटी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन का आरोप लगाया है।

दरअसल ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड की 2.2 अरब डॉलर फंडिंग पर रोक लगा दी है। साथ ही विश्वविद्यालय से यह भी मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपे।

प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा था।

हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स ने आरोप लगाया है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। कोर्ट में दायर याचिका में ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को एक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में यूनिवर्सिटी को कुछ शर्तें पूरी करने के लिए कहा गया था। ऐसा न करने पर यूनिवर्सिटी की संघीय फंडिंग पर रोक लगाने की धमकी दी गई।

इस कदम के पीछे ट्रम्प प्रशासन का दावा था कि हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान एंटी-सेमिटिज्म (यहूदियों के खिलाफ नफरत) को रोकने में नाकाम रहे हैं। प्रशासन ने आरोप लगाया कि कैंपस में यहूदी छात्रों और प्रोफेसरों के खिलाफ भेदभाव हो रहा है। यूनिवर्सिटी को मिलने वाली फंडिंग सर्च, स्टूडेंट स्कॉलरशिप, और कई साइंस और मेडिकल प्रोजेक्ट्स के लिए बेहद जरूरी है।

गाजा में जारी इजराइल-हमास जंग के खिलाफ पिछले साल अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों में हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया था।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा

खाई में गिरी वैन, 16 लोगों की मौत, 30 घायल

इस्लामाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिणी पाकिस्तान में एक तेज रफ्तार वैन खाई में गिर गई। हादसे में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। 30 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना सोमवार को सिंध प्रांत के जमशोरो जिले में हुई। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना पहाड़ी क्षेत्र में उस वक्त हुई, जब वैन के चालक ने तेज गति के कारण वाहन पर नियंत्रण खो दिया और वैन खाई में गिर गई। वैन पंजाब प्रांत के लापारी से सिंध प्रांत के बादिन जा रही कोल्ही जनजाति के सदस्यों को ले जा रही थी। पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और मृतकों और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डिप्टी कमिश्नर गजनफर कादरी ने बताया कि वैन में मजदूर सवार थे, जो बलूचिस्तान में गेहूं की कटाई का काम पूरा करके घर लौट रहे थे। सूत्रों के अनुसार, मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है और कुछ घायलों की हालत गंभीर है।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम बात हैं। पाकिस्तान में घातक यातायात दुर्घटनाओं के मामले में दुनिया के सबसे खराब रिकॉर्ड हैं। इसके लिए खराब सड़कें, खराब रखरखाव वाले वाहन और लापरवाही से गाड़ी चलाना बड़े कारण हैं।

पहली बार पुतिन के बेटे की तस्वीर सामने आई

टेलीग्राम चैनल ने दो फोटो जारी की, 4 साल का एक छोटा भाई भी

मॉस्को, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 10 साल के बेटे की तस्वीर पहली बार दुनिया के सामने आई है। ब्रिटिश न्यूज वेबसाइट डेली मेल ने टेलीग्राम चैनल VChK-OGPU के हवाले से दो तस्वीरें जारी की हैं।

इन्हें लेकर दावा किया गया है कि ये दोनों तस्वीरें पुतिन के बेटे इवान व्लादिमीरोविच पुतिन हैं। जिनकी मां का नाम एलिना काबेवा है, जो एक जिमनास्ट हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इवान लोगों से बहुत कम बातचीत करता है और अपना ज्यादातर वक्त सिक्योरिटी गार्ड्स और टीचर के साथ ही बिताता है। इवान का एक छोटा भाई व्लादिमीर जूनियर भी है, जिसकी उम्र 4 साल है, लेकिन आजतक उसकी कोई तस्वीर सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संभवतः यह पहली बार है जब पुतिन के बेटे की तस्वीर सामने आई है।

इवान का चेहरा पुतिन काफी मिलता जुलता नजर आ रहा है।

पुतिन ने कभी भी अपने से 30 छोटी ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट एलिना काबेवा के साथ रिश्ते में होने की पुष्टि नहीं की।

हालांकि 5 महीने पहले उन्होंने एक बयान में 'मेरे छोटे बच्चों' के साथ फिल्में देखने का जिक्र किया था। आज तक कभी भी पुतिन के बेटों को सार्वजनिक तौर पर नहीं देखा गया है, वे ज्यादातर समय हाई सिक्योरिटी के बीच ही रहते हैं।

रूस की फेमस वुमन है एलीना

एलीना और पुतिन के अफेयर की अफवाह समय-समय पर उड़ती रही हैं। जिमनास्ट के खेल से रिटायर होने के बाद एलीना राजनीति में शामिल हो गईं थीं। यही नहीं एलीना पुतिन की यूनाइटेड रसिया पार्टी से सांसद बनीं। एलीना ने सिंगर बनने की भी काफी कोशिश की थी, लेकिन सफल न हो सकीं।

साल 2007 से 2014 तक एलीना रूसी संसद के निचले सदन की डिप्टी स्टेट ड्यूमा रह चुकी हैं। इसके अलावा वो सितंबर 2014 में रूस के नेशनल मीडिया ग्रुप के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की चेयरवुमेन पद पर नियुक्त की गई थीं।

व्लादिमीर पुतिन ने 1983 में ल्यूडमिला से शादी की थी। उनकी बेटियों के नाम मारिया और कैटरीना हैं। पुतिन और ल्यूडमिला के बीच 2013 में तलाक हो गया था। हालांकि, इसके बाद पुतिन ने अभी तक कोई शादी नहीं की।

पुतिन की बड़ी बेटी क्रेमलिन में काफी पावरफुल

व्लादिमीर पुतिन की बड़ी बेटी डॉ. मारिया वोरन्तसोवा क्रेमलिन यानी रूसी राष्ट्रपति भवन में काम करती हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर वे रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय में नेशनल मेडिकल रिसर्च सेंटर फॉर एंडोक्रोनोलॉजी डिपार्टमेंट में प्रमुख रिसर्चर हैं।

पुतिन की छोटी बेटी कैटरीना तिखोनोवा भी क्रेमलिन में काम करती हैं। वे रक्षा विभाग में टेक सपोर्ट से जुड़े काम देखती हैं। कैटरीना ने 2015 में रूस के क्रिल शामलोवी से शादी की थी। व्हाइट हाउस के मुताबिक कैटरीना के पास करीब 15,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। उनके पति शामलोवी रशियन बैंक में शेयर होल्डर भी हैं।

पुतिन बेहद खुफिया जीवन जीते हैं। उन्होंने कभी सार्वजनिक तौर पर यह स्वीकार नहीं किया कि उनके कितने बच्चे हैं। लेकिन पूर्व पत्नी ल्यूडमिला ओचेरेत्नाया से पुतिन की बेटियां काफी मशहूर हैं। पुतिन की दोनों बेटियां बिजनेसवुमन मारिया वोरोत्सोवा और कैटरीना तीखोनोवा हाई प्रोफाइल महिलाएं हैं।

चैट लीक होने पर डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का किया बचाव

कहा- यह असंतुष्ट कर्मचारियों का काम

वॉशिंगटन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हूतियों को लेकर दूसरी बार चैट लीक करने के आरोपों का सामना कर रहे रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बचाव किया है। उन्होंने कहा कि यह असंतुष्ट कर्मचारियों का काम है। हेगसेथ अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए अंसतुष्ट कर्मचारी उनको निशाना बना रहे हैं। व्हाइट हाउस ने भी हेगसेथ का समर्थन किया है।

पिछले दिनों रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर आरोप लगा है कि उन्होंने यमन में हूतियों पर अमेरिकी हवाई हमले से संबंधित अहम जानकारी सिग्नल एप पर साझा की। जिस चैट ग्रुप में ये अहम खुफिया जानकारी साझा की गई, उस ग्रुप में हेगसेथ की पत्नी और भाई भी शामिल हैं। इसे लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हेगसेथ का बचाव किया। ईस्टर एग रोल कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि असंतुष्ट कर्मचारियों का काम है। सभी जानते हैं कि हेगसेथ को रक्षा विभाग में बुरे लोगों से छुटकारा दिलाने के लिए रखा गया था। वे वही कर रहे हैं। इसलिए जब ऐसा होता है तो आपके हमेशा दोस्त नहीं बनते। हूतियों से पूछना चाहिए कि यमन में कितनी अव्यवस्था फैली है।

व्हाइट हाउस ने भी विवाद को हेगसेथ और असंतुष्ट पेंटागन कर्मचारियों के बीच नौकरशाही लड़ाई बताया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ऐसा तब होता है जब पूरा पेंटागन आपके खिलाफ काम कर रहा हो और उस बड़े बदलाव के खिलाफ काम कर रहा हो जिसे आप लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चैट लीक करने के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने असंतुष्ट पूर्व कर्मचारियों और मीडिया पर प्रतिष्ठा को बर्बाद करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

इजरायली सैनिकों की वापसी 5-7 साल का युद्धविराम

यरुशलम, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम वार्ता की मध्यस्थता कर रहे मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने गाजा में शांति के लिए नया फॉर्मूला पेश किया है। बीबीसी ने वार्ता से परिचित एक फिलिस्तीनी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है।

प्रस्ताव में गाजा में पांच से सात साल का युद्ध विराम, इजरायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी इजरायली बंधकों की रिहाई, युद्ध का औपचारिक अंत और गाजा से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी की बात कही गई है। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए चरमपंथी संगठन हमास का प्रतिनिधिमंडल काहिरा पहुंचने वाला था। इसके पहले इस साल की शुरुआत में इजरायल और हमास युद्धविराम पर सहमत हुए थे, जो बीते मार्च महीने में टूट गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा पर बमबारी फिर से शुरू कर दी थी। दोनों पक्षों ने इसे जारी रखने में विफलता के लिए एक दूसरे को दोषी ठहराया था। इजरायल ने मध्यस्थों की योजना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रस्ताव पर काहिरा में चर्चा होने वाली है, जिसमें हमास के राजनीतिक परिषद के प्रमुख मोहम्मद दरवेश और उसके मुख्य वार्ताकार खलील अल-हय्या करेंगे।

भीषण गर्मी से वन्यजीवों को बचाने के लिए की जा रही पानी की बौछार

दुर्ग, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रचंड गर्मी ने न केवल आम लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, बल्कि वन्यजीव भी इससे अछूते नहीं हैं। भिलाई के प्रसिद्ध मैत्री बाग चिड़ियाघर के प्रबंधन ने दुर्लभ वन्यजीवों को इस तपिश से राहत देने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मैत्री बाग में रोजाना एक खास नजारा देखने को मिलता है। सफेद शेरों के इनक्लोजर में पानी का छिड़काव किया जाता है, ताकि वहां ठंडक बनी रहे और शेरों का शरीर तापमान नियंत्रित रहे। गर्मी को ध्यान में रखते हुए वन्यजीवों की डाइट में भी बदलाव किया गया है।

शेर और भालू जैसे जानवरों को ठंडा मांस दिया जा रहा है, जबकि बंदरों और अन्य छोटे जानवरों को तरबूज-खरबूज जैसे फल दिए जा रहे हैं।

भारत के पड़ोसी मालदीव को धीरे-धीरे निगल रहा समुद्र

एक भारतीय द्वीप पर भी डूबने का खतरा, पृथ्वी दिवस पर समझें डर

माले, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हर साल 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें जीवन देने वाली धरती की देखभाल करने और मिट्टी से फिर से जुड़ने के लिए एक कार्रवाई का आह्वान है। आज जब हम इंसानों ग्लोबल वॉर्मिंग और प्रदूषण जैसी समस्या का विकराल रूप में बढ़ा दिया है, इसका महत्व और ज्यादा हो गया है। पृथ्वी दिवस पर हमें हमारी धरती के ऊपर मंडरा रहे उन खतरों को पहचानने की जरूरत है, जिनका असर हमारे आने वाली पीढ़ियों पर गंभीर रूप से पड़ेगा। यह खतरा भारत के मुहाने तक पहंच गया है, जहां हमारा एक पड़ोसी देश पर डूब जाने का खतरा मंडरा रहा है। यही नहीं, एक भारतीय द्वीप पर भी खतरे की जद में है।

भारत के पड़ोस में हिंद महासागर में मौजूद द्वीपीय देश मालदीव पर्यटकों के लिए स्वर्ग की तरह है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह दुनिया के सबसे निचले देश का खिताब भी रखता है। हिंद महासागर के बीच में मौजूद इस पूरे देश की समुद्र तल से औसत ऊंचाई केवल 1.5 मीटर है। इसी से कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर मौजूद है, भारत का सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप। नीले पानी के बीच बसे मालदीव और लक्षद्वीप एक स्वर्ग जैसी दुनिया का अहसास दिलाते हैं। लेकिन उनके रोमांटिक तस्वीरों के पीछे एक चौंकाने वाला सच छिपा है। हर दिन उन्हें समुद्र निगल रहा है। अपने 1190 द्वीपों में फैला मालदीव का 80 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र समुद्र तल से 1 मीटर से भी कम ऊंचा है। इसके कारण मालदीव के लिए बढ़ते समुद्र के स्तर का खतरा सबसे ज्यादा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, 1901 से 2018 तक वैश्विक समुद्र स्तर में 15-25 सेमी की वृद्धि हुई है। इसमें औसत वार्षिक वृद्धि 1-2 मिमी है। हालांकि, 2013 से 2022 तक वार्षिक वृद्धि 4.62 मिमी/वर्ष हो गई है, जो पिछले दशक में तेज गति का संकेत है।

समुद्र स्तर में वृद्धि की तेज दर, साथ ही भविष्य में होने वाली संभावित वृद्धि मालदीव के लिए एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। जलवायु वैज्ञानिकों ने साल 2050 तक इसके कई द्वीपों के संभावित रूप से जलमग्न होने के साथ ही बड़े पैमाने पर भूमि के डूब जाने का अनुमान लगाया है। बढ़ते समुद्र स्तर का प्रभाव पूरे देश के लिए अनिश्चित बना हुआ है। लेकिन इस खतरे को केवल मालदीव तक ही सीमित मान लेना सही नहीं है।

आईआईडी खड़गपुर और विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के एक अध्ययन के अनुसार, लक्षद्वीप द्वीपसमूह को भी बढ़ते समुद्र स्तर के चलते भविष्य में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आव्रजन एजेंट रिकर्स द्वीप जेल में नहीं कर सकेंगे काम

न्यायाधीश ने न्यूयॉर्क के मेयर के आदेश पर लगाई रोक

न्यूयॉर्क, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संघीय आव्रजन एजेंट अब रिकर्स द्वीप जेल परिसर से काम नहीं कर सकेंगे। न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश ने मेयर एरिक एडम्स की ओर से आव्रजन एजेंटों को दी गई अनुमति पर अस्थायी रोक लगा दी है। एरिक एडम्स के आदेश के खिलाफ दायर मुकदमे पर 25 अप्रैल को सुनवाई होनी है। इससे पहले लिखित आदेश में न्यायाधीश मैरी रोसाडो ने मेयर को संघीय सरकार के साथ किसी भी समझौता ज्ञापन पर बातचीत, हस्ताक्षर या कार्यान्वयन की दिशा में कोई भी कदम उठाने से रोक दिया।

न्यूयॉर्क मेयर एरिक एडम्स ने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और अन्य संघीय एजेंसियों को जेल परिसर में कार्यालय बनाए रखने की अनुमति दी थी। इसके खिलाफ न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने न्यायालय में मुकदमा दायर करके कार्यकारी आदेश को रोकने की मांग की है। मुकदमे में डेमोक्रेट एडम्स पर न्याय विभाग द्वारा उनके खिलाफ आपराधिक आरोपों को वापस लेने के बदले में ट्रंप प्रशासन के साथ भ्रष्ट सौदेबाजी में प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है। इस

मुकदमे की सुनवाई 25 अप्रैल को होनी है।

मुकदमे में कहा गया है कि जेल परिसर में आव्रजन एजेंटों और अन्य संघीय एजेंसियों की मौजूदगी उन्हें गिरोह और नशीली दवाओं से संबंधित जांच में सहायता करने की अनुमति देगी, लेकिन नागरिक आव्रजन प्रवर्तन में उनकी कोई भूमिका नहीं होगी। वहीं एडम्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि सुनवाई से पहले शहर ट्रंप प्रशासन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

एडम्स ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने पहले डिप्टी मेयर रैंडी मैस्ट्रो को रिकर्स द्वीप पर आव्रजन एजेंटों की वापसी पर सभी निर्णय लेने के लिए नियुक्त करेंगे ताकि किसी संघर्ष की स्थिति न बने। वहीं मैस्ट्रो ने पिछले सप्ताह कहा था कि योजना पर संघीय सरकार के साथ चर्चा जारी है।

सिटी काउंसिल के अध्यक्ष एड्रिएन एडम्स के प्रवक्ता जूलिया एगोस ने कहा कि परिषद ट्रंप प्रशासन और उसके एजेंटों द्वारा हमलों के खिलाफ सभी न्यूयॉर्क वासियों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करने का प्रयास कर रहा है। हम न्यायाधीश रोसाडो के निर्णय की सराहना करते हैं। उन्होंने शुक्रवार की सुनवाई तक प्रशासन और संघीय एजेंसियों के बीच किसी भी समझौते पर बातचीत या क्रियान्वयन को रोक दिया है ताकि समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आव्रजन एजेंटों की पहले रिकर्स द्वीप में उपस्थिति थी, लेकिन 2014 में न्यूयॉर्क शहर के अभ्यारण्य कानूनों के तहत उन्हें आव्रजन प्रवर्तन के साथ सहयोग को सीमित करने के तहत वहां काम करने से प्रभावी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

दुर्ग के कारोबारी से रिश्वत मांगने के आरोप में फंसे जीएसटी अफसर ने लगाई याचिका

बिलासपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग के एक कारोबारी से 34 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में फंसे जीएसटी अफसर की गिरफ्तारी के बाद हाइकोर्ट में मामला पहुंचा है। इस मामले में सीबीआई ने एक अन्य विनय राय को अभियुक्त के रूप में पकड़ा था। दरअसल, दुर्ग के मेसर्स द वर्ल्ड ऑफ ब्यूटी के मालिक लाल चंद अठवानी से रिश्वत की मांग की गई थी। इस मामले में एक आरोपी को पांच लाख रुपये लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा गया था। सीबीआई ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

भारतीय मूल के एफबीआई डायरेक्टर ने खालिस्तानियों पर चलाया डंडा

पहला बड़ा विकेट गिरा, काश पटेल ने भारत विरोधियों को किया खबरदार

वॉशिंगटन, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत विरोधी खालिस्तानी गुंडों ने अभी तक अमेरिका को अपना सुरक्षित ठिकाना बना लिया था। लेकिन भारतीय मूल के काश पटेल जैसे ही एफबीआई के डायरेक्टर बने, उन्होंने खालिस्तानियों पर डंडे चलाना शुरू कर दिया है।

फेडरल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानि एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने सोमवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए कहा है कि हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने साफ साफ शब्दों में लिखा है कि अमेरिका की धरती

पर अब भारत विरोधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल से रिश्ता रखने वाले हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी के बाद "न्याय किया जाएगा", जो पंजाब में कई आतंकवादी हमलों से जुड़ा हुआ है। काश पटेल ने एफबीआई टीम की तारीफ करते हुए लिखा है कि एफबीआई सैक्रामेंटो ने भारतीय अधिकारियों के सहयोग से जांच टीम का नेतृत्व किया था।

काश पटेल ने लिखा है कि गिरफ्तार। हरप्रीत सिंह, अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे एक कथित विदेशी आतंकवादी गिरोह का हिस्सा है, जिसके बारे में हमारा मानना है कि वह भारत और अमेरिका दोनों जगहों पर पुलिस स्टेशनों पर कई हमलों की योजना बनाने में शामिल था।

काश पटेल ने आगे लिखा है कि एफबीआई सैक्रामेंटो ने स्थानीय और भारत में अपने सहयोगियों के साथ कॉर्डिनेशन करते हुए इसकी जांच की। सभी ने बेहतरीन काम किया और अब इंसाफ होगा। इसके अलावा उन्होंने भारत विरोधियों को खबरदार करते हुए लिखा है कि एफबीआई हिंसा करने वालों को ढूंढना जारी रखेगी, चाहे वे कहीं भी हों।

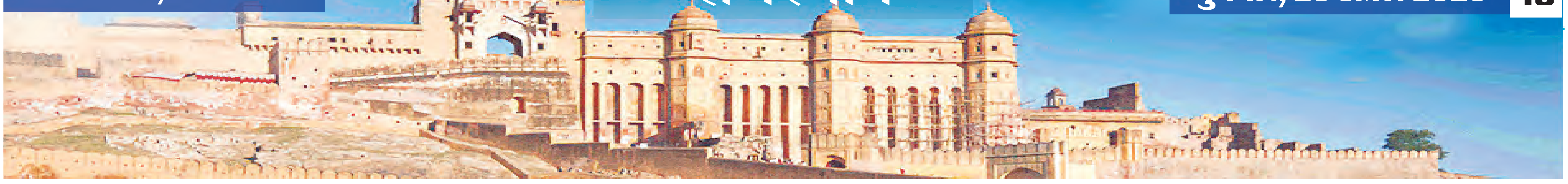

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले
सिविल सेवाओं में भ्रष्टाचार संघीय राजनीति के लिए हानिकारक

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि निरंतर विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सिविल सेवाएं सर्वोपरि हैं, लेकिन इसका भ्रष्टाचार संघीय राजनीति के लिए खतरनाक है। सिविल सेवा दिवस पर जयपुर में फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए धनखड़ ने देश भर के सिविल सेवकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र और शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विकास की दिशा तय करते हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग पार्टियां शासन करती हैं, जिससे सिविल सेवाओं की भूमिका का महत्व बढ़ जाता है।

सिविल सेवकों को संघवाद का रक्षक बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें व्यवस्थित और नियम-आधारित तरीके से काम करने का संकल्प लेना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अगर सिविल सेवक राजनीतिक व्यवस्था, राजनेताओं या उद्योग, व्यापार, व्यवसाय और वाणिज्य के चुनिंदा लोगों के साथ गठबंधन करते हैं, तो इससे पूरी व्यवस्था कमजोर होती है। उन्होंने कहा कि यह संघीय व्यवस्था के लिए भी बेहद खतरनाक है।

धनखड़ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे उच्चतम मानकों का उदाहरण स्थापित करेंगे और पारदर्शिता और जवाबदेही लाएंगे। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और खनिज, वस्त्र, हस्तशिल्प, सेवा उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा में मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में राजस्थान की प्रगति की विभिन्न संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजस्थान सेवा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा के विकास के लिए एक प्राकृतिक क्षेत्र है, फिर भी ग्रीनफील्ड परियोजनाएं नहीं आ रही हैं।

धनखड़ ने फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) जैसे संगठनों से राज्य के उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर केंद्रित थिंक-टैंक स्थापित करने का आह्वान किया। जयपुर को विश्व स्तरीय शहर बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सेवाओं और आईटी उद्योगों के केंद्र के रूप में अधिक ध्यान, विकास और मान्यता का हकदार है। उन्होंने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण जीवन और भोजन प्रदान करने की क्षमता है।

कमलेश प्रजापत फर्जी एनकाउंटर
हनुमान बेनीवाल बोले, राजनीतिक संरक्षण में किया एनकाउंटर

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित कमलेश प्रजापत फर्जी एनकाउंटर मामले में एक बड़ा मोड़ आया है। अब सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस मामले में निशाना साधा है। बेनीवाल ने कहा है कि बाड़मेर जिले के बहुचर्चित कमलेश प्रजापत फर्जी एनकाउंटर मामले में न्यायालय -अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीबीआई प्रकरण) जोधपुर महानगर द्वारा 2 आईपीएस अधिकारियों सहित 24 पुलिस कार्मिकों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने व पूर्व राजस्व मंत्री तथा वर्तमान बायतु विधायक व उनके भाई तथा तत्कालीन जोधपुर आईजी की भूमिका की भी जांच करने के आदेश देने व इस मामले में सीबीआई द्वारा दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने का निर्णय स्वागत योग्य है। मैंने लोक सभा में कई बार कमलेश प्रजापत फर्जी एकाउंटर के

दोषी नेताओं और अफसरों पर कार्यवाही की मांग भी उठाई थी। दिवंगत कमलेश प्रजापत की पत्नी के प्रार्थना पत्र पर न्यायालय की ओर से प्रसंज्ञान आदेश में वर्णित तथ्यों को पढ़ने से यह स्पष्ट होता है कि पुलिस ने एक राजनेता और उनके परिवार के संरक्षण में कमलेश प्रजापत का फर्जी एनकाउंटर किया था। देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसियों में से एक सीबीआई की जांच पर आम आदमी का भरोसा होता है। मगर इस मामले में सीबीआई द्वारा अपनी जांच में कांग्रेस सरकार के एक मंत्री और उसके भाई की भूमिका की जांच किए बिना ही क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने से यह भी स्पष्ट हो गया कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं ने इस मामले में कांग्रेस के नेता को बचाने में पूरा जोर लगाया था। जो भाजपा व कांग्रेस के आंतरिक गठजोड़ की सच्चाई पर मुहर भी लगाता है। हमें उम्मीद है दिवंगत कमलेश प्रजापत के परिजनों को न्याय मिलेगा।

एसीदेएम कोर्ट ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर असहमति जताते हुए आदेश दिए कि 24 पुलिसकर्मियों पर हत्या, आपराधिक षड्यंत्र, दंगा और साक्ष्य मिटाने जैसी धाराओं में केस दर्ज हो। सीबीआई को दो महीने के भीतर पूर्व मंत्री, आई, और अन्य अधिकारियों की भूमिका की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश भी दिया है।

वहीं, कहा कि प्रकरण को नियमित फौजदारी केस के तौर पर दर्ज किया जाए। साथ ही परिवादी जशोदा को मुकदमे की पैरवी के निर्देश, अभियुक्तों को गिरफ्तारी वारंट के जरिए तलब करने का आदेश दिया है। 22 अप्रैल 2021 को सदर थाना क्षेत्र के सेंट पॉल स्कूल के पीछे एक मकान में पुलिस कमलेश प्रजापत को पकड़ने गई थी। तब कमलेश ने एसयूवी गाड़ी का गेट तोड़ कर भागने की कोशिश की, इस दौरान पुलिस कमांडों ने गोली मार कर उनका एनकाउंटर कर दिया था। इसके बाद समाज के लोगों ने कई दिनो तक प्रदर्शन किया। जिसके चलते गहलोत सरकार ने 31 मई 2021 को जांच सीबीआई को सौंप दी थी। इसके बाद 29 दिसंबर 2022 को सीबीआई में एफआईआर दर्ज हुई थी।

बूंदी के पर्यटन को निखारने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी- दीया कुमारी

बूंदी, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी जयपुर से कोटा जाते समय बूंदी हाइवे पर कुछ देर रुकी। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत कर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि बूंदी की नैसर्गिकता, प्राकृतिक सौन्दर्यता और ऐतिहासिक महत्व का शाब्दिक वर्णन संभव नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यहां के पर्यटन स्थलों को संवारने और निखारने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों की भी इन धरोहरों को संजोने की नैतिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने बूंदी को पर्यटन हब बनाने एवं इसके लिए विशेष आर्थिक पैकेज जारी करने की मांग को लेकर उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर भाजपा नेता संजय लाठी और पर्यटन प्रेमी नारायण मंडोवरा ने उप मुख्यमंत्री को बूंदी शैली का चित्र भेंट किया और बूंदी में पर्यटन विभाग के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होने सुख महल, चौरासी खंभों की छतरी में रंग-रोगन व विद्युत सज्जा तथा रानी जी की बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कुंज बिहारी बील्या, शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी, सभापति सरोज अग्रवाल, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत और अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ ने जिलाध्यक्ष मनोज खटीक के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। संघ के महासचिव वरुण शर्मा ने बताया

कि बजट घोषणा में आईएएस पैटर्न के अनुसार 2 वर्ष की अनुभव छूट की घोषणा के बावजूद शिक्षा विभाग द्वारा अब तक विभागीय आदेश जारी नहीं किया गया है, जबकि सहायकों के संविदा सेवा रूल्स 2022 में यह व्यवस्था अडॉप्ट हो चुकी है।

बाड़मेर जिला अस्पताल में मरीजों का दर्द
शिव विधायक भाटी गंभीर, चिकित्सा मंत्री को लिखे पत्र में की बड़ी मांग

बाड़मेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर जिला अस्पताल में सोनोग्राफी जांच मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। ओपीडी में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को चिकित्सक जांच के बाद सोनोग्राफी के लिए लिखते हैं, लेकिन अस्पताल में जांच के लिए डेढ़ माह तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने गंभीरता दिखाते हुए चिकित्सा मंत्री को पत्र लिखा। जिसमें सरकारी अस्पतालों की बिगड़ती व्यवस्थाओं की पोल खोली है। साथ ही जिला अस्पताल बाड़मेर में एक नई सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध कराने की अनुशंसा की है।

बाड़मेर जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 3 हजार से ज्यादा मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या भी अधिक है। जांच के बाद लगभग 10 प्रतिशत मरीजों को सोनोग्राफी के लिए भेजा जाता है, यानी प्रतिदिन करीब 350 मरीजों को। लेकिन रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण अस्पताल में केवल 80-90 सोनोग्राफी ही हो पा रही हैं। बाकी मरीजों को वेटिंग में डाल दिया जाता है और उनका नंबर एक से डेढ़ माह बाद आता है।

मशीनें 4 विशेषज्ञ 3, कैसे मिटेगा मरीजों का दर्द

पत्रिका की पड़ताल में सामने आया कि अस्पताल में चार सोनोग्राफी मशीनें हैं, लेकिन उन्हें संचालित करने के लिए पर्याप्त डॉक्टर नहीं हैं। सोनोग्राफी सेंटर नए भवन में संचालित हो रहा है, जहां प्रतिदिन 80 से 90 मरीजों की जांच होती है। सेंटर पर दो रेडियोलॉजिस्ट तैनात हैं, जो ड्यूटी समय से अधिक समय तक काम कर रहे हैं। एक अन्य रेडियोलॉजिस्ट केवल गायनिक जांच कर पा रहे हैं। इससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है।

सेंटर पर हर दिन 90 मरीजों का पंजीयन किया जाता है। इसमें 30 से 35 मरीज वेटिंग वाले होते हैं, ऐसे में रोजाना नए आने वाले करीब 50 मरीजों की ही जांच हो पा रही है। कर्मचारी बताते हैं कि वे कोशिश करते हैं कि अधिक से अधिक मरीजों की जांच हो, कई बार ड्यूटी खत्म होने के बाद भी जांच की जाती है।

मेडिकल कॉलेज में एक आचार्य, एक सह आचार्य, एक सहायक आचार्य व दो वरिष्ठ रेजिडेंट के पद स्वीकृत हैं, जिसमें महज एक ही पदस्थापित है। जबकि अस्पताल में एक वरिष्ठ विशेषज्ञ व दो कनिष्ठ विशेषज्ञों के पद स्वीकृत हैं। जबकि यहां दो ही कार्यरत हैं , ऐसे में कुल 8 में से 5 पद रिक्त हैं।

रेडियोलॉजिस्ट की कमी है

अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की कमी है, इसलिए परेशानी हो रही है। हमारे पास तीन डॉक्टर हैं, इसमें एक तो गायनिक की कर पाते हैं। अस्पताल की ओपीडी तीन हजार पार है। हर दिन 300 से 350 मरीज सोनोग्राफी जांच के पहुंच रहे हैं। हमारा प्रयास रहता है कि गंभीर मरीज को परेशानी नहीं हो।

एक दिन पहले पथरी से पीड़ित एक मरीज अस्पताल पहुंचा। डॉक्टर ने सोनोग्राफी जांच लिखी, लेकिन सेंटर पर डेढ़ माह की वेटिंग दे दी गई। जब मरीज डॉक्टर के पास वापस पहुंचा और वेटिंग को लेकर बात की, तो डॉक्टर ने मजाक में कहा 'वोट जिसे दिए हैं, उससे कहिए मशीन लगवा दे।'इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

इधर, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने चिकित्सा मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में बताया कि अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन, सीटी स्केन एवं एमआरआई मशीन खराब होने से मरीज परेशानी झेल रहे है। साथ ही मरीजों के साथ चिकित्सक गैर जिम्मेदाराना बयान दिए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने जिला अस्पताल में विधायक कोष से सोनोग्राफी मशीन लगाने की अनुशंषा की।

नाबालिग से बलात्कार का प्रयास बचने के लिए कुएं में कूदी
गुस्साए लोगों ने वनपाल को जमकर पीटा

सवाईमाधोपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां रणथम्भौर बाघ परियोजना में कार्यरत एक वनपाल ने नाबालिग के साथ बलात्कार करने का प्रयास किया। इस दौरान नाबालिग बालिका बचाव के लिए कुएं में कूद गई।

बिन बारिश ही सड़क बन गई दरिया, अब राजस्थान के इस शहर में मोर्चा संभालने उतरेगी सेना, जानिए पूरा मामला

घटना के बाद ग्रामीणों ने बालिका को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने वनपाल के साथ मारपीट की। इससे वनपाल घायल हो गया। जिला अस्पताल से उसे गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया गया। जानकारी लगने पर परिजन थाने पर पहुंचे और शिकायत देकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पॉक्सो एवं एससी एसटी एक्ट में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार शिकायत में परिजनों ने बताया कि नाबालिग बालिका शौच के लिए जा रही थी। उसी दौरान आरोपी मुकेश गुर्जर ने उससे बलात्कार का प्रयास किया। बालिका खुद को बचाने के लिए चिल्लाई और कुएं में कूद गई। परिजनों ने ग्रामीणों की सहायता से नाबालिग बालिका को कुएं से बाहर निकाला।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी वनपाल मुकेश गुर्जर के साथ मारपीट की। इसके बाद परिजन देर शाम थाने पहुंचे और आरोपी वनपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपी वनपाल के खिलाफ पॉक्सो और एससी एसटी एक्ट में मामला दर्ज किया है।

प्रेम-प्रसंग के मामले में युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी
तीन महिलाओं समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

बालोतरा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। बालोतरा थाना क्षेत्र के गांव मवड़ी में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। बालोतरा पुलिस ने इस गुत्थी को सुलझाने के लिए विशेष टीम का गठन कर 72 घंटे से भी कम समय में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मामले की शुरुआत 13 अप्रैल को हुई, जब गांव मवड़ी निवासी युवक पूर्णसिंह पुत्र जोगसिंह सुबह घर से अपनी मोटर साइकिल पर निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने कई जगह तलाश करने के बाद 15 अप्रैल को बालोतरा के सिवाना थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद लापता युवक की कॉल डिटेल्स, सोशल नेटवर्किंग गतिविधियों और आपसी रिश्तों की छानबीन शुरू की।

17 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली कि जसोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत सरहद बामणी गांव की रेतीली ढाणी में एक युवक का शव जमीन में गड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के निर्देश पर विशेष टीम मौके पर पहुंची और खुदाई कर शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान पूर्णसिंह के रूप में हुई, जिसकी पुष्टि उसके परिजनों ने की। घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

प्रेम संबंध बना जानलेवा

पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि मृतक पूर्णसिंह के संबंध मवड़ी निवासी मनीष चौहान की बहन से थे। आरोपी पक्ष को यह रिश्ता स्वीकार नहीं था, जिसके चलते मनीष और उसके परिजनों ने मिलकर पूर्णसिंह की हत्या की साजिश रची। इसके तहत 15 अप्रैल को योजनाबद्ध तरीके से पूर्णसिंह को मवड़ी स्थित मनीष के घर बुलाया गया, जहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उसे बंधक बना लिया और फिर उसे बुरी तरह पीटा। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए रात के अंधेरे में उसे एक पिकअप वाहन में डालकर जसोल क्षेत्र की सुनसान रेतली ढाणी में ले जाया गया और गड्ढा खोदकर शव को जमीन में दफना दिया गया। शव के साथ मृतक की बाइक और अन्य सामान भी दबा दिया गया, ताकि कोई सुराग न मिले।

हत्या की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने डीएसपी निशांत भारद्वाज, थानाधिकारी सुरेश कुमार और अनुभवी अधिकारियों की विशेष टीम गठित की। टीम ने लगातार तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन, कॉल रिकॉर्ड और गुप्त सूचना तंत्र का उपयोग कर मुख्य आरोपी मनीष सहित अन्य चार आरोपियों को धरदबोचा। पूछताछ में उन्होंने हत्या की पूरी योजना और घटनाक्रम को स्वीकार किया।

हाई सिक्योरिटी जेल में बंदी की सेल से मिला मोबाइल और सिम
सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

अजमेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल, जिसे प्रदेश की सबसे सुरक्षित जेल माना जाता है, से हत्या के मामले में पिछले दो वर्षों से विचाराधीन बंदी सरजीत पुत्र सूबे सिंह की कोठरी से एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद हुए हैं। जेल प्रशासन की ओर से सिविल लाइन थाने में इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी राजवीर सिंह ने बताया कि यह मामला जेल प्रहरी खेतपाल सिंह की रिपोर्ट पर दर्ज हुआ है। रिपोर्ट में उल्लेख है कि 21 अप्रैल को वार्ड नंबर 4 की ड्यूटी में तैनात मुख्य प्रहरी योगेश कुमार मीणा और प्रहरी परमेश जाट ने जेल प्रशासन को वार्ड में निषेध सामग्री होने की आशंका जताई थी। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने ब्लॉक नंबर 2 और 3 की तलाशी के आदेश दिए।

तलाशी के दौरान ब्लॉक नंबर 3 की सेल संख्या दो, जिसमें बंदी सरजीत निरुद्ध है, वहां से एक काले रंग का की-पैड मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया गया। मोबाइल के साथ एक चार्जर भी मिला है, जिसका एडाप्टर पॉलिथीन में लपेटा हुआ था। इसके अलावा एक डाटा केबल भी जब्त की गई है। तलाशी के दौरान वार्ड के पोर्च क्षेत्र, विशेष रूप से फर्श और दीवार के कोनों से एक और सफेद रंग की सिम कार्ड मिली। पुलिस ने सभी बरामद सामग्रियों को जब्त कर लिया है और अब यह जांच की जा रही है कि मोबाइल जेल में कैसे पहुंचा और इसका इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा था। साथ ही जांच की जा रही है कि कहीं इसमें जेल कर्मचारियों की मिलीभगत तो नहीं है।

मिस्टर राजस्थान रहे युवक ने युवती से की जबरदस्ती
फ्रेंडशिप एक्सेप्ट नहीं करने पर दे डाली धमकी, फरार हो गए आरोपी

श्रीगंगानगर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के कोतवाली क्षेत्र दुर्गा मंदिर मार्केट के रमेश चौक के पास जिम 24 इंटू सेवन जिम में एक युवती से जबरदस्ती करने और उससे फ्रेंडशिप बनाने के लिए बार-बार पीछा करने पर पुलिस ने जिम संचालक समेत दो जनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यह जिम संचालक मिस्टर राजस्थान के खिताब से सम्मानित हो चुका है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जांच अधिकारी सेतिया पुलिस चौकी प्रभारी एसआई रामेश्वरलाल बिश्नोई ने बताया कि मुखर्जी नगर में संचालित इस जिम के संचालक सैफी अब्बास रिजवी और उसका साथी मोइन इस युवती का लगातार पीछा कर रहे थे। पहले यह युवती इस जिम में नौकरी करती थी तब से उससे फ्रेंडशिप के लिए दबाव बनाया जा रहा था। उसने जब नौकरी छोड़ी तो आरोपी उसके घर तक पीछा करने लग गए।

आखिर इस युवती ने तंग आकर जिला प्रशासन और पुलिस से शिकायत कर दी। इस पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उसे धमकाया कि उनसे फ्रेंडशिप नहीं की तो उठाकर ले जाएंगे।

जांच अधिकारी ने बताया कि जिम के संचालक सैफी अब्बास रिजवी पुरानी आबादी के केदार चौक का रहने वाला है। इसके साथी के बारे में भी साक्ष्य जुटाए गए हैं। इन दोनों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई लेकिन दोनों नहीं मिले।

नकली घी पकड़ा गया, आरोपी को दबोचा

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत देर रात बड़ी कार्रवाई की गई है। खाद्य विभाग की टीम ने देर रात कार्रवाई करते हुए 212 किलो नकली घी पकड़ा है। जिसे बाजार में खपाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस ने मौके पर एक आरोपी को दबोच लिया। दूसरा आरोपी फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। मामला श्रीगंगानगर इलाके का है। जहां देर रात नकली घी पकड़ा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि टीम को दिन में सूचना मिली थी कि शहर में नकली घी की बिक्री हो रही है। इस आधार पर चांडक कोठी के पास स्थित 'बिग डील मार्ट' पर दबिश दी गई, जहां पर सरस ब्रांड का नकली घी पाया गया। हालांकि उस समय वहां घी की मात्रा कम थी, इसलिए मुख्य सप्लायर तक पहुंचने के लिए टीम ने निगरानी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखा। कार्रवाई करते हुए बिग डील मार्ट पर पहुंचे दीपक शर्मा को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह यह घी ड्रीम सिटी इलाके से लाता था।

जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, झगड़े में बुजुर्ग की मौत

राजसमंद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजसमंद जिले की आमेट तहसील के सोमतलिया गांव में जमीन को लेकर उपजे आपसी झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया। इसमें एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। यह विवाद मकान के पीछे बनी जमीन पर दीवार निर्माण को लेकर शुरू हुआ और देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। मृतक की पहचान ओगुलाल गुर्जर पुत्र तुलसाराम गुर्जर के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान थे। विवाद आईडाना ग्राम पंचायत के अंतर्गत सोमतलिया गांव में दो परिवारों के बीच उस समय शुरू हुआ जब एक पक्ष द्वारा मकान के पीछे दीवार बनाई जा रही थी। इस दीवार निर्माण का विरोध मृतक पक्ष की महिला ने किया, जिससे कहासुनी हुई और झगड़ा बढ़ गया। मृतक के भतीजे सुरेश गुर्जर ने बताया कि जब उनकी मां ने दीवार निर्माण का विरोध किया तो दूसरे पक्ष ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उनके काका ओगुलाल गुर्जर बीच-बचाव करने पहुंचे। लेकिन उन्हें जोर से धक्का दे दिया गया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई रमेश गुर्जर ने भी घटना की पुष्टि कर बताया कि जब झगड़ा शुरू हुआ तो ओगुलाल अपने परिवार की महिलाओं को बचाने पहुंचे थे। इस दौरान प्रभुलाल गुर्जर, जो मृतक का रिश्ते में भाई बताया जा रहा है, ने उन्हें धक्का दिया जिससे वे गिर पड़े और उनका वहीं दम टूट गया। घटना के बाद प्रभुलाल मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आमेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एएसआई हीर सिंह मेड़तिया, लाला राम बुनकर और पुलिस जाब्ते ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा हालात का जायजा लिया।

अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एसपी और कमिश्नरों से बातचीत की

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने राज्य भर में अपराध का पता लगाने और अपराधियों पर नजर रखने की दक्षता बढ़ाने के लिए अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) के तहत उन्नत तरीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। डीजीपी कार्यालय में मंगलवार को सभी जिला पुलिस अधीक्षकों और कमिश्नरों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में डीजीपी ने सीसीटीएनएस परियोजना के चल रहे क्रियान्वयन की समीक्षा की। बातचीत के दौरान डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि सीसीटीएनएस के तहत शुरू किए जा रहे नए उपकरणों और तकनीकों का विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधियों पर नजर रखने के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सक्रिय रूप से सिस्टम का उपयोग करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे फील्ड स्तर पर कर्मियों के लिए इसका अनुसरण करने के लिए एक उदाहरण स्थापित हुआ। डीजीपी ने ई-समन और ई-साक्ष्य जैसी डिजिटल सुविधाओं को व्यापक रूप से अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, तथा रेखांकित किया कि सीसीटीएनएस के माध्यम से उत्पन्न विशाल डेटा और सूचना पुलिसिंग प्रयासों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। पुलिस महानिदेशक ने उल्लेख किया कि आईसीजेएस योजना के तहत कंप्यूटर और कनेक्टेड उपकरणों के व्यापक वितरण के लिए तेलंगाना पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो सीसीटीएनएस बुनियादी ढांचे का महत्वपूर्ण समर्थन करता है। इसके अलावा, डॉ. जितेन्द्र ने बताया कि अब सीसीटीएनएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिस स्टेशनों का मूल्यांकन और चयन किया जा रहा है। डीजीपी ने सभी एसपी और आयुक्तों को इसका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने और सभी स्तरों पर इसके कार्यान्वयन की निगरानी करने का निर्देश दिया। डीजीपी ने सीसीटीएनएस उपयोग में मानक स्थापित करने के लिए निचले स्तर के कर्मचारियों के महत्व को दोहराया, जिससे राज्य की समग्र पुलिसिंग क्षमताएं मजबूत होंगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं), वी.वी. श्रीनिवास राव आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था), महेश एम. भागवत, डीसीपी (एल एंड ओ) और अन्य ने भाग लिया।

डीजीपी ने डीएसपी के बेटे की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता पर बधाई दी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, डॉ. जितेन्द्र ने ए. वेणुगोपाल, पुलिस उपाधीक्षक को प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा 2024 में उनके बेटे की उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी, जिसके परिणाम आज घोषित किए गए। डीएसपी ए. वेणुगोपाल के बेटे अन्नू कौशिक नरसिम्हा ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 225वीं रैंक हासिल की है। एक मेधावी छात्र, कौशिक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की के पूर्व छात्र हैं, जहां उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक की पढ़ाई पूरी की। डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने कौशिक की लगन और कड़ी मेहनत की सराहना की तथा भारतीय सिविल सेवा में उज्ज्वल और सफल कैरियर के लिए शुभकामनाएं दीं।

ट्रेन संचालन में शामिल फ्रंटलाइन रनिंग स्टाफ को सर्वोच्च प्राथमिकता : लोकेश विश्नोई

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे ने मंगलवार को क्रू बुकिंग लॉबी और रनिंग रूम, काचीगुडा रेलवे स्टेशन में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर (रनिंग स्टाफ) को प्रदान की जा रही सुविधाओं और सुख-सुविधाओं के बारे में मीडिया को विस्तृत जानकारी देने के लिए एक गाइडेड टूर का आयोजन किया। लोकेश विश्नोई, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन; इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर कमल कांत, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध पामर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय श्री पी.टी.वी.दुर्गा प्रसाद, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय वी.विद्याधर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक के.किरण कुमार, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/अनुरक्षण श्रीमती टी.नीला पावनी, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर विष्णु चौधरी, मंडल इंजीनियर/संपदा उपस्थित थे। मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए हैदराबाद मंडल के डीआरएम लोकेश विश्नोई ने कहा कि हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे

ट्रेन परिचालन में शामिल फ्रंटलाइन रनिंग स्टाफ को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। वे ट्रेनों की समय की पाबंदी और सुरक्षित संचालन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि रनिंग रूम लोको पायलटों को ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उनकी भलाई और सतर्कता बनाए रखने में मदद करने के लिए सुविधाजनक और आरामदायक वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि काचीगुडा रनिंग रूम एक दिन में विभिन्न दिशाओं से आने वाले 24 स्टाफ सदस्यों के लिए आरामदायक आवास प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्टाफ को स्वस्थ और स्वच्छ नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना रियायती दरों पर, लाउंज/रीडिंग रूम, ध्यान के लिए योग कक्ष आदि की सुविधा भी प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, रनिंग रूम में कई अन्य सुविधाएं जैसे जूता पॉलिश करने की मशीन, साफ-सुथरे वॉशरूम, वाटर हीटर, रिसेप्शन, मशीनीकृत धुले हुए लिनन, ब्रांडेड गुणवत्ता वाले खाट और गद्दे, डाइनिंग हॉल, किचन और स्टोर, ताजे पानी की आपूर्ति आदि प्रदान की गई हैं।

कमल कांत, सीनियर डीएमई/एचवाईबी ने सुरक्षित संचालन में लोको रनिंग स्टाफ की भूमिका और स्टाफ को सर्वोत्तम संभव सुविधाएं प्रदान करने को प्राथमिकता दिए जाने के बारे में मीडिया को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर हस्ताक्षर करने से पहले चालक दल के सदस्यों के आराम करने के दौरान सबसे आरामदायक माहौल प्रदान करने के लिए उचित देखभाल की जा रही है।

पति की हत्या करने वाली महिला समेत तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पति की हत्या करने वाली महिला समेत तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक बोइनी सेलू की पत्नी बोइनी कविता ने अपने पति को खत्म करने की योजना बनाई। उसने अपने देवर सधुला मल्लेश और अपनी बहन सधुला ज्योति की मदद ली। कविता ने उन्हें बताया कि वह अपने पति के रूढ़िवादी व्यवहार से परेशान थी, जिसके कारण वह उससे अलग हो गई थी। हालांकि, जब भी वह अपने बच्चों को देखने गांव जाती थी, तो उसका पति और उसके परिवार के सदस्य उसका अपमान करते था। हाल ही में, मृतक ने अपनी बेटी की शादी अपनी बहन के बेटे के साथ करने का फैसला किया। महिला ने उससे इस बारे में पूछा, तो उसने आक्रामक तरीके से जवाब दिया और उसे फिर से पारिवारिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी। रंजिश रखते हुए तीनों आरोपियों के साथ मिलकर उसे खत्म करने की साजिश रची। योजना के अनुसार, वह मृतक को अपनी बेटी की शादी के लिए काम करने और पैसे कमाने के बहाने हैदराबाद ले आई। हैदराबाद पहुंचने के बाद घर ले जाकर उसे शराब पिलाई। जब वह गहरी नींद में था, तो कविता और उसके देवर ने स्विचबोर्ड पर एक बिजली का तार लगाया, उसे बाइंडिंग वायर से जोड़ा और मृतक के शरीर पर रख दिया। जब स्विच चालू किया गया, तो उसे बिजली का झटका लगा और वह जाग गया। उसने अपने हाथों से उसकी गर्दन और अंडकोष को पूरी ताकत से दबाया, जबकि ज्योति रोकने के लिए उसके पैरों पर खड़ी हो गई। नतीजतन, मृतक ने हमले का शिकार होकर दम तोड़ दिया और उसकी मौत हो गई। बाद में, आरोपियों ने एक ऑटो का उपयोग करके शव को एक बड़े बैग जैसे नीले रंग के कवर के अंदर रखकर उसे स्थानांतरित करने का प्रयास किया। उन्होंने इसे जोगीपेट क्षेत्र के पास दफनाने का प्रयास किया। हालांकि, ऑटो चालक को उसके हरकतों पर शक हो गया और वह शव को लेकर उसी स्थान पर लौट आया, जहां से उसने उन्हें उठाया था। इसके बाद आरोपियों ने शव को एक सुनसान जगह पर ले जाकर दफना दिया। इस मामले का पता केपीएचबी पुलिस ने कुकटपल्ली डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास राव और केपीएचबी के पुलिस निरीक्षक एस. राजशेखर रेड्डी के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में लगाया।

केटीआर ने रेवंत से माफी मांगने और दोषी पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लागाचेरला में पुलिस की ज्यादतियों की कड़ी निंदा करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और दलित और आदिवासी लड़कियों के यौन उत्पीड़न और मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल पुलिस अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। यह मांग राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक निंदनीय रिपोर्ट के मद्देनजर की गई है, जिसमें गांव में विवादास्पद भूमि अधिग्रहण अभियान के दौरान महिलाओं के साथ व्यवस्थित दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ की पुष्टि की गई है। हैदराबाद के नंदीनगर में पीड़ितों से मिलने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि एनएचआरसी के निष्कर्षों ने पुलिस कर्मियों के "बर्बर व्यवहार" को उजागर किया है, जिन पर उन्होंने रेवंत रेड्डी के लिए "निजी सेना" के रूप में काम करने का आरोप लगाया। केटीआर ने कहा, पुलिस अधिकारियों ने शालीनता की सभी सीमाओं को पार करते हुए युवा आदिवासी लड़कियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया। ये न केवल व्यक्तियों के खिलाफ बल्कि न्याय के विचार के खिलाफ अत्याचार हैं। एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज के नेतृत्व में एनएचआरसी ने फील्ड विजिट के बाद पीड़ितों के आरोपों को मान्य किया और राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसने पाया कि पुलिस ने आदिवासी पुरुषों और महिलाओं को थर्ड-डिग्री टॉर्चर, धमकियों और मारपीट का सामना करना पड़ा, जिसमें पुलिस स्टेशनों के अंदर भी शामिल है जहां सीसीटीवी कैमरे कथित तौर पर काम नहीं कर रहे थे। केटीआर ने भयावह गवाही सुनाई- एक लड़की ने एनएचआरसी को बताया कि उसे और उसकी सास को यौन उत्पीड़न किया गया था, जबकि एक अन्य को उसकी जांघ पर मारा गया था। उन्होंने सरकार पर उच्च न्यायालय के स्थगन के बावजूद लागाचेरला में गुप्त अभियान जारी रखने और कथित तौर पर सीएम के परिवार से जुड़ी एक दवा कंपनी के लिए भूमि हड़पने में मदद करने का आरोप लगाया। केटीआर ने कहा, यह रिपोर्ट रेवंत रेड्डी के प्रशासन के मुंह पर तमाचा है। अगर उनमें थोड़ी भी गरिमा बची है, तो उन्हें दलित और आदिवासी समुदायों से माफी मांगनी चाहिए और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। केटीआर ने यह भी चेतावनी दी कि अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो बीआरएस इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाएगी।

स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव की तैयारी पूरी : अनुराग जयंती

आज सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा मतदान

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर अनुराग जयंती ने आज कहा कि चुनाव कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने मंगलवार को हैदराबाद स्थानीय निकाय चुनाव के लिए की गई तैयारियों पर एक प्रेस वार्ता की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जीएचएमसी मुख्यालय में दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुल 112 मतदाता हैं और कहा कि मतदान बुधवार (23 अप्रैल) को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। उन्होंने कहा कि दोनों मतदान केंद्रों पर आवश्यक कर्मचारियों के अलावा कुछ और कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर चार कर्मचारी होंगे और कहा कि मतदान केंद्रों पर धारा 144 लागू रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि लगभग 200 से 250 पुलिसकर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 500 अधिकारी और कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदान और मतगणना कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है और कहा कि मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में और किसी भी बाधा से मुक्त कराने के लिए सभी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों की पृष्ठभूमि में, मतदान के दिन चुनाव ड्यूटी पर रहने वाले कर्मचारियों को छोड़कर, 23 अप्रैल को जीएचएमसी मुख्यालय में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी कर्मचारियों को 14 जून, 2025 के दूसरे शनिवार को अपने कार्यालय की ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करना होगा। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त चुनाव आयुक्त अलीवेलु मंगतयारू, हैदराबाद के डिप्टी कलेक्टर रवि और अन्य ने भाग लिया।

दाताश्री का जन्मोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बलकमपेट स्थित गुजराती पाटीदार भवन में समस्त राजपुरोहित समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं द्वारा मंगलवार 22 अप्रैल को दाताश्री खेतारामजी महाराज का जन्मोत्सव कार्यक्रम भव्य शोभा यात्रा, पुजा-अर्चना, भजनों व भोजन-प्रसादी कार्यक्रम के साथ भव्यरुप से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम के लाभार्थी विजयसिंह जाणुंदा ने बताया कि श्रद्धा और भक्ति के प्रतीक संत खेतेश्वर महाराज का जन्मोत्सव धूम-धाम से और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रात: 8.15 बजे श्री कनक दुर्गा माता मंदिर से भव्य शोभा यात्रा समाज बन्धुओं और महिलाओं द्वारा नाचते-गाते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के पश्चात् फूलों से सजाये गये भव्य पंडाल में दाताश्री की तस्वीर पर माल्यापर्ण, पुजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर अर्जुनसिंह राजपुरोहित व कन्हैयालाल वैष्णव की मधुर आवाज में भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व समाज के भामाशाहों का राजस्थानी परम्परा से स्वागत कर, कार्यक्रम स्थल पर आयोजित भोजन-प्रसादी का समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। भोजन-प्रसादी व पेपर विज्ञापन के लाभार्थी विजयसिंह-उषाकंवर, महावीर, कृष्णा जाणुंदा राजपुरोहित परिवार का समाज बन्धुओं द्वारा विशेष सम्मान करने पर विजयसिंह जाणुंदा ने तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि खेतेश्वर दाता का जन्मोत्सव केवल उत्सव नही, एक अवसर है उनके विचारों को जीवन में उतारने का। उन्होने हमेशा एकता, प्रेम और सेवा की राह दिखायी। आज हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम केवल उत्सव नही मनाये, बल्कि उनके सपनों का समाज भी बनाये। जहां भाईचारा, सहयोग, संस्कारों की चमक हो। यही उनके चरणों में हमारी सच्ची भक्ति और सम्मान होगा।

उन्होने आसोतरा गांव में ब्रह्मा मंदिर की स्थापना की, जिसे आज ब्रह्मधाम आसोतरा के नाम से जाना जाता है। जहां पर समाज बन्धु दाताश्री के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विजयसिंह जाणुंदा, उत्तमसिंह, अशोकसिंह ढालोप, विजयसिंह मेड़ता, बंटुसिंह, छोटुसिंह, सोहनसिंह खेरवा, विजयसिंह कोटा, प्रवीणसिंह, हीरसिंह,

विजयसिंह बलाड़ा, किशोरसिंह जाणुंदा, हुक्मसिंह, अशोकसिंह, कपिलसिंह, महावीरसिंह, कृष्णा राजपुरोहित, गणपतसिंह, चैनसिंह, देवेन्द्रसिंह, हितेश, परबत सोलंकी, मोहन देवासी व बहुत से समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

नाबालिग लड़की के धोखा देने वाले को आजीवन कारावास और 60 हजार रुपये का जुर्माना

कुमरमभीम आसिफाबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला प्रधान एवं सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमवी रमेश ने 17 वर्षीय लड़की से शादी का झूठा वादा कर उसका शारीरिक शोषण करने के मामले में आरोपी को पाक्सो के तहत आजीवन कारावास और 60,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सीआइ रविंदर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार परिशनामबाला गांव की एक लड़की (17 वर्षीय) अपनी मां के निधन के बाद अपनी दादी के साथ रह रही है। उसी गांव का गेतकर श्रीकांत जो पेशे से ऑटो चालक है ने लड़की को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया। वह जब इलाज के लिए कागजनगर के एक अस्पताल गई तो डॉक्टरों ने उसे बताया कि वह सात माह की गर्भवती है। वह श्रीकांत से मिली और उससे तुरंत शादी करने को कहा। श्रीकांत ने लड़की से कहा कि वह उससे शादी नहीं कर सकता, क्योंकि वह निम्न जाति की लड़की है। गांव के बुजुर्गों के बीच भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका। पीड़िता ने आसिफाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई और तत्कालीन आसिफाबाद सीआई ए. अशोक (प्रथम आईओ) ने मामला दर्ज किया (द्वितीय आईओ एस अच्छेस्वरा राव एडिशनल एसपी, आसिफाबाद सब-डिवीजन प्रभारी) जांच और अदालत में प्रस्तुति के बाद पी.पी. जगनमोहन राव, सीडीओ व लाइजन ऑफिसर पी. राम सिंह एएसआई ने गवाह पेश किए तथा न्यायाधीश ने गवाहों का परीक्षण किया तथा अपराध सिद्ध होने पर जिला न्यायाधीश ने आरोपी श्रीकांत को आजीवन कारावास व 60 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने मामले के आरोपियों को सजा दिलाने के लिए वर्तमान डीएसपी चित्तरंजन आईपीएस, सीआई बुड्डे रविंदर और अन्य पुलिस कर्मियों को उनके प्रयासों के लिए सराहना की।

भूजल स्तर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करें : दीपक तिवारी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि जिले में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए। मंगलवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर स्थित कलेक्टर कांफ्रेंस हॉल में कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला के साथ नगर निगम आयुक्त, भू-जल विभाग, मिशन भागीरथ अभियंता, लोक स्वास्थ्य विभाग के अधिशासी अभियंता, सिंचाई विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायत विभाग के अधिकारियों की पर्यवेक्षी समिति की बैठक कर जल उपयोग, जल संरक्षण, भूजल स्तर में कमी को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि निगरानी समिति को जिले में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को सिंचाई एवं पेयजल के किफायती उपयोग के बारे में जागरूक किया जाए, जिले में जल संसाधन अधिनियम का सख्ती से क्रियान्वयन किया जाए तथा जल संसाधन अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को जिले में हैंडपंप, कुओं, सिंचाई तालाबों, परियोजनाओं और कृषि पंप सेटों का पूरा विवरण सहित रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में कुण्डों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिकाओं में नए मकानों के निर्माण के लिए अनुमति मांगने वालों को जागरूक किया जाए ताकि वे कुण्डों का निर्माण अवश्य करें। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति, सिंचाई विभाग के अधिकारी प्रभाकर, गुणवंत राव, नगरपालिका अधिकारी, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

सिरसिल्ला में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली मंडल में एक युवक सैंड्रागिरी राकेश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, कुछ दिन पहले घर से लापता हुआ राकेश गांव के बाहरी इलाके में मृत पाया गया। पुलिस को संदेह है कि राकेश की मौत तीन दिन पहले हुई होगी। शव सड़ने के कारण डॉक्टरों ने घटनास्थल पर ही पोस्टमार्टम किया।

भाजपा विरोधी दलों के मुंहतोड जवाब देगी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के एमएलसी उम्मीदवार डॉ गौतम राव को विजयी बनाने के लिए भाजपा ने कमर कस ली है।

भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष उमा महेंडर एवं जामबाग डिवीजन कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल ने हिंदी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुए कि आगामी एमएलसी चुनावों में सभी दलों के सभी कॉरपोरेट्स को उनके विवेक पर वोट करने के लिए बुलाया गया था। वोट देना सबका लोकतांत्रिक अधिकार है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम कॉरपोरेटर्स अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के संपर्क में हैं। कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष दलों का दावा करने वाले दलों को चुनाव में भाग नहीं लेना चाहिए। बैठक में कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल, गोलकोंडा जिला भाजपा के अध्यक्ष उमा महेंडर, भाग्यनगर जिला अध्यक्ष निरंजन यादव, गोशामहल संयोजक कृष्णा, शैलिंदर यादव और भाजपा पार्टी डिवीजन के नेताओं ने बडी संख्या में भाग लिया।

बीआईएस अधिकारियों का सैनिटरी पैड्स फैक्ट्री पर छापा

बिना आईएसआई सीलयुक्त तीस हजार पैड्स किए जब्त

हैदराबाद, 22 अप्रैल, (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा सैनिटरी पैड्स फैक्ट्री पर छापा मारकर बिना आईएसआई सील वाले तीस हजार सैनिटरी पैड्स जब्त किए। इसके चलते बीआईएस शाखा प्रमुख पीवी श्रीकांत ने घोषणा की कि जो भी बीआईएस के नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके विरुध्द कडी कार्रवाई होगी।

सोमवार 21 अप्रैल को कुशाईगुडा स्थित एक केंद्र पर तलाशी के दौरान अधिकारियों ने 30,000 सैनिटरी पैड्स और 7,000 से ज्यादा लेबल कवर्स जब्त किए। बिक्री के लिए तैयार इस सामग्री पर आईएसआई मार्क नहीं था। चूंकि यह सभी जानते हैं कि, महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, भारत सरकार ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश राजपत्र के माध्यम से आईएस 5405:2019 मानकों का अनुपालन करने वाले सैनिटरी पैड्स के लिए बीआईएस प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया है। उसने बीआईएस प्रमाणीकरण प्राप्त किए बिना बिक्री, निर्माण या भंडारण करने वालों के खिलाफ कडी कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

अधीक्षक और निदेशक पीवी श्रीकांत ने कहा कि सूचना मिलने के बाद तलाशी ली गई एवं इस केंद्र पर बिना किसी सत्यापन के बड़ी मात्रा में सैनिटरी नैपकिन का भंडारण किया जा रहा है। जिसमें संयुक्त निदेशक सविता और राकेश थन्नीर के नेतृत्व में छापा मारा।

बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17 के अनुसार, भारत सरकार द्वारा बीआईएस प्रमाणीकरण के लिए अनिवार्य किए गए किसी भी उत्पाद पर आईएसआई चिह्न या इलेक्ट्रॉनिक सामान के लिए पंजीकरण चिह्न नहीं होने, बीआईएस की अनुमति के बिना निर्मित, बिक्री करने या संग्रहीत किए जाने पर दो वर्ष की कैद और 500 रुपये जुर्माने का प्रावधान है। जिसमें पहली बार 2 लाख रुपये तक का जुर्माना, पांच साल की कैद और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना है। दूसरी बार ऐसा करने पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा तथा उसके बाद जुर्माने की राशि का दस गुना तक बढाई जायेगी एवं तत्संबंधित आरोपी को जुर्माना देना होगा। अब तक भारत सरकार ने कई गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं, जिसके तहत 679 उत्पादों को अनिवार्य बनाया गया है। पीवी श्रीकांत ने घोषणा की कि जो भी इन नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक उपभोक्ता से भारतीय मानकों के प्रति जागरूक रहने, बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से वस्तुओं के गुणवत्ता मानकों की पहचान करने तथा उल्लंघन पाए जाने पर उसी ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

महिला से 9.8 लाख रुपये की ठगी के आरोप में 'लेडी अघोरी' गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मोकिला पुलिस ने कथित तौर पर 'लेडी अघोरी' उर्फ श्रीनिवास उर्फ शिव विष्णु ब्रह्मा अल्लूरी को एक महिला से उसकी समस्याओं को हल करने और उसके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को ठीक करने का झूठा वादा करके 9.8 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, स्वयंभू अघोरी ने 'विशेष पूजा' करके शिकायतकर्ता की सभी समस्याओं का समाधान करने का दावा किया, पैसे एकत्र किए और उसे धोखा दिया। जब पैसे वापस करने के लिए कहा गया, तो अघोरी ने उसे धमकी दी और जान से मार डाला। महिला की शिकायत के आधार पर मोकिला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के एक भाग के रूप में, पुलिस ने निगरानी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की और उत्तर प्रदेश में अघोरी का पता लगाया तथा संदिग्ध को हिरासत में ले लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह बने विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर

महिलाओं में स्मृति मंधाना को मिला यह खिताब

वेस्टइंडीज के पूरन टी-20 में बेस्ट क्रिकेटर

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 से सम्मानित किया गया है। बुमराह को पुरुष क्रिकेटर का और मंधाना को वुमन कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं बेस्ट टी-20 क्रिकेटर का सम्मान वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को दिया गया है।

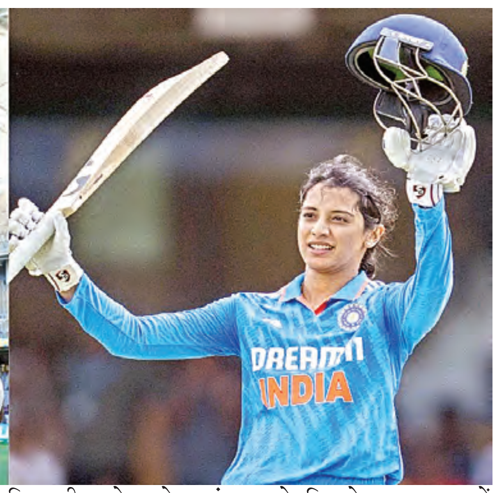

1889 से दिया जा रहा है यह अवॉर्ड

विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड क्रिकेट का सबसे पुराना इंडिविजुअल अवॉर्ड है। 1889 से हर साल यह लिस्ट विजडन जारी कर रहा है,जिसका सिलेक्शन पिछले सीजन में परफॉर्मेंस के आधार पर किया जाता है। कोई भी खिलाड़ी एक बार से ज्यादा बार यह अवॉर्ड नहीं जीत सकता है।

बुमराह को बताया स्टार ऑफ द ईयर

बुमराह को विजडन के संपादक लॉरेंथ बूथ ने स्टार ऑफ द ईयर बताया। बुमराह ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम औसत से 200 विकेट लेने वाले इतिहास के पहले टेस्ट गेंदबाज बनें। बुमराह ने अब तक 45 टेस्ट मैच में 19.40 की औसत से 204 विकेट ले चुके हैं।

वहीं जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने अकेले ही 13.06 की औसत से 32 विकेट चटकाए थे। बूथ ने बुमराह को सभी समय का सबसे महान खिलाड़ी माने जाने का दावा भी किया।

मंधाना ने 2024 में सभी फॉर्मेट में 1600 से ज्याद रन बनाए

स्मृति मंधाना को विजडन ने दुनिया की बेस्ट महिला खिलाड़ी माना है। उन्होंने 2024 में सभी फॉर्मेट में 1659 रन बनाएं, जो कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एक कैलेंडर वर्ष में किसी महिला खिलाड़ी की ओर से बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इसमें वनडे में चार शतक भी शामिल हैं। वहीं मंधाना ने पिछले साल जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दस विकेट की जीत में दूसरा टेस्ट शतक (149) लगाया था।

पूरन ने 2024 में टी-20 में142 की स्ट्राइक से 464 रन बनाएं

निकोलस पूरन को लीडिंग टी 20 प्लेयर का अवॉर्ड मिला। उन्होंने साल 2024 में 21 मैच खेलते हुए 464 रन बनाए और इस दौरान उनका औसत 25 और स्ट्राइक रेट 142 का रहा।

पूरन मौजूदा समय में आईपीएल में शानदार परफॉर्मेंस कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच खेलते हुए लखनऊ के लिए 368 रन बना लिए हैं।

वर्ष के पांच क्रिकेटर में सरे के तीन खिलाड़ी

इस बार विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटर में सरे काउंटी के तीन खिलाड़ी गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वॉरल को शामिल किया है। इनके अलावा हैम्पशायर के लियाम डॉसन और इंग्लैंड की खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है।

मिचेल सैंटनर को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का सम्मान

न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सैंटनर को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का सम्मान दिया गया है। उन्हें यह सम्मान पिछले साल भारत के खिलाफ पुणे टेस्ट में 13 विकेट लेने के लिए मिला। न्यूजीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया था। टीम इंडिया का दिसंबर 2012 के बाद से पहली घरेलू सीरीज़ हार थी।

भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने जीता सिल्वर मेडल

मनु भाकर चौथे स्थान पर रहीं

लीमा (पेरू), 22 अप्रैल (एजेंसियां)। स्टार शूटर सिमरनप्रीत कौर बरार ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (ISSF) विश्व कप सर्किट के दूसरे चरण के अंतिम दिन पेरू के लीमा में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में शानदार सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदक जीता. वहीं, डबल ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा.

सिमरनप्रीत ने पांच रैपिड-फायर शॉट्स के 10-सीरीज के फाइनल में कुल 33 हिट लगाए, जो चीन की सुन युजी से एक हिट पीछे रहे, जिन्होंने इस स्पर्धा में लगातार दो वर्ल्ड कप गोल्ड जीते हैं. दूसरी चीनी खिलाड़ी याओ कियानक्सुन ने 29 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया. यह प्रतियोगिता में भारत का चौथा रजत था, जिसके साथ 2 स्वर्ण और 1 कांस्य भी था.

पहली सीरीज के बाद ही चीन की खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंच गईं जबकि भारतीय निशानेबाजों ने दूसरी सीरीज से ही अपनी लय हासिल कर ली. छठी सीरीज में मनु और सिमरनप्रीत दोनों ने पांच-पांच शॉट लगाए जबकि ईशा ने चार निशाने लगाए.

इसके बाद मनु, ईशा और जर्मनी की डोरेन वेनकेम्प के बीच शूट ऑफ हुआ. ईशा सबसे पहले बाहर हो गईं. इसके बाद मनु ने दूसरे शूट ऑफ में डोरेन को पछाड़कर शीर्ष चार में जगह बनाई. मनु हालांकि अगली सीरीज के बाद एक अंक से पिछड़कर बाहर हो गईं.

इससे पहले, डबल ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर, मिक्सड टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा सिंह और सिमरनप्रीत की भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में जगह बनाई. मनु 585 प्वाइंट्स के साथ क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि सिमरनप्रीत 580 अंकों के साथ 5वें स्थान पर रहीं. पिछले अर्जेंटीना विश्व कप में इस स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतने वाली ईशा सिंह ने 575 प्वाइंट्स हासिल कर 8वां और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया.

बीमारी के कारण सुदीरमन कप से हटी सात्विक-चिराग की जोड़ी, बीएआई ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स से हटने का फैसला किया। ऐसे में 27 अप्रैल से चार मई तक चीन के शियामेन में होने वाली मिश्रित टीम चैंपियनशिप में देश की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की 11वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चोट के बाद वापसी करनी थीस लेकिन भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने घोषणा की कि सात्विक और चिराग इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे।

बीएआई ने कहा, 'पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह टीम में किसी अन्य जोड़ी को नहीं भेजा जाएगा।' चिराग को मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर के दौरान पीठ में चोट लग गई थी।

हरिहरन अम्सकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासबापति की युवा जोड़ी पुरुष युगल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय के साथ भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी जबकि लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पुरुष एकल में जिम्मेदारी संभालेंगे।

प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी महिला युगल में प्रतिस्पर्धा करेगी। मिश्रित युगल में भारत दो जोड़ियां उतारेगा जिसमें ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो (एशिया चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची) तथा सतीश कुमार और आद्या वरियाथ शामिल हैं। इससे पहले बीएआई ने चोट के कारण गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की महिला युगल जोड़ी को बाहर कर दिया था। भारत ने अपनी समग्र विश्व रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। देश को पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और एक मजबूत इंग्लिश टीम के साथ चुनौतीपूर्ण ग्रुप डी में रखा गया है।

पंचकुला नहीं, बंगलूरू में होगा नीरज चोपड़ा का मुकाबला

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का मुकाबला अब पंचकुला के बजाए बंगलूरू में होगा। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट में नीरज के अलावा कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे जिसमें एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर शामिल हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है।

नीरज ने अरशद नदीम को किया आमंत्रित

ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं। नीरज ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया है जिन्होंने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

नीरज ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे।

पीटर्स ने 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और रोहलर के अलावा केन्या के जूलियस येगो (2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता और 2015 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी भागीदारी की पुष्टि की है।

मैच फिक्सिंग का आरोप लगने से खौल उठा राजस्थान रॉयल्स के खेमे का खून

सीधे मुख्यमंत्री से कर डाली शिकायत

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के एड-हॉक कमिटी के संयोजक जयदीप बिहानी के बयान पर बवाल मच गया है। राजस्थान रॉयल्स को लखनऊ के खिलाफ करीबी मैच में मिली हार के बाद जयदीप ने एक बयान में टीम पर इशारों-इशारों में मैच फिक्सिंग का आरोप लगा डाला। हालांकि, जयदीप के इस बयान पर राजस्थान रॉयल्स का टीम मैनेजमेंट भड़क उठा है। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने इसकी शिकायत राजस्थान के मुख्यमंत्री, खेल मंत्री और स्पोर्ट्स सचिव से कर डाली है। राजस्थान रॉयल्स ने जयदीप बिहानी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

बाबर आजम को भी नहीं देखना चाहते पाकिस्तानी फैंस

फिर हुए फेल, खाली स्टेडियम में हुआ खेल

इस्लामाबाद,, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। PSL 2025 का 11वां मैच पेशावर जल्मी और कराची किंग्स के बीच खेला गया. इस मैच में कराची किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. पेशावर जल्मी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए. पिछले तीन मैचों में फ्लॉप चले पेशावर जल्मी के कप्तान बाबर आजम ने इस मैच में 41 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 46 रन बनाए. इस मैच की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि मैच को देखने के लिए कराची स्टेडियम में फैंस नहीं पहुंचे. स्टेडियम पूरी तरह से खाली दिखाई दे रहा था. फैंस से ज्यादा वहां पर सुरक्षाकर्मी दिखाई दे रहे थे.

क्रिकेट से दूर हो रहे हैं पाकिस्तानी फैंस

बाबर आजम का मैच होने के बावजूद कराची स्टेडियम में फैंस नहीं पहुंचे. ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तानी फैंस अब क्रिकेट से दूर होते जा रहे हैं. पाकिस्तान सुपर लीग ने अब तक 11 मैच पूरे कर लिए हैं. हाल ही में इंग्लैंड के बल्लेबाज सैम बिलिंग्स ने आईपीएल को दुनिया का बेस्ट टी20 लीग बताते हुए उसे PSL समेत बाकी दूसरे फ्रेंचाइजी लीग से ऊपर रखा.

पाकिस्तान सुपर लीग में कुल 34 मैच खेले जाएंगे. इस बार पीसीबी ने टूर्नामेंट का आयोजन आईपीएल के बीच किया है, उन्हें लगा था कि उनकी लीग भारत में होने वाली दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को टक्कर देगी. पहले मैच में दर्शकों की संख्या अच्छी थी लेकिन 11वें मैच तक पहुंचते-पहुंचते पूरा स्टेडियम ही खाली नजर आ रहा है.

सोशल मीडिया पर पीएसएल की तस्वीर हुई थी वायरल

कुछ दिन पहले पाकिस्तानी पत्रकार ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि कराची में पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान 6700 सुरक्षाकर्मी लगे हुए हैं. जबकि कराची में हुए मैच में दर्शकों की संख्या करीब 5000 ही थी, यानी सुरक्षाकर्मियों की संख्या से भी 1500 कम लोग मैच देखने आए थे.

बात करें बाबर आजम की टीम की तो पेशावर जल्मी ने इस मैच से पहले तीन मैच खेले हैं, जिसमें उसे 2 में हार का सामना करना पड़ा है. पेशवार जल्मी पॉइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर है. कराची किंग्स इस मैच से पहले 4 मैचों में 2 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है.

शादी की सालगिरह पर मां बनी ज्वाला गुट्टा

खेल डेस्क, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की पूर्व बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा मां बन गई है. उन्होंनें एक लड़की को जन्म दिया है. ज्वाला गुट्टा के लिए खुशी का ये डबल मौका है क्योंकि जिस दिन वो मां बनीं, उसी दिन उनकी शादी की सालगिरह भी है. ज्वाला गुट्टा ने 22 अप्रैल 2021 को तमिल एक्टर विष्णु विशाल से शादी की थी. और, अब 22 अप्रैल 2025 को उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया है. ज्वाला गुट्टा का नाम कभी भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ भी जुड़ चुका है.

ज्वाला गुट्टा के मां बनने की जानकारी उनके पति विष्णु विनोद की इंस्टाग्राम पोस्ट से चली. उन्होंने पोस्ट में बच्ची के हाथों की तस्वीर शेयर की और लिखा कि हमारी शादी की चौथी सालगिरह के दिन हमें ये तोहफा मिला है. उन्होंने पोस्ट में अपने बेटे आर्यन का भी जिक्र किया.

विष्णु विशाल की दूसरी पत्नी ज्वाला गुट्टा

आर्यन, विष्णु विशाल की पहली पत्नी से है. विष्णु विशाल की पहली पत्नी रजनी नटराज फिल्म प्रोड्यूसर हैं, जिनके साथ उनका तलाक साल 2018 में हुआ. ज्वाला गुट्टा, विष्णु विशाल की दूसरी पत्नी हैं. एक दूसरे को साल 2019 से डेट करने के बाद दोनों ने 2021 में शादी कर ली, जिसके बाद अब उन्हें एक बेटी हुई है.

कभी अजहरुद्दीन से जुड़ा था नाम

ज्वाला गुट्टा बैडमिंटन कोर्ट पर अपने शानदार खेल के अलावा खुद की निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रही हैं. ज्वाला गुट्टा का नाम भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ भी खूब जुड़ा है. मीडिया में दोनों के अफेयर की खबरें खूब छपी. हालांकि, दोनों ने उसका लगातार खंडन किया और उन खबरों को बकवास बताया. उनके मुताबिक वो बस अच्छे दोस्त थे.

विष्णु विशाल भी ज्वाला के दूसरे पति

विष्णु विशाल भी ज्वाला गुट्टा के दूसरे पति थे. उन्होंने पहली शादी बैडमिंटन खिलाड़ी चेतन आनंद से की थी. हालांकि, 2005 में हुई वो शादी 2011 में टूट गई थी. उन्होंने तलाक ले लिया था.

भारतीय युवा मुक्केबाजों के जीत का सिलसिला जारी

उधम और राहुल ने जीते अपने मुकाबले

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। एशियाई अंडर-15 और अंडर 17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों के जीत का सिलसिला जारी रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने रविवार को भी अपने-अपने मुकाबले जीते थे और इस सिलसिले को भी जारी रखा। भारतीय स्कूल खेल महासंघ (एसजीएफआई) के स्वर्ण पदक विजेता टीकम सिंह (52 किग्रा) ने तीसरे दौर में रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) के बाद यूएई के अली अल्मेस्मारी के खिलाफ जीत दर्ज की।

टीकम के अलावा भारत के अन्य मुक्केबाज उधम सिंह (54 किग्रा) ने ईरान के मोहम्मदपरसा मोटेवालियनस्तानहसारी को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की, जबकि राहुल गरिया (57 किग्रा) ने शुरुआती दौर में आरएससी के फैसले के साथ चीनी ताइपे के ली शू-ज़ुन को हराया।

घरेलू हिंसा में दोषी पाया गया पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर

कोर्ट ने सुनायी चार साल की सजा

मेलबोर्न, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लेटर को घरेलू हिंसा सहित कई आरोपों में दोषी पाए जाने पर मंगलवार को चार साल की जेल की सजा सुनाई गई है। हालांकि एक साल से ज्यादा समय तक हिरासत में रहने के बाद उन्हें तुरंत रिहा कर दिया जाएगा। 55 साल के स्लेटर पर घरेलू हिंसा, अवैध रूप से पीछा करने या धमकाने, रात में घर में घुसने, गला घोंटने सहित एक दर्जन से ज्यादा आरोप लगाए गए हैं।

बरी हो गए स्लेटर

स्लेटर को कोर्ट ने बेशक चार साल की सजा सुनाई है, लेकिन वो पूरी तरह बरी भी हो गए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जमानत नहीं मिलने की वजह से उन्होंने पिछला एक साल जेल में ही बिताया है। मामले में अभियोजन पक्ष ने कहा कि स्लेटर को पांच साल की जेल की सजा मिलनी चाहिए, जिसमें तीन साल बाद पैरोल भी शामिल है।

पिछले साल अरेस्ट हुए थे स्लेटर

बता दें कि स्लेटर को पिछले साल अप्रैल में गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में हैं। जिस महिला के साथ उसका प्रेम संबंध था, उससे उन्हें एक दर्जन से अधिक आरोपों का सामना करना पड़ा, जिनमें रात के समय घर में घुसना, गला घोंटना, शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए हमला करना, पीछा करना और जमानत का उल्लंघन करना शामिल है। ये सभी घटनाएं 5 दिसंबर, 2023 और 12 अप्रैल, 2024 के बीच होने का आरोप है। पुलिस ने आरोप लगाया कि स्लेटर ने महिला को कई मैसेज भेजे, जिनमें उन्होंने कई बार उसे जान से मारने की धमकी भी दी। स्लेटर पर यह भी आरोप लगाया गया कि उसने महिला के घर में प्रवेश करने के लिए खिड़की तोड़ दी तथा उसके हाथ पकड़कर उस पर हमला किया। यह आरोप भी लगाया गया कि उसने दो अलग-अलग मौकों पर उसका गला भी दबाया।

हिरोशिमा आना सम्मान की बात : रेवंत रेड्डी

हिरोशिमा प्रीफेक्चरल असेंबली अध्यक्ष ताकाशी नाकामोटो ने सीएम को सम्मानित किया

हिरोशिमा/ हैदराबाद 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिरोशिमा प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष ताकाशी नाकामोटो ने सीएम रेवंत रेड्डी और प्रतिनिधिमंडल को विधानसभा हॉल के औपचारिक दौरे के साथ सम्मानित किया सीएम रेवंत रेड्डी ने हिरोशिमा चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के नेताओं के लिए तेलंगाना राइजिंग के अवसर की पेशकश की विधानसभा विधायकों ने सीएम को गांधी स्मारक, परमाणु बम गुंबद और हिरोशिमा शांति पार्क तक पहुंचाया हिरोशिमा, 22 अप्रैल हिरोशिमा प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष ताकाशी नाकामोटो और विधायकों के एक दल ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले आधिकारिक तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल को प्रीफेक्चरल लेजिस्लेटिव असेंबली हॉल के औपचारिक दौरे के साथ सम्मानित किया। दोनों पक्षों ने सहयोग, सहभागिता और शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता के साझा मूल्यों के प्रचार-प्रसार पर व्यापक चर्चा की। इसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और जयेश रंजन, वी. शेषाद्रि, श्री अजित रेड्डी, विष्णु वर्धन रेड्डी और अन्य अधिकारियों को विधानसभा के अंदर औपचारिक यात्रा कराई गई। सम्मान के एक विशेष चिह्न के रूप में, स्पीकर नकामोटो ने सीएम रेवंत रेड्डी और मंत्री श्रीधर बाबू को अपनी कुर्सी पर बैठाया।

इससे पहले, विधायकों की सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, "हिरोशिमा आना सम्मान की बात है। आपके शहर का मतलब है उम्मीद। आप इस बात के प्रतीक हैं कि जब लोग मिलकर कुछ करने का फैसला करते हैं तो क्या संभव है। हिरोशिमा की तरह, तेलंगाना भी कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और जिम्मेदारी के माध्यम से संघर्ष, उम्मीद और उपलब्धि के बारे में है।" उन्होंने कहा, "हम दोनों कई मूल्यों को साझा करते हैं।

कभी हार न मानना उनमें से एक है। हिरोशिमा शांति, स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक है। तेलंगाना भी आपके साथ उन मूल्यों को साझा करता है। इसलिए, आज मैं निवेश के बारे में बात करने के लिए नहीं, बल्कि साझेदारी के बारे में बात करने के लिए यहां आया हूं। एक बेहतर, हरित और अधिक समावेशी दुनिया बनाने में मदद करने के लिए साझेदारी।" डी. श्रीधर बाबू ने कहा, "आज, 50 से अधिक जापानी कंपनियां मेरे राज्य में अद्भुत काम कर रही हैं। हम और भी कई का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। हमारे पास स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सटीक विनिर्माण और हरित हाइड्रोजन में बेहतरीन अवसर हैं।" उन्होंने कहा, "मैं हिरोशिमा सरकार के अधिकारियों और व्यापार जगत के नेताओं को तेलंगाना आने के लिए आमंत्रित करता हूं ताकि वे खुद देख सकें कि हम क्या कर रहे हैं। तेलंगाना भारत के लिए आपका प्रवेश द्वार हो सकता है - और वैश्विक विकास के लिए आपका मंच। साथ मिलकर, हम हिरोशिमा और हैदराबाद के बीच - जापान और तेलंगाना के बीच एक लचीला पुल बनाएं।" विधायकों ने प्रतिनिधिमंडल को बिजनेस चैंबर गोलमेज सम्मेलन के लिए ले जाया, जिसके बाद गांधी स्मारक, हिरोशिमा मेमोरियल पार्क और परमाणु बम विस्फोट डोम का दौरा कराया गया।

हिरोशिमा प्रान्त राज्यपाल ने मुख्यमंत्री और आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया

बातचीत में सहयोग और सहकारिता के व्यापक पहलुओं पर चर्चा हुई

हिरोशिमा/ हैदराबाद 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मुख्यमंत्री ने मंगलवार को उद्योग और आईटी मंत्री और अधिकारियों सहित एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और हिरोशिमा प्रान्त (राज्य सरकार) के उप राज्यपाल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिरोशिमा प्रान्त सरकार के आतिथ्य की सराहना की और गर्मजोशी से अभिवादन किया।

उन्होंने शांति, लचीलापन और तकनीकी उन्नति में शहर के वैश्विक नेतृत्व को स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने नवाचार, स्थिरता और शांति के लिए तेलंगाना की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। सहयोग की संभावनाओं के बारे में बोलते हुए, मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने उन क्षेत्रों का विस्तृत विवरण दिया, जहां दोनों राज्य एक साथ काम कर सकते हैं। इनमें स्वच्छ प्रौद्योगिकी और अपशिष्ट से ऊर्जा, नगरपालिका अपशिष्ट प्रसंस्करण, सीवेज उपचार और नवीकरणीय ऊर्जा में संयुक्त परियोजनाओं की खोज, शहरी नवाचार और बुनियादी ढाँचा, हैदराबाद के लिए आपदा प्रतिरोधी डिजाइन, भूमिगत मेट्रो इंजीनियरिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों में हिरोशिमा की विशेषज्ञता को आमंत्रित

करना, औद्योगिक सहयोग, ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत विनिर्माण के लिए हिरोशिमा तेलंगाना ऑटोमोटिव और मोबिलिटी कॉरिडोर का प्रस्ताव करना, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, हिरोशिमा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और प्रमुख तेलंगाना विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक संबंधों और छात्र अनुसंधान आदान-प्रदान की योजना बनाना, संस्कृति, शांति और पर्यटन, शांति पार्क पहल, सांस्कृतिक प्रदर्शनियों और बौद्ध विरासत पर सहयोग करना शामिल है।

रियल एस्टेट घोटाला मामले में अभिनेता महेश बाबू को ईडी का नोटिस

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन विभाग (ईडी) ने टॉलीवुड सुपरस्टार महेश बाबू को नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि ये नोटिस साईं सूर्या डेवलपर्स और सुराना ग्रुप पर ईडी द्वारा हाल ही में की गई छापेमारी के मद्देनजर जारी किए गए हैं।

महेश बाबू ने हैदराबाद स्थित इस रियल एस्टेट समूह की परियोजनाओं का समर्थन किया है। ऐसा कहा जाता है कि विभाग ने पाया है कि साई सूर्या डेवलपर्स ने कथित तौर पर अपने प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए स्टार अभिनेता को 5.9 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। इसमें से 3.4 करोड़ रुपये कथित तौर पर चेक के माध्यम से और 2.5 करोड़ रुपये नकद में दिए गए थे। हालांकि अभिनेता इस घोटाले में सीधे तौर पर शामिल नहीं थे, लेकिन ईडी उन्हें मिले पैसे की जांच कर रहा है।

हाल ही में ईडी ने सुराना ग्रुप और साई सूर्या डेवलपर्स के दफ्तरों पर छापेमारी की। ईडी ने साई सूर्या डेवलपर्स के मालिक के सतीश चंद्र गुप्ता और सुराना ग्रुप के

डायरेक्टर नरेंद्र सुराना पर तेलंगाना पुलिस की शिकायत के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, इन रियल एस्टेट समूहों के मालिकों पर धोखाधड़ी करने जैसे कि अनधिकृत लेआउट में भूखंड बेचने, एक ही भूखंड को कई लोगों को बेचने और झूठी पंजीकरण गारंटी देने का आरोप है। ईडी को संदेह है कि इन कंपनियों ने करीब 100 करोड़ रुपये का अवैध लेन-देन किया है। सूत्रों का मानना है कि फर्जी योजनाओं के जरिए कमाए गए पैसे को कई लोगों तक पहुंचाया गया और इसके तहत फिल्मी हस्तियों ने भी पब्लिसिटी के लिए पैसे लिए।

सीएम ने हिरोशिमा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

हिरोशिमा/ हैदराबाद 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को हिरोशिमा में राष्ट्रपिता और शांति के दूत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीएम ने मंगलवार को हिरोशिमा शांति स्मारक पार्क में पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने परमाणु बम गुंबद का भी दौरा किया, जो 1945 के बाद से शहर में खड़ी एकमात्र संरचना है।

सीएम ने हिरोशिमा शांति स्मारक पार्क में पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने परमाणु बम गुंबद का भी दौरा किया, जो 1945 के बाद से शहर में बची एकमात्र संरचना है।

जग्गा रेड्डी ने सदाशिवपेट में कैंसर रोगी को दान किए 10 लाख रुपये

संगारेड्डी, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक टी जग्गा रेड्डी ने पिछले कुछ सालों से कैंसर से जूझ रही एक महिला को 10 लाख रुपये दान किए। जग्गा रेड्डी ने कुछ स्थानीय नेताओं के माध्यम से महिला अमानी के संघर्ष के बारे में जानने के बाद मंगलवार को सदाशिवपेट शहर में उसके घर का दौरा किया। अमानी, जो एक विधवा हैं और दो लड़कियों की माँ हैं, कुछ साल पहले अपने पति की मृत्यु के बाद से अपने इलाज के लिए पैसे जुटाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। अमानी ने कहा कि उन्होंने अपने इलाज के खर्च को पूरा करने के लिए विभिन्न स्रोतों से लगभग सात लाख रुपये उधार लिए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता के इस कदम का आभार व्यक्त किया क्योंकि इससे उन्हें अगले कुछ सालों तक बेहतर इलाज कराने में मदद मिलेगी। जग्गा रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के राज्य भर में कैंसर जांच केंद्र स्थापित करने के निर्णय की भी सराहना की, ताकि लोगों की जांच की जा सके और कैंसर रोगियों का निदान किया जा सके, जिससे अंततः सैकड़ों लोगों की जान बच सकेगी।

बिना आईएसआई मार्क वाले सैनिटरी पैड सप्लाई करने वाले केंद्र पर छापा

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद ने सोमवार को कुशाईगुडा में एक कारखाने पर छापेमारी की, जो बिना आईएसआई मार्क के सैनिटरी पैड की आपूर्ति कर रहा था और 30,000 पैड और 7,000 से अधिक लेबल कवर जब्त किए, जिन पर आईएसआई मार्क नहीं था। बीआईएस हैदराबाद के निदेशक पीवी श्रीकांत ने कहा कि छापेमारी इस सूचना के आधार पर की गई कि इस केंद्र पर बिना किसी प्रमाणीकरण के बड़ी मात्रा में सैनिटरी नैपकिन का भंडारण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के अनुसार, सभी सैनिटरी पैड के लिए आईएस 5405:2019 मानकों के साथ बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य है। बीआईएस प्रमाणन प्राप्त किए बिना उन्हें बेचने, निर्माण करने या संग्रहीत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीआईएस अधिनियम 2016 की धारा 17 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति आईएसआई मार्क, पंजीकरण चिह्न के बिना या बीआईएस की अनुमति प्राप्त किए बिना किसी ऐसे उत्पाद का निर्माण, बिक्री या भंडारण करता है, जिसके लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य है, तो उसे दो साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

पहली बार अपराध करने पर 2 लाख रुपये का जुर्माना और दूसरी बार अपराध करने पर 5 साल तक की जेल और 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। कई बार अपराध करने पर यह राशि 10 गुना तक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि अब तक केंद्र सरकार ने कई गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं, जिसके तहत 679 उत्पादों को प्रमाणन के लिए अनिवार्य बनाया गया है। श्रीकांत ने आम जनता/उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि वे भारतीय मानकों के बारे में जागरूक रहें और यदि उन्हें कोई उल्लंघन नज़र आए तो शिकायत दर्ज करने के लिए बीआईएस केयर मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करें।

इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष बेटियों का शानदार प्रदर्शन

डिप्टी सीएम की मौजूदगी में हुई परिणामों की घोषणा

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष कक्षा 11 और इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष कक्षा 12 का परिणाम घोषित कर दिया है। इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 66.89 रहा, जबकि द्वितीय वर्ष में 71.37 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। दोनों ही नतीजों में लड़कियों ने एक बार फिर एक बार लड़कों को पछाड़ कर बेहतर प्रदर्शन किया। लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 73.8 प्रतिशत है, जबकि प्रथम वर्ष की परीक्षा में 57.83 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए। दूसरे वर्ष के लिए यह प्रतिशत लड़कियों के लिए 74.21 प्रतिशत और लड़कों का सिर्फ 57.31 प्रतिशत रहा। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क भी मौजूदगी में परीक्षा के परिणामों की घोषणा की गई। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट results.cgg.gov.in पर उपलब्ध हैं। इस वर्ष, तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए लगभग 9.96 लाख छात्र उपस्थित हुए। इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में 4.88 लाख और इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष में 5.08 लाख छात्रों ने परीक्षा दी। टीएस इंटर प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं मार्च 2025 में राज्य के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट tgbie.cgg.gov.in पर जाएं और "टीएस इंटर प्रथम वर्ष परिणाम 2025" या "टीएस इंटर द्वितीय वर्ष परिणाम 2025" शीर्षक वाले लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद अपना हॉल टिकट नंबर और जन्म तिथि दर्ज करें। विवरण सबमिट करें; आपका स्कोरकार्ड स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा। इस प्रकिया के बाद प्रोविजनल मार्कशीट डाउनलोड करें और सेव करें। ऑनलाइन मार्कशीट प्रोविजनल होगी। छात्रों को रिजल्ट घोषित होने के कुछ दिनों बाद अपने संबंधित कॉलेजों से अपनी मूल मार्कशीट प्राप्त करनी होगी। उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को प्रत्येक विषय में कम से कम 35% अंक प्राप्त करने होंगे। एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को पूरक परीक्षा देकर अपने अंक सुधारने का मौका मिलेगा। इन परीक्षाओं का कार्यक्रम परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद घोषित किया जाएगा।

पुलिस ने मन्ने कृषांक को जारी किया नया नोटिस

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सोशल मीडिया संयोजक मन्ने कृषांक को माधापुर पुलिस ने एक पुराने मामले में उनके पोस्ट के सिलसिले में नए नोटिस भेजे हैं। मंगलवार को तेलंगाना भवन में उन्हें नोटिस सौंपे गए। मीडिया से बात करते हुए कृषांक ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं, अधूरे चुनावी वादों और जनविरोधी नीतियों पर सवाल उठाने के कारण राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि गच्चीबावली पुलिस ने उन्हें चार बार बुलाया है, जिसमें से एक बार 23 अप्रैल को बुलाया गया था।

उन्होंने कहा कि पहले दिन मुझसे 66 सवाल पूछने के अलावा पुलिस ने कुछ नहीं किया, बल्कि मुझे घंटों इंतजार करवाया। अब, माधापुर पुलिस स्टेशन में एक नया मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि यह ताजा नोटिस कथित पुलिस उत्पीड़न को लेकर राज्य मानवाधिकार आयोग से संपर्क करने के तुरंत बाद आया है। बीआरएस नेता ने खुलासा किया कि उनके सोशल मीडिया अभियानों को लेकर अब तक उनके खिलाफ 21 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के पास कोई बेहतर काम नहीं है, जबकि लोग संघर्ष कर रहे हैं। अब मुझे टीपीसीसी के उपाध्यक्ष कुमार राव द्वारा एक पुरानी पोस्ट को लेकर मार्च 2024 में दर्ज किए गए मामले के लिए नोटिस भेजा गया है। यह स्पष्ट रूप से बीआरएस रजत जयंती समारोह से ध्यान हटाने और बीआरएस नेताओं को परेशान करने का प्रयास है।

डीजीपी डॉ.जितेंद्र ने विजेताओं की सराहना की

पुलिसकर्मियों ने बैडमिंटन और टेबल टेनिस में जीते कई पदक

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर खिलाड़ियों ने 11 से 15 अप्रैल तक कदवंतरा, कोच्चि, केरल में आयोजित प्रथम अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन और टेबल टेनिस) 2024-25 में भाग लिया है। तेलंगाना पुलिस टेबल टेनिस खिलाड़ी पी.सीता रेड्डी, डीएसपी, सीआईडी हैदराबाद, वी.नरसिम्हा राव, एचसी पीएस सैदाबाद, हैदराबाद ने एनजीओ 50+ मिक्स्ड डबल्स में 2 स्वर्ण पदक जीते हैं, आर.कलिंग राव, एसीपी, ईओडब्ल्यू, साइबराबाद और पी.सीता रेड्डी, डीएसपी, सीआईडी हैदराबाद ने राजपत्रित अधिकारी (जीओ) मिक्स्ड डबल्स 50+ श्रेणी में 2 रजत पदक जीते हैं, पी.सीता रेड्डी, डीएसपी, सीआईडी हैदराबाद, और वी.माधवी, डीएसपी, करीमनगर सीपी ने 2 कांस्य पदक जीते हैं। जीओएस महिला एकल 50+ श्रेणी में, कट्टा हरि प्रसाद, एसीपी, ट्रैफिक वेस्ट जोन और वी.माधवी, डीएसपी, करीमनगर सीपी ने जीओएस मिश्रित युगल 50+ श्रेणी में 2 कांस्य पदक जीते हैं, कट्टा हरि प्रसाद, एसीपी, ट्रैफिक वेस्ट जोन और आर.कलिंगा राव, एसीपी, ईओडब्ल्यू, साइबराबाद ने जीओज 50+ पुरुष युगल में 2 कांस्य पदक जीते हैं, के.राजेंद्र प्रसाद, इंस्पेक्टर, सीआई सेल और पी.उमरानी, डब्ल्यूएएसआई , पीएस जम्मीकुंटा, करीमनगर ने एनजीओ 50+ मिश्रित युगल श्रेणी में 2 कांस्य पदक जीते हैं, के. पद्मावती, डब्ल्यूएएसआई , सीआईडी करीमनगर और पी.उमरानी, डब्ल्यूएएसआई , पीएस जम्मीकुंटा, करीमनगर गैर-राजपत्रित अधिकारी (एनजीओ) 50+ महिला युगल में श्रेणी, तेलंगाना पुलिस बैडमिंटन खिलाड़ी जी.वेंकट राव, एडिशनल एसपी, आरबीवीआरआर, टीजीपीए और एम. श्रीनिवास राव, डीएसपी, ग्रेहाउंड्स ने जीओ के 50+ पुरुष डबल्स वर्ग में 2 कांस्य पदक जीते हैं, डी. प्रसन्ना लक्ष्मी, एसीपी, सीएआर हैदराबाद और पी. उमरानी, डब्ल्यूएएसआई, पीएस जम्मीकुंटा, करीमनगर ने जीओ ओपन महिला डबल वर्ग में 2 कांस्य पदक जीते हैं। इस संबंध में डॉ. जितेन्द्र, आईपीएस, डीजीपी, टीजी ने पदक विजेताओं को बधाई दी और सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में खेल अधिकारियों, कोचों के साथ-साथ एम. रमेश, आईपीएस, आईजीपी खेल, डीएसपी (खेल) रामाराव ने भाग लिया।

इंटरमीडिएट परीक्षा में फेल होने के डर से नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक नाबालिग लड़की को कथित तौर पर डर था कि वह इंटरमीडिएट परीक्षा में फेल हो जाएगी, उसने सोमवार रात पेटबशीराबाद में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार, 16 वर्षीय लड़की, जो मेडचल के एक निजी जूनियर कॉलेज की इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की छात्रा थी, परीक्षा में शामिल हुई थी। हालांकि, वह अपने प्रदर्शन से परेशान थी और उसने अपनी जान ले ली। जब उसके परिवार के सभी सदस्य सो गए तो उसने अपने शयन कक्ष में छत के पंखे से दुपट्टे से लटककर आत्महत्या कर ली। पेटबशीराबाद पुलिस जांच कर रही है।

पूर्व खुफिया प्रमुख पीएसआर अंजनेयुलु कादंबरी जेठवानी मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व खुफिया प्रमुख पीएसआर अंजनेयुलु को कथित तौर पर मुंबई स्थित अभिनेत्री कादंबरी जेठवानी से जुड़े एक मामले में आंध्र प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कथित तौर पर उन्हें हैदराबाद में उनके आवास से हिरासत में लिया गया था और आगे की जांच के लिए उन्हें आंध्र प्रदेश ले जाया जा रहा है।

मुंबई की रहने वाली अभिनेत्री जेठवानी ने वाईएसआर कांग्रेस के एक नेता की शिकायत पर वाईएस जगन मोहन रेड्डी शासन के दौरान आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत की थी, जिसने उन पर जमीन से जुड़े एक मामले में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। अभिनेत्री और उनके परिवार के सदस्यों को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था।

बाद में अभिनेत्री की शिकायत के बाद तीन आईपीएस अधिकारियों अंजनेयुलु, कांथी राणा टाटा और विशाल गुन्नी को निलंबित कर दिया गया, जिसमें उनकी अवैध गिरफ्तारी

और हिरासत का आरोप लगाया गया था।

अभिनेत्री ने पुलिस अधिकारियों पर यह भी आरोप लगाया था कि अगर उन्होंने मुंबई में एक निगम के शीर्ष अधिकारी के खिलाफ़ दर्ज किया गया मामला वापस नहीं लिया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट अधिकारी ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करके उन्हें गिरफ़्तार करवाया और सार्वजनिक क्षेत्र में उनकी विश्वसनीयता को कम करने की कोशिश की।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने आरोपों की जांच की और 1992, 2004 और 2010 बैच के अधिकारियों के खिलाफ प्रक्रियागत खामियों, कर्तव्य में लापरवाही और कदाचार का आरोप लगाते हुए निलंबन के आदेश जारी किए। उस समय राज्य खुफिया प्रमुख रहे अंजनेयुलु पर आरोप था कि उन्होंने कांथी राणा टाटा और विशाल गुन्नी को बुलाया और एफआईआर दर्ज होने से पहले ही अभिनेत्री को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। निलंबन आदेश में कहा गया था कि अंजनेयुलु पर अपने अधिकार और आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने, बिना पर्याप्त जांच के जांच को तेजी से आगे बढ़ाने का आरोप था।

विजयवाड़ा के पूर्व आयुक्त कांथी राणा टाटा पर जांच का उचित पर्यवेक्षण करने में विफल रहने तथा अपने वरिष्ठ अधिकारी के मौखिक निर्देश पर अभिनेत्री को गिरफ्तार करने का आदेश जारी करने का आरोप लगाया गया, जबकि विशाल गुन्नी पर अभिनेत्री को गिरफ्तार करने से पहले शिकायत की गहन जांच करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.